धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत, अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट - 14

सेंसेक्स में गिरावट 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर हुआ बंद - 14

भारत में जहाज निर्माण नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता - 15

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत - 16

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:02 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 26 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 276, पृष्ठ 16 | मूल्य 6 रुपये

युगांतकारी... राम मंदिर के शिखर पर फहरा धर्मध्वज

अवधपुरी अति रुचिर बनाई... देवन्ह सुमन बृष्टि झरि लाई

वैदिक मंत्रोच्चार और जय श्री राम के नारों के बीच की ध्वज स्थापना

अनुष्ठान के साथ औपचारिक रूप से पूरा हुआ मंदिर का निर्माण

मोदी ने कहा- यह धर्मध्वज 'प्राण जाय पर वचन न जाई का प्रतीक'

राज्य ब्यूरो/ कार्यालय संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार: अयोध्या में मंगलवार की सुबह एक और नया इतिहास रचा गया। विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों सनातन परंपरा और आस्था का प्रतीक धर्मध्वज का राम मंदिर के शिखर पर प्रतिष्ठापित हुआ तो

> यह धर्मध्वज केवल ध्वज नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है। इसका भगवा रंग इस पर रचित सूर्यवंश की ख्याति, वर्णित ओम शब्द व अंकित कोविदार वृक्ष रामराज्य की कीर्ति को प्रतिरूपित करता है। यह ध्वज संकल्प, सफलता और संघर्ष से सृजन की गाथा है। यह ध्वज सदियों से चले आ रहे सपनों का साकार स्वरूप है। यह ध्वज संतों की साधना और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणति है। सदियों और सहस्राब्दियों तक यह धर्म ध्वज प्रभु राम के आदर्शों व सिद्धातों का उद्‌घोष करेगा। **- प्रधानमंत्री मोदी**

अयोध्यावासियों और संत समाज के साथ यह क्षण जन-जन के लिए भावपूर्ण और ऐतिहासिक बन गया। 500 वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष और तपस्या के बाद राममंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ धर्मध्वज सनातन आस्था की वैश्विक प्रतिष्ठा का साक्ष्य बनकर लहराया। मोदी ने इस क्षण को युगांतरकारी कहा।

'सियावर रामचंद्र की जय' का उद्‌घोष करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहा, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर राम से राष्ट्र के संकल्प की चर्चा करते हुए मैंने कहा था कि आने वाले एक हजार वर्षों के लिए भारत की नींव मजबूत करनी है और जो सिर्फ वर्तमान की सोचते हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय करते हैं। हमें वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के बारे में सोचना है। जब हम नहीं थे, यह देश तब भी था और जब हम नहीं रहेंगे, यह देश तब भी रहेगा। हमें दूरदृष्टि के साथ काम करना होगा। हमें आने वाले दशकों और सदियों को ध्यान में रखना ही होगा। उन्होंने कहा, सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहूति है, जिसकी अग्नि 500 वर्ष तक प्रज्ज्वलित रही। जो यज्ञ एक पल भी आस्था से डिगा नहीं, एक पल भी विश्वास से टूटा नहीं, आज भगवान श्रीराम मंदिर के गर्भगृह की अनंत ऊर्जा, श्रीराम का दिव्य प्रताप इस धर्मध्वजा के रूप में दिव्यतम, भव्यतम मंदिर में प्रतिष्ठापित हुआ है।

पीएम के हैंडल घुमाते ही ऊपर चढ़ने लगा धर्म ध्वज

प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही हैंडल (लीवर सी डिवाइस) घुमाया धर्मध्वज धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने लगा। पीएम ने मंदिर के मुख्य शिखर पर 161 फीट की ऊंचाई पर भव्य धर्म ध्वज फहराकर रामायण कालीन आध्यात्मिक परंपरा को सजीव किया। ध्वजारोहण प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अभिजीत मुहूर्त में पूरे परिसर में शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और घंटियों की ध्वनि गूंज उठी, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

विश्व ने सुनी अयोध्या से उठी जय श्री राम की गूंज

अयोध्या से फिर उठे जय श्री राम के उद्‌घोष की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दी। यहां इंटरनेशनल मीडिया की भी निगाहें लगी हुईं थीं। धर्मपथ सहित शहर की सभी प्रमुख सड़कों पर जयघोष करते श्रद्धालु उमड़ पड़े और राम नाम की गूंज से नगर भक्तिरस से सराबोर हो गया। लता मंगेशकर चौक पर हजारों की संख्या में भक्त एकत्रित होकर ध्वजारोहण का सीधा प्रसारण देखते रहे। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर शिखर पर धर्मध्वजा स्थापित की, उपस्थित जनसमूह भावविभोर होकर जय श्रीराम के उद्‌घोष में डूब गया।

ध्वज रघुकुल परंपरा का प्रतीक : भागवत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि रामराज्य का ध्वज, जो कभी अयोध्या में फहराता था और संपूर्ण विश्व में अपने आलोक से सुख-शांति प्रदान करता था, वह ध्वज आज फिर नीचे से ऊपर चढ़कर शिखर पर विराजमान हो चुका है। इसे हमने अपनी आंखों से इसी जन्म में देखा है। ध्वज धर्म का प्रतीक होता है। इतना ऊंचा ध्वज चढ़ाने में भी समय लगा, ठीक ऐसे ही मंदिर बनाने में भी समय लगा। 500 साल छोड़ें तो भी 30 साल तो लगे ही। उस मंदिर के रूप में हमने उन तत्वों को ऊपर पहुंचाया है जिनसे संपूर्ण विश्व का जीवन ठीक चलेगा। उसी धर्म का प्रतीक भगवा रंग इस धर्म ध्वज का रंग है।

ये पूर्णाहूति नहीं, नए युग का शुभारंभ: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्वजारोहण को यज्ञ की पूर्णाहूति मात्र नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ करार दिया। उन्होंने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीराम भक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया।

ब्रीफ न्यूज

उक्रांद नेता दिवाकर भट्ट का निधन

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट (79) का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को निधन हो गया। दिवाकर भट्ट उत्तराखंड राज्य आंदोलन के लिए बनी उक्रांद के संस्थापकों में से एक थे। उन्हें पार्टी का फील्ड मार्शल भी कहा जाता था। वह वर्ष 1999 से 2003 तक उक्रांद के केंद्रीय अध्यक्ष रहे। उनके नेतृत्व में पार्टी ने राज्य गठन के बाद पहली विधानसभा के चुनाव में वर्ष 2002 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें उक्रांद के चार विधायक चुने गए थे। (विस्तृत पेज-2)

विस्फोटक मामले में ठेकेदार गिरफ्तार

अल्मोड़ा। सल्ट थाना क्षेत्र में सरकारी स्कूल के पास झाड़ियों से जिलेटिन की 161 छड़ें (विस्फोटक) मिलने के मामले का आश्चर्यजनक खुलासा हुआ है। अल्मोड़ा पुलिस ने इस मामले में ठेकेदार चम्पावत निवासी प्रशांत बिष्ट को गिरफ्तार किया है। एसएसपी देवेन्द्र पींचा ने बताया कि किराए का कमरा खाली न करने पर मकान मालिक हिम्मत सिंह ने जून 2025 में ठेकेदार के कमरे का सामान झाड़ियों में फिंकवा दिया था जबकि मकान मालिक को तब जिलेटिन छड़ों के संदर्भ में जानकारी नहीं थी। पुलिस अन्य लोगों की तलाश कर रही है। (विस्तृत पेज-9)

देहरादून से दो बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

देहरादून। दून पुलिस ने अवैध रूप से राजधानी में रह रहीं दो बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, ऑपरेशन कालनेमि में पटेल नगर पुलिस को अलग-अलग स्थानों पर दो बांग्लादेशी महिलाओं की सूचना मिली थी। पुलिस ने देहराखास पटेलनगर क्षेत्र से भूमि शर्मा (28) और कालिंदा विहार फेज-2 से बॉबी खातून (41) को गिरफ्तार किया। महिलाओं को डिपोर्ट किया जा रहा है। (संबंधित पेज-2)

हिरासत में मौत सिस्टम पर धब्बा, देश नहीं करेगा बर्दाश्त

थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- हिरासत में मौत नहीं होने दे सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

बेंच ने पूछा- केंद्र इस अदालत को हल्के में ले रहा है क्या

पीठ ने केंद्र से भी पूछा कि उसने अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ ने पूछा, केंद्र इस अदालत को बहुत हल्के में ले रहा है, क्यों। मेहता ने कहा कि कोई अदालत को हल्के में नहीं ले सकता, केंद्र तीन सप्ताह में अनुपालन हलफनामा दाखिल करेगा। पीठ ने हलफनामे दाखिल न करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई 16 दिसंबर के लिए निर्धारित की। कहा, यदि इस तिथि तक हलफनामे दाखिल नहीं किए जाते हैं तो गृह विभाग में उनके प्रधान सचिव अपने स्पष्टीकरण के साथ अदालत के समक्ष उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय एजेंसियों के निदेशकों को भी अदालत में आना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिरासत में हिंसा और मौत व्यवस्था पर एक धब्बा है और देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी संबंधी एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में पारित अपने आदेश का हवाला दिया और कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। पीठ ने कहा, आप हिरासत में मृत्यु नहीं होने दे सकते।

सितंबर में शीर्ष अदालत ने मीडिया की राजस्थान की एक खबर का स्वतः संज्ञान लिया था। यहां पुलिस हिरासत में हुईं 11 लोगों की मौत में से सात मामले उदयपुर संभाग से आए थे। एक अलग मामले में कोर्ट ने 2018 में मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान, पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलीलें भी सुनीं जो एक अलग मामले में 'एमिकस क्यूरी' के रूप में शीर्ष अदालत की सहायता कर रहे हैं।

इस मामले में शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2020 में एक आदेश पारित किया था। उस आदेश में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और एनआईए सहित जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था। पीठ को बताया गया कि केवल 11 राज्यों ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। दवे ने कहा कि पहले के मामले में भी कई राज्यों ने हलफनामे दाखिल नहीं किए थे। दवे ने कहा कि तीन केंद्रीय जांच एजेंसियों ने सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं, लेकिन अन्य तीन ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया है।

गलत कारावास पर मुआवजे के लिए केंद्र राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गलत कारावास पीड़ितों को मुआवजा दिए जाने संबंधी अनुरोध को लेकर दायर जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। इसमें पीड़ितों को बरी किए जाने के बाद उनके लिए मुआवज़े और पुनर्वास की व्यापक राष्ट्रीय रूपरेखा बनाने की मांग की गई है। कोर्ट ने केंद्र व सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि गलत या लंबी विचाराधीन हिरासत मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

जल जीवन मिशन : 7 राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- परियोजना में गड़बड़ी पर केंद्र का कदम, गुजरात पर सबसे ज्यादा 120 करोड़ रुपये का जुर्माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में अनियमितताओं को लेकर केंद्र ने सात राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सबसे ज्यादा 120.65 करोड़ का जुर्माना गुजरात पर लगाया गया है। इस जुर्माने की वसूली की भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

केंद्र ने पांच साल की अवधि में देश के हर घर में नल का जल कनेक्शन उपलब्ध कराने की मंशा से 2019 में जल जीवन मिशन शुरू किया था। जिन सात राज्यों से वसूली शुरू की गई है, उनमें गुजरात के अलावा तमिलनाडु, त्रिपुरा, असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान शामिल हैं।

20% बढ़ चुका है परियोजना का खर्च

अधिकारी ने बताया, इस योजना का प्रारंभिक परिव्यय 3.60 लाख करोड़ रुपये था, लेकिन इस पर 4.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। योजना में अनियमितताओं को लेकर देश भर से शिकायतें आ रही थीं, जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सख्ती करने के निर्देश जारी किए थे।

एक अधिकारी के मुताबिक केंद्र ने गुजरात से जुर्माना वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है और 6.65 करोड़ रुपये वसूल चुका है।

श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद, चारधाम यात्रा संपन्न

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- आज पांडुकेश्वर प्रस्थान करेंगी उद्धव और कुबर की प्रतिमाएं

अमृत विचार: विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ धाम के कपाट मंगलवार अपराह्न 2:56 बजे विधिविधान से शीतकाल के लिए बंद होने के साथ चारधाम यात्रा का समापन हो गया। सेना के बैंड की धुन और जय बदरी विशाल के उदघोषों के बीच भक्तिमय वातावरण में पांच हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने।

परंपरा के अनुसार ब्रह्ममुहूर्त में मंदिर खुला। श्री रावल, धर्माधिकारी व वेदपाठियों ने पूजा संपन्न कराई। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज, दंडी स्वामी मुकुंदानंद महाराज, बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, विजय कप्रवान, मुख्य कार्याधिकारी/कार्यपालक मजिस्ट्रेट विजय प्रसाद थपलियाल इस मौके पर मौजूद रहे।

बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि शीतकाल में भगवान नारायण की पूजा-व्यवस्था पांडुकेश्वर स्थित योगध्यान बदरी में संपन्न होगी। परंपरा अनुसार, बुधवार को प्रातः भगवान श्री उद्धवजी एवं कुबेर जी की प्रतिमाएं भव्य डोली शोभायात्रा के साथ योगध्यान बदरी (पांडुकेश्वर) की ओर प्रस्थान करेंगी। वहीं, आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी विधिवत रूप से श्री नृसिंह मंदिर (ज्योतिर्मठ) स्थित गद्दीस्थल पर विराजमान होगी।

अहम निर्णय

मुख्यमंत्री धामी ने उपनल कार्मिकों के प्रतिनिधिमंडल के साथ की वार्ता

12 वर्ष की निरंतर सेवा पर समान कार्य-समान वेतन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर राज्य सरकार ने उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड (उपनल) के माध्यम से विभिन्न विभागों में कार्यरत कार्मिकों के हित में मंगलवार को महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

यह निर्णय उत्तराखंड उच्च न्यायालय, नैनीताल में योजित रिट याचिका में पारित 12 नवंबर 2018 के आदेश के अनुपालन में, उपनल प्रतिनिधियों की मुख्यमंत्री से हुई बैठक के बाद शासन स्तर पर सम्यक विचार-विमर्श के उपरांत लिया गया है।

इस संबंध में सचिव सैनिक कल्याण दीपेन्द्र चौधरी द्वारा प्रबंध निदेशक उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड को

प्रतिनिधिमंडल से वार्ता करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

प्रेषित परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि राज्य सरकार के अधीन विभागों/संस्थानों में उपनल के माध्यम से तैनात ऐसे कार्मिक, जिन्होंने 12 वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा पूर्ण कर ली है, उन्हें समान कार्य-समान वेतन के सिद्धांत पर वेतनमान का न्यूनतम वेतन एवं महंगाई भत्ता प्रदान किया जाएगा।

इसके अलावा, अन्य उपनल कार्मिक, जिन्होंने चरणबद्ध रूप से निरंतर सेवाएं पूर्ण की हैं, उन्हें भी यथाशीघ्र समान कार्य-समान वेतन के सिद्धांत के अनुरूप वेतनमान का न्यूनतम वेतन एवं महंगाई भत्ता प्रदान किया जाएगा।

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि उपरोक्त निर्णयों के क्रम में औपचारिक आदेश शीघ्र ही जारी किए जाएंगे, ताकि कार्मिकों को समयबद्ध रूप से लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार उपनल कार्मिकों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध है तथा उनके दीर्घकालिक हितों की रक्षा हेतु आवश्यक निर्णय लगातार लिए जा रहे हैं।

एरीज की नजरें भी इस बार ला नीना के साथ हिमालय की बदलती परिस्थितियों पर हैं टिकी

बर्फीले तूफान, प्रचंड ठंड का कारण बनने जा रहा ला नीना

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: ला नीना पूरी तरह विकसित हो चुका है और प्रचंड ठंड के साथ बर्फीले तूफानों की आशंकाओं पर दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी जारी करनी शुरू कर दी हैं। भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र ने भी उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड की संभावना जताई है तो एरीज की नजरें भी इस बार के ला नीना के साथ हिमालय पर रहेंगी।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के चलते ला नीना के प्रभाव व स्वभाव को लेकर अनेक देशों के मौसम और पर्यावरण वैज्ञानिकों को इसका इंतजार है। यूरोपीय और यूएस के कई हिस्सों में खूब बर्फबारी शीतकाल में होती है। इस बार ला नीना के कारण शीतकाल में खास असर को लेकर कई तरह की संभावनाएं जताई जाने लगी हैं। दरअसल, इस बात की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है कि ला नीना जलवायु परिवर्तन के असर से अछूता नहीं रह सकता है। अब यह प्रभाव किस तरह का और किस रूप में नजर आएगा, यह दिसंबर और जनवरी में पता चल पाएगा।

अब क्योंकि इसके पूर्ण रूप से सक्रिय होने की घोषणा विश्व मौसम विभाग ने जारी कर दी है तो भारतीय मौसम विभाग ने भी परिस्थितियों को भांपते हुए उत्तर भारतीय क्षेत्र में अधिक ठंड रहने की संभावना जता दी है। इधर, एरीज के वायुमंडलीय वैज्ञानिकों का अध्ययन केंद्र भी सर्दियों के हालात पर बना रहेगा जिसमें हवा की रफ्तार, आद्रता और तापमान का आकलन तो किया जाता रहेगा, साथ ही प्रदूषण पर भी अध्ययन गहन स्तर पर जारी रहेगा। देखना होगा कि इस बार वातावरण में कितना बदलाव आता है। उसके पीछे जलवायु परिवर्तन का आकलन किया जा सकेगा और ला नीना के असर को भी आंका जा सकेगा। वहीं, पर्वतीय क्षेत्रों में ठंड में अभी से बढ़ोतरी होने लगी है तो इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है कि पश्चिमी विक्षोभ शक्तिशाली रहे तो हिमालय के निचले क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी जमकर होगी।

एसटी रडार रखेगा पूरी खबर

वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि एरीज में वातावरण पर नजर रखने के लिए कई उपकरण लगे हैं, जिनमें प्रमुख एसटी रडार है, जो मौसम संबंधी गतिविधियों का बखूबी जायजा ले सकता है। इसके अलावा प्रदेश के कई हिस्सों में एटोमैटिक वेदर स्टेशन स्थापित हैं, जो वातावरण समेत मौसम के पल-पल की जानकारी देने में सक्षम हैं। एरीज के वायुमंडलीय संबंधी कई वैज्ञानिक कार्यरत हैं जिसके चलते यह शीतकाल रिसर्च के लिहाज से खास रहने वाला है।

रोडवेज-रेलवे स्टेशन में चलाया सफाई अभियान

हल्द्वानी, अमृत विचार : नगर आयुक्त परितोष वर्मा के नेतृत्व में नगर निगम की टीम ने मंगलवार को विशेष सफाई अभियान चलाया। इस दौरान रोडवेज स्टेशन परिसर के आसपास और हल्द्वानी रेलवे स्टेशन तक सफाई की गई। इस मौके पर नगर आयुक्त ने स्वयं भी झाड़ू लगाई। इस मौके पर लेखाधिकारी गणेश भट्ट, मुख्य सफाई निरीक्षक अमोल असवाल सहित निगम की पूरी टीम मौजूद रही।

उल्लेखनीय है कि सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कुछ दिनों पहले आईएसबीटी देहरादून के परिसर में गंदगी पर नाराजगी जताई थी, जिस पर उन्होंने स्वयं झाड़ू उठाकर सफाई की थी और सभी रोडवेज और रेलवे स्टेशन सहित प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए थे।

सरकारी नौकरियों में आरक्षण पर हाईकोर्ट का अहम फैसला

विधि संवाददाता, नैनीताल

- **हाईकोर्ट ने गैर राज्य की महिला याचिकाकर्ता की याचिका को किया खारिज**

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि दूसरे राज्य की अनुसूचित जाति की महिलाएं, जो विवाह के उपरांत उत्तराखंड में बसी हैं, उन्हें राज्य की सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ नहीं दिया जाएगा।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकल पीठ ने यह फैसला अंशु सागर और सहित कई अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। कोर्ट ने माना कि आरक्षण का अधिकार क्षेत्र-विशिष्ट होता है और यह प्रवास के साथ स्थानांतरित नहीं होता। याचिकाकर्ता अंशु सागर, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद की निवासी थीं, का विवाह उत्तराखंड के एक अनुसूचित जाति के निवासी से हुआ था। वे जन्म से जाटव समुदाय से हैं, जो यूपी में अनुसूचित जाति है। विवाह के बाद उन्होंने उत्तराखंड के जसपुर से जाति प्रमाण पत्र और स्थायी निवास प्रमाण पत्र प्राप्त किया और सरकारी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक भर्ती के लिए आरक्षण का दावा किया, जिसे विभाग ने अस्वीकार कर दिया था।

राज्य सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि 16 फरवरी 2004 और अन्य शासनादेशों के अनुसार, आरक्षण का लाभ केवल उत्तराखंड के मूल निवासियों के लिए है। सरकार ने दलील दी कि पड़ोसी राज्यों के निवासी, भले ही वे उत्तराखंड से जाति प्रमाण पत्र बनवाने में सफल हो जाएं, सार्वजनिक रोजगार में आरक्षण के हकदार नहीं होंगे। यह तर्क दिया गया कि जाति का दर्जा जन्म से तय होता है, विवाह से नहीं।

अदालत ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के 'मैरी चंद्र शेखर राव' और 'रंजना कुमारी बनाम उत्तराखंड राज्य' जैसे प्रमुख फैसलों का हवाला दिया। इन फैसलों में सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही यह सिद्धांत स्थापित किया है कि संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 के तहत अनुसूचित जाति/जनजाति की सूची "उस राज्य के संबंध में" होती है इसलिए, एक राज्य में अनुसूचित जाति माना जाने वाला व्यक्ति दूसरे राज्य में स्वतः ही वह दर्जा हासिल नहीं कर सकता।

फैसले में स्पष्ट किया गया कि प्रवास, चाहे वह स्वैच्छिक हो या अनैच्छिक (जैसे शादी के कारण), किसी व्यक्ति को दूसरे राज्य में आरक्षण का अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने कहा कि यदि प्रवासियों को आरक्षण का लाभ दिया जाता है, तो यह उस राज्य के मूल अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों के संवैधानिक अधिकारों का हनन होगा। एक राज्य का आरक्षित वर्ग दूसरे राज्य में सामान्य वर्ग के रूप में माना जाएगा।

न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि भले ही दोनों राज्यों (मूल राज्य और प्रवास वाले राज्य) में जाति का नाम समान हो, फिर भी आरक्षण का लाभ नहीं मिल सकता। अंशु सागर के मामले में, भले ही 'जाटव' या 'वाल्मीकि' जाति दोनों राज्यों में अनुसूचित जाति सूची में है, फिर भी यूपी में जन्मी महिला उत्तराखंड में एससी कोटे की हकदार नहीं हो सकती। जाति प्रमाण पत्र जारी होना भी सुप्रीम कोर्ट के संवैधानिक पीठ के फैसलों की कठोरता को कम नहीं कर सकता। इस आधार पर कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं द्वारा मांगी गई राहत को खारिज कर दिया और उनकी रिट याचिकाएं निरस्त कर दी गईं। यह फैसला भविष्य में अन्य राज्यों से आकर उत्तराखंड में बसने वाले उम्मीदवारों के लिए एक स्पष्ट नजीर पेश करता है।

सरकार ने जनभागीदारी को राजस्व संग्रहण से जोड़ा

मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी ने बिल लाओ-इनाम पाओ के विजेताओं को किया पुरस्कृत

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में 'बिल लाओ-इनाम पाओ' योजना के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

एक सितंबर 2022 से 31 मार्च 2024 के बीच संचालित इस योजना के तहत 1888 उपभोक्ताओं ने पुरस्कार जीते। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि योजना में प्रतिभाग करने वाले सभी लोगों ने राज्य के राजस्व संग्रहण को एक नई चेतना, एक नया दृष्टिकोण और एक नई ऊर्जा प्रदान की है। वर्ष 2022 में शुरू यह योजना राज्य सरकार काएक एक नवाचार था, जिसके द्वारा सरकार ने जनभागीदारी को राजस्व संग्रहण से जोड़ने का प्रयास किया। आज तीन वर्षों में इस योजना ने लोगों के बीच जागरुकता पैदा करने में कामयाबी हासिल की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना से जनता में ये समझ बनी है कि प्रदेश के विकास में प्रत्येक बिल एक योगदान है। योजना आज जहां एक ओर उपभोक्ता जागरूकता का सशक्त माध्यम बनी है, वहीं उपभोक्ता एवं व्यापारी वर्ग के बीच साझा जिम्मेदारी का प्रतीक भी बनकर उभरी है। कार्यक्रम में 2 ईवी कार, 16 मारुति आल्टो के-10 कार, 20 ईवी स्कूटर, 50 बाइक, 100 लैपटॉप, 200 स्मार्ट टीवी, 500 टैबलेट, 1000 माइकोवेव पुरस्कार प्रदान किए गए।

बिल लाओ-इनाम पाओ के विजेताओं को सम्मानित करते सीएम धामी। ● अमृत विचार

श्री गुरु तेगबहादुर साहिब के 350वें बलिदान दिवस पर रेसकोर्स स्थित गुरुद्वारा में आयोजित कार्यक्रम में संगत के साथ सीएम धामी।

सरकार के केंद्र में समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निकार कर्मकार कल्याण बोर्ड में मनरेगा कर्मकारों के ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास को केंद्र में रखते हुए कार्य कर रही है। इस पंजीकरण से मनरेगा श्रमिकों को समस्त सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से राज्य सरकार भी समाज के अंतिम व्यक्ति को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हुए, उन्हें हर तरह से सक्षम बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रदेश में मनरेगा के तहत 16.3 लाख श्रमिक पंजीकृत हैं, जिसमें से 9.5 लाख श्रमिक सक्रिय हैं, इसमें से वर्ष में न्यूनतम 90 दिन काम करने वाले श्रमिक अब उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निकार कर्मकार कल्याण बोर्ड की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। वर्तमान में बोर्ड में पंजीकृत श्रमिकों की संख्या 5.35 लाख है, मनरेगा श्रमिकों के योजना से जुड़ने पर बोर्ड की सेवाओं का लाभ लाखों अन्य श्रमिकों तक पहुंच सकेगा।

अखिलेश की टिप्पणी पर सीएम ने की तीखी प्रतिक्रिया

देहरादून: मुख्यमंत्री धामी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विवादित टिप्पणी करने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। रेसकोर्स गुरुद्वारा में पत्रकारों से वार्ता में धामी ने अखिलेश यादव, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को संस्कारहीन बताते हुए कहा कि जिनके संस्कार ऐसे हों, उनके माता-पिता को उन्हें अच्छे संस्कार देने चाहिए थे। हमारे यहां बड़ों का सम्मान करना संस्कृति का हिस्सा रहा है। कहा कि अखिलेश यादव के बयान से पता चलता है कि उनका मानसिक संतुलन किस स्तर पर पहुंच गया है। इस तरह की टिप्पणी करना सपा अध्यक्ष की हताशा को दर्शाता है।

गुरु तेग बहादुर साहिब का स्थान अद्वितीय

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को श्री गुरु तेगबहादुर साहिब के 350वें बलिदान दिवस पर रेसकोर्स स्थित गुरुद्वारा में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने श्री गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेकने के साथ ही शबद कीर्तन सुना। उन्होंने श्री गुरुद्वारा साहिब रेसकोर्स के पदाधिकारियों से भेंट की, इस मौके पर पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने संगतों के बीच लंगर सेवा भी दी। मुख्यमंत्री ने गुरु तेग बहादुर साहिब जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि धर्म, मानवीय मूल्यों एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का स्थान अद्वितीय है। गुरु साहिब ने लोगों को प्रेम, एकता, भाईचारे का संदेश दिया। उनके बलिदान से हमें आपसी एकता एवं सद्भाव की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री हेमकुंड साहिब जाने के लिए गोविंदघाट-हेमकुंड साहिब रोपवे बनाया जा रहा है, जिससे सिख तीर्थयात्रियों की यात्रा सुगम हो जाएगी। इसी के साथ अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के समस्त लाभ सिख समाज तक भी पहुंचाए जा रहे हैं। इस मौके पर गुरुद्वारा साहिब प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष बलवीर सिंह साहनी, सचिव राजिंदर पाल सिंह चंडोक, भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल उपस्थित रहे।

विधायक भगत ने जज फार्म में किया ओवरहेड टैंक निर्माण का शुभारंभ

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा विधायक बंशीधर भगत ने मंगलवार को जज फार्म स्थित वन भूमि पर 13.72 करोड़ की लागत से बन रहे ओवरहेड टैंक निर्माण का विधिवत शुभारंभ किया।

विधायक भगत ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में कुल तीन ओवरहेड टैंकों का निर्माण हो रहा है। इन टैंकों के तैयार होते ही स्थानीय पेयजल आपूर्ति में सुधार आएगा और सभी क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता होगी। जनता को अब पानी की कमी से निजात मिलेगी और क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति अधिक व्यवस्थित हो जाएगी। साथ ही अधिकारियों को समय से निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान एई दीनदयाल पांडे, रोहित जोशी, पार्षद रेखा बिनवाल, पार्षद राजेश पंत, सुमित्रा प्रसाद, बृजमोहन कोहली, नारायण सिंह किरौला, भगवान सिंह बोरा, पूरन चंद्र जोशी, हेम जोशी, एमसी पांडे, गौरव नेगी, शीला राणा, उमेश बिनवाल, अनुज भट्ट, दीपक जोशी, विशंभर कांडपाल, कुंदन रावत, कुलदीप पांडे रहे।

हल्द्वानी जज फार्म में विधायक बंशीधर भगत के समर्थन में नारेबाजी करते लोग।

उक्रांद नेता दिवाकर भट्ट का लम्बी बीमारी के बाद निधन

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट (79) का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार शाम निधन हो गया। उन्होंने अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

भट्ट उत्तराखंड राज्य आंदोलन के लिए बनी उक्रांद के संस्थापकों में से एक थे। उन्हें पार्टी का फील्ड मार्शल कहा जाता था। वह वर्ष 1999 से 2003 तक उक्रांद के केंद्रीय अध्यक्ष पद रहे। उनके नेतृत्व में पार्टी ने राज्य गठन के बाद पहली विधानसभा के चुनाव में वर्ष 2002 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें उक्रांद के चार विधायक चुने गए थे। भट्ट ने पहली बार वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव में देवप्रयाग से चुनाव लड़ा और विजय हासिल की थी। वह पहली बार विधानसभा पहुंचने के साथ ही कैबिनेट मंत्री भी बने। पांच साल तक भाजपा सरकार में मंत्री रहते भट्ट ने वर्ष 2012 का चुनाव भाजपा के टिकट पर लड़ा लेकिन वह चुनाव हार गए। अगली बार भाजपा ने उन्हें 2017 के चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनाया। इस पर उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा और फिर चुनाव हार गए।

दिवाकर भट्ट। (फाइल फोटो)

दिवाकर भट्ट के निधन पर पूर्व विधायक ने जताया शोक

नैनीताल: उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के संस्थापक सदस्य दिवाकर भट्ट के निधन पर पूर्व विधायक डॉ. नारायण सिंह जंतवाल ने शोक जताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। डॉ. जंतवाल ने कहा कि दिवाकर भट्ट न केवल उक्रांद के मजबूत स्तंभ थे, बल्कि राज्य आंदोलन को धार देने वाले उन नेताओं में शामिल रहे जिन्होंने जनभावनाओं को शक्ति देकर उत्तराखंड के लिए लड़ाई को नई दिशा दी। उनके निर्भीक स्वभाव, स्पष्ट वक्तव्य और संघर्षशील रवैये ने उत्तराखंड की जनता के मन में इतनी जगह बनाई कि लोगों ने उन्हें सम्मानस्वरूप 'फील्ड मार्शल' की उपाधि तक दी। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले देहरादून के इन्द्रेश अस्पताल में मुलाकात के दौरान भी भट्ट हमेशा की तरह निडर और स्पष्ट थे। उन्होंने इसे उक्रांद के लिए यह अपूरणीय क्षति बताया।

व्यापार मंडल ने यूकेडी नेता भट्ट को दी श्रद्धांजलि

हल्द्वानी: देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल ने उत्तराखंड क्रांति दल के वरिष्ठ नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट के निधन पर शोक व्यक्त किया। प्रदेश कार्यालय, गुरुनानक मार्केट, हल्द्वानी में दिवाकर भट्ट को विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर प्रमुख राज्य आंदोलनकारी व देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के संस्थापक अध्यक्ष हुकम सिंह कुंवर ने कहा कि दिवाकर भट्ट ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में दो मिनट का मौन रखकर दिवाकर भट्ट को श्रद्धांजलि दी गई। यहां प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल भट्ट, अनिल खंडेलवाल, जगमोहन घिलवाल, राजकुमार केसरवानी, अजय कृष्ण गोयल, हरजीत चड्डा आदि रहे।

पूर्व मंत्री दिवाकर भट्ट के निधन पर शोक

रामनगर: उत्तराखंड क्रांति दल के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष व पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट के निधन पर दल के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों एवं अन्य संगठनों ने शोक संवेदना व्यक्त की है। कहा कि उत्तराखंड आंदोलन में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व केंद्रीय उपाध्यक्ष इंद्र सिंह मनराल, योगेश सती, नरेंद्र पाठक, मनोहर सिंह मनराल, प्रयाग तिवाड़ी, हाफिज सईद, हरिमोहन शर्मा, सुरेंद्र नेगी, सुमित्रा बिष्ट, मोहनी पांडे, कमला पांडे आदि शामिल है। उधर राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी, चंद्रशेखर जोशी, हरीश भट्ट, डॉ. धनेश्वरी घिल्डियाल, कमला जोशी, नवीन नैथानी, नवीन नैनवाल ने भी पूर्व मंत्री भट्ट के निधन पर शोक जताया है।

अपराध

कोविड काल में अवैध रूप से बॉर्डर पार कर भारत आयी थी

बांग्लादेशी बबली ने बनवा लिए आधार से लेकर आयुष्मान

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: आयुष्मान, आधार, वोटर और राशन कार्ड बनवाने के लिए जहां लोगों को अक्सर जूझना पड़ता है। वहीं, भारत में घुसपैठ कर रह रही बांग्लादेशी महिला ने ऐसे अहम भारतीय दस्तावेज आसानी से बनवा लिए। दून पुलिस ने जब इस आरोपी महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आईं।

पुलिस के अनुसार, पटेल नगर कोतवाली पुलिस ने थाना क्षेत्र से दो बांग्लादेशी महिलाओं को पकड़ने में सफलता पाई। इनमें एक महिला करीब 28 साल की बबली खातून उर्फ भूमि शर्मा पत्नी मोहम्मद मुनजू निवासी ग्राम बुढ़ाबुढ़ी, थाना गोविंदो गोनम, जिला गायबन्दा, बांग्लादेश है। उसके कब्जे से फर्जी आधार कार्ड, फर्जी वोटरकार्ड, फर्जी राशनकार्ड, फर्जी आयुष्मान कार्ड (भूमि शर्मा) और बबली बेगम नाम की बांग्लादेशी आईडी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी बबली उर्फ भूमि शर्मा द्वारा बताया गया कि कोविड के दौरान वह अवैध रूप से बॉर्डर क्रॉस कर भारत आई थी, जहां अलग-अलग स्थानों पर रहने के बाद वह वर्ष 2021 में देहरादून आ गई थी।

इस महिला ने वर्ष 2022 में देहरादून निवासी एक व्यक्ति से नाम व पता बदलकर विवाह कर लिया तथा देहरादून में ही अलग-अलग स्थानों पर किराए के मकान में रहने लगी। इस दौरान आरोपी महिला ने अपने अन्य परिचितों के माध्यम से भूमि शर्मा के नाम से फर्जी भारतीय दस्तावेज बनवा लिए। गिरफ्तार महिला के विरुद्ध फर्जी दस्तावेज बनाकर अवैध रूप से भारत में रहने पर पटेल नगर कोतवाली पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, फर्जी दस्तावेज बनाने में आरोपी की सहायता करने वाले भी पुलिस के रडार पर हैं। वहीं, हिरासत में ली गयी अन्य बांग्लादेशी नागरिक बॉबी खातून ने पूछताछ में बताया कि वह वर्ष 2023 में चोरी छिपे बांग्लादेश से आई थी तथा उसके बाद से ही देहरादून में अवैध रूप से रहते हुए मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रही थी। एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, फर्जी दस्तावेज बनाने में आरोपी महिला की सहायता करने वाले व्यक्तियों के संबंध में पुलिस द्वारा जानकारी की जा रही है, जिनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

पुलिस के साथ में आरोपी महिला। ● अमृत विचार

17 बांग्लादेशी महिलाओं पर कार्यवाही

पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन कालनेमि के तहत देहरादून जनपद में अवैध रूप से रह रहे 17 बांग्लादेशी नागरिकों के विरुद्ध पुलिस द्वारा पूर्व में कार्यवाही की जा चुकी है। फर्जी दस्तावेज बनाकर अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशी नागरिकों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर उन्हें जेल भेजा जा चुका है। वहीं, नौ बांग्लादेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया जा चुका है।

उत्तराखंड चार धाम यात्रा ने बनाया रिकॉर्ड

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ ही चारों धामों के कपाट शीतकाल के छह माह के लिए बंद हो गए हैं। प्राकृतिक आपदाओं के चलते कई दिनों तक यात्रा बाधित होने के बावजूद इस वर्ष भी यात्रा ने नया रिकॉर्ड बनाया है।

इस वर्ष 30 अप्रैल को श्री यमुनोत्री और श्री गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का शुभारंभ हुआ था। इसके बाद दो मई को श्री केदारनाथ धाम और चार मई को श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुले थे। केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट पूर्व में बंद हो चुके हैं। मंगलवार को श्री बदरीनाथ धाम के कपाट भी बंद कर दिए गए हैं। प्रदेश सरकार के कुशल और बेहतर यात्रा प्रबंधन के चलते बीते वर्ष के मुकाबले इस वर्ष 4.35 लाख से अधिक श्रद्धालु चारधाम दर्शन को पहुंचे। बीते वर्ष 46.69 लाख तीर्थयात्री चारधाम यात्रा पर आए थे, जबकि इस वर्ष यह आंकड़ा रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 51 लाख 4 हजार 975 पहुंच गया। केदारनाथ में सर्वाधिक 17.68 लाख से ज्यादा, बदरीनाथ में 16.60 लाख से ज्यादा, गंगोत्री में 7.57 लाख से ज्यादा और यमुनोत्री में 6.44 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। हेमकुंट साहिब में पहली बार श्रद्धालुओं की संख्या 2.74 लाख से ज्यादा पहुंची।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, पूरा साल कठिन चुनौतियों से भरा होने के बावजूद पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष चारधाम यात्रा पर अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। यात्रियों की सुरक्षा सदा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

इसके लिए यात्रा मार्गो के बेहतर बनाने के साथ ही धामों में स्वास्थ्य केंद्र स्थापित कर दिए गए थे। यात्रा मार्ग, पड़ावों में सभी जरूरी सुविधाएं, बेहतर सड़कें, ट्रैफिक व्यवस्था और संचार सुविधा पर हमने विशेष फोकस किया। पहले सुविधाएं सीमित थीं। यात्रियों के ठहरने की पुख्ता व्यवस्था के साथ ही अन्य सभी सुविधाएं भी बढ़ाई गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्य होने के बाद यात्री सुविधाएं बढ़ी हैं। श्री बदरीनाथ धाम का मास्टर प्लान के अनुसार विकास किया जा रहा है। अब शीतकालीन यात्रा की तैयारियों में भी यात्री सुविधाओं और सुरक्षा पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

सिटी ब्रीफ

मुख्यमंत्री धामी का हल्द्वानी दौरा आज

नैनीताल : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को हल्द्वानी भ्रमण पर रहेंगे। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार, 26 नवंबर को एक दिवसीय दौरे पर जनपद में पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री धामी दोपहर 1:40 बजे देहरादून से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर दोपहर 2:40 बजे एफटीआई हेलीपैड, हल्द्वानी पहुंचेंगे। यहां से वह एमबी इंटर कॉलेज, हल्द्वानी पहुंचेंगे, जहां अपराह्न 3 बजे सहकारिता मेले में प्रतिभाग करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री अपराह्न 4:10 बजे एमबी इंटर कॉलेज से एफटीआई हेलीपैड के लिए वापस रवाना होंगे।

चार बिजलीघरों से 7 घंटे बिजली गुल

हल्द्वानी : यूपीसीएल ने मंगलवार को चार बिजलीघरों (टीपीनगर, धौलाखेड़ा, गौलापार और रानीबाग) में लाइन मेंटेनेंस के चलते सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रही। इस कारण अनेक इलाकों में उपभोक्ताओं को दिनभर अंधेरा झेलना पड़ा, साथ ही ट्यूबवेल न चल पाने से पेयजल केलिए लोगों को परेशान होना पड़ा। यूपीसीएल के ग्रामीण ईई एसके गुप्ता ने बताया कि ये मेंटेनेंस काम आवश्यक था और जैसे ही काम पूरा हुआ, बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

रंगेहाथ पकड़ा गया सटोरिया

हल्द्वानी : सट्टे की खाई-बाड़ी करने वाले शातिर को पुलिस ने रंगेहाथ दबोच लिया। बनभूलपुरा पुलिस के मुताबिक, बीते दिवस एसआई जगवीर सिंह टीम के साथ गश्त पर थे। पुलिस कर्मी इंद्रानगर ठोकर के पास पहुंचे तो कुछ लोग पुलिस को देख वापस भागे। पुलिस ने एक मकान में दबिश दी और एक व्यक्ति को सट्टे की खाई-बाड़ी करते दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सनी पुत्र शहजादे निवासी इन्द्रानगर ठोकर बनभूलपुरा बताया। पुलिस ने आरोपी से 2800 रुपए और सट्टे का सामान बरामद किया।

पहाड़ों में पाला गिरने की चेतावनी जारी

हल्द्वानी : सर्द हवाओं की वजह से राज्य में पारे में गिरावट आ रही है। पूरे उत्तराखंड में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से कम चल रहा है। अब पहाड़ों में पाला गिरने की भी चेतावनी जारी कर दी गई है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार पर्वतीय इलाकों में रात के समय पाला गिरना शुरू हो रहा है। इसलिए सुबह वाहन चलाने वालों को सावधानी रखनी होगी। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री रहा। इधर मुक्तेश्वर में रात को कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

एक माह पूर्व अग्रसेन भवन से सिंधी चौराहे तक खोदी थी सड़क, सड़क के बीच बने गड्ढों से हो रहे हादसे, दुकानदार भी परेशान

सीवर लाइन बिछाई पर नहीं की सड़क की मरम्मत, जनता बेहाल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : रामपुर रोड पर सीवर लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क की मरम्मत का काम पिछले एक माह से अटका हुआ है। आधी सड़क उखड़ी होने के कारण यहां से रोजाना गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। आम राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों के साथ ही स्थानीय दुकानदार भी धूल और गंदगी से परेशान हैं।

सड़क का आधा हिस्सा बीचों-बीच से खोदा गया है, जिसमें उखड़ी सड़क व जगह-जगह बने गड्ढों के कारण वाहन धीमी रफ्तार से चलने को मजबूर हैं, जिससे आए दिन जाम की स्थिति भी बन रही है। उखड़ी हुई सड़क से उठने वाले धूल के गुबार से लोगों को सांस लेने में भी दिक्कतें हो रही हैं। सड़क में जगह-जगह गड्ढे होने से कई बार दोपहिया वाहन गिरने से लोग चोटिल हो रहे हैं। सड़क के संकरा होने से दिक्कत बढ़ गई है।

रामपुर रोड में सीवर लाइन बिछाने के बाद नहीं की सड़क की मरम्मत। ● अमृत विचार

स्थानीय लोगों का कहना है कि धूल के गुबार से बचाव के लिए पूर्व में रोजाना सड़क पर पानी डाला जा रहा था, लेकिन पिछले तीन दिन से सड़क पर पानी भी नहीं डाला जा रहा है, जिससे धूल और गंदगी बहुत अधिक बढ़ चुकी है। उल्लेखनीय है कि करीब एक माह पूर्व सीवर लाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी गई थी, जिसमें सीवर लाइन बिछाने के बाद आज तक डामरीकरण नहीं किया गया है। स्थानीय दुकानदारों में भी बदहाल सड़क को लेकर आक्रोश है। उनका कहना है कि सड़क का निर्माण शीघ्र किया जाना चाहिए, जिससे स्थानीय लोगों के साथ ही राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को राहत मिल सके।

इधर, लोनिवि के ईई प्रत्यूष कुमार ने बताया कि शीघ्र ही सड़क की मरम्मत की जाएगी। साथ ही धूल से बचने के लिए रोजाना पानी डालने के लिए कहा गया है।

> पिछले एक माह से सड़क उखड़ी होने से लोगों की मुसीबतें बढ़ चुकी हैं। धूल-गंदगी और गड्ढों से स्थानीय दुकानदारों के साथ ही आम लोगों और वाहन चालकों को दिक्कतें हो रही हैं। ग्राहक भी दुकानों में रुकने से गुरेज कर रहा है।
> **– आरिश**, रंगरेज होम फर्निशिंग

> सड़क खराब होने से स्थानीय दुकानदार बहुत परेशान हैं। धूल और गंदगी के कारण ग्राहक दुकानों में नहीं पहुंच रहे हैं। साथ ही आम जनता को जाम और गड्ढों से दो-चार होना पड़ रहा है। गड्ढों में कई दोपहिया वाहन गिर चुके हैं। शीघ्र ही सड़क को ठीक किया जाना चाहिए।
> **– रंजीत सिंह**, ऑटोमोबाइल व्यवसायी

> सड़क का निर्माण नहीं होने से बहुत दिक्कतें हो रही हैं। दुकान में धूल और गंदगी हो रही है, जिससे ग्राहक भी दुकान में आने से कतरा रहे हैं। तीन दिन से सड़क पर पानी भी नहीं डाला गया है, जिससे धूल भी बढ़ चुकी है।
> **–संध्या शर्मा**, स्थानीय दुकानदार

> रामपुर रोड पर सड़क उखड़ी होने से फूड स्टॉल चलाने वाले दुकानदारों को परेशानी हो रही है। दुकानों के आगे पानी डालने के बावजूद खराब सड़क पर वाहनों से धूल उड़कर स्टॉल तक पहुंच रही है, जिसका सीधा असर काम पर पड़ रहा है। सड़क की मरम्मत शीघ्र की जानी चाहिए। **–गिरधारी लाल**, फूड स्टॉल संचालक

कार में जैमर लगाने पर भड़की महिला पर्यटक

नैनीताल: तल्लीताल झील किनारे पार्क वाहन पर जैमर लगाया तो महिला पुलिस से भिड़ गई। पुलिस ने चालान के बाद महिला महिला को सख्त हिदायत देते हुए छोड़ दिया है।

मंगलवार को यूपी से घूमने आए पर्यटक तल्लीताल झील किनारे वाहन यूपी 14 ईएच 6070 पार्क कर घूमने के लिए चले गए। इस दौरान पुलिस ने कार में जैमर लगा दिया। कुछ देर बाद वापस आए पर्यटकों ने कार में जैमर लगा देखा तो वह पुलिस चौकी पहुंच गए। महिला पर्यटक ने पुलिस चौकी पर जैमर हटाने को कहा। जब पुलिस ने चालान करने की बात कही तो वह पुलिस से अभद्रता पर उतर आई। पुलिस ने वाहन सीज करने की बात कही तो महिला शांत हुई। एसआई श्याम बोरा ने बताया कि लखनऊ निवासी राजकुमार के खिलाफ एमवी एक्ट में चालानी कार्रवाई की गई है।

मांस प्रकरण: मुख्य आरोपी मदन जोशी ने रामनगर कोतवाली में किया आत्म समर्पण

हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद पुलिस कई दिनों से जोशी की तलाश में जगह-जगह दे रही थी दबिश

- समर्पण की सूचना से पहले ही कोतवाली पहुंचे समर्थक

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद आखिरकार भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष मदन जोशी ने कोतवाली में आत्मसमर्पण कर ही दिया। बता दें कि पुलिस पिछले कई दिनों से जोशी की तलाश में जगह-जगह दबिश दे रही थी और यहां तक कि मंगलवार को कोतवाली के बाहर भी गिरफ्तारी की योजना बनाई गई थी लेकिन मदन जोशी ने पुलिस को ऐसा चकमा दिया कि पूरा मामला नाटकीय मोड़ ले गया।

जानकारी के अनुसार पुलिस को अंदेशा था कि जोशी आत्मसमर्पण करने आ सकते हैं, इसलिए कोतवाली के बाहर पुलिस ने पकड़ने के लिए जाल बिछा रखा था लेकिन मदन जोशी अलग ही रास्ते से कोतवाली के अंदर पहुंच गए। जिससे पुलिस को भनक तक नहीं लगी।

अंदर पहुंचते ही उन्होंने खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। आत्मसमर्पण की खबर फैलते ही कई भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय नेता और विधायक दीवान सिंह बिष्ट भी कोतवाली पहुंचे। विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने कहा कि मदन जोशी भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं। नगर के मंडल अध्यक्ष रहे हैं और उन्होंने हमेशा कानून का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए जोशी ने स्वयं समर्पण किया है।

कोतवाली में स्कूटी से पहुंचे मदन जोशी, कोतवाली के बाहर खड़े उनके समर्थक। ● अमृत विचार

चकमा देकर स्कूटी से पहुंचे कोतवाली

मदन जोशी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी। कोतवाली के बाहर भी पुलिस का जमावड़ा था। कई समर्थक मदन जोशी के पक्ष में कोतवाली के बाहर नारे लगाते नजर आए। पुलिस ने समर्थकों को शोरशराबा न करने और मार्ग में जाम न लगने देने की हिदायत दी। इसी बीच स्कूटी में सवार होकर मदन जोशी सीधे कोतवाली पहुंच गए और उन्होंने कोतवाल सुशील कुमार के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

अब तक हो चुकी हैं पंद्रह गिरफ्तारियां

इस प्रकरण में पुलिस अब तक करीब 15 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, वहीं बीते सोमवार को उत्तराखंड हाईकोर्ट ने मदन जोशी की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी थी। इसके बाद माना जा रहा था कि रामनगर मांस प्रकरण में यह एक बड़ा अपडेट है, जिससे मामले की जांच नए मोड़ पर पहुंच गई है। बता दें कि इस प्रकरण में अब तक 5 नामजद सहित लगभग 15 लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

खुद को बताया निर्दोष

आत्मसमर्पण करने से पहले मदन जोशी ने वीडियो जारी कर कहा कि उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे गलत और राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि उन्होंने पहले जिन लोगों के नाम पुलिस को दिए थे, उनकी अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। जोशी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके परिवार को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित किया है। वीडियो में उन्होंने कहा मेरे लिए परिवार से ऊपर राष्ट्र है, जनता का आशीर्वाद मेरे साथ है, जल्द जेल से बाहर आकर जन सेवा जारी रखूंगा। गौरतलब है कि 23 अक्टूबर को रामनगर के छोई क्षेत्र में बरेली से मीट लेकर जा रहे पिकअप चालक नासिर हुसैन पर भीड़ ने हमला कर दिया था, भीड़ ने नासिर की जमकर पिटाई की थी और उसकी गाड़ी में तोड़फोड़ की थी। नासिर गंभीर रूप से घायल हो गया था, इस मामले में नासिर की पत्नी नूरजहां की शिकायत पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

सीसीटीवी कैमरे में कैद गुलदार। ● अमृत विचार

काठगोदाम में आबादी क्षेत्र में पहुंचा गुलदार, दहशत

संवाददाता, हल्द्वानी

- लोगों ने गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग की
- सीसीटीवी में कैद हुई रात की चहल-कदमी

अमृत विचार। काठगोदाम क्षेत्र में एक बार फिर गुलदार की मौजूदगी ने स्थानीय निवासियों में दहशत बढ़ा दी है। गौला बैराज स्थित घनी आबादी वाली गली में देर रात घूमते हुए गुलदार की तस्वीरें एक घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में साफ तौर पर कैद हुई हैं।

मंगलवार सुबह फुटेज सामने आते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। रविवार देर रात रिकॉर्ड हुए इस वीडियो में गुलदार को आराम से गलियों में चहल-कदमी करते देखा जा सकता है। इससे पहले भी कई बार इस क्षेत्र में गुलदार व बाघ के देखे जाने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिसके कारण समय-समय पर लोगों में भय का माहौल बना रहा है। इस ताजा घटना के बाद खासकर वे लोग अधिक चिंतित हैं जो देर रात को घरों को लौटते हैं। स्थानीय निवासियों ने वन विभाग से तत्काल कार्रवाई करते हुए गुलदार को पकड़ने की मांग की है, ताकि लोगों के बीच फैली दहशत खत्म हो सके। स्थानीय निवासी दीपक भंडारी ने कहा कि यहां पास में ही जंगल है, ऐसे में लोगों में दहशत है। साथ ही अन्य लोगों ने वन विभाग से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है।

बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: मुखानी पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से चोरी की गई मोटर साइकिल भी बरामद कर ली है। थानाध्यक्ष दिनेश जोशी के मुताबिक, 16 नवंबर को सतीश जोशी पुत्र रमेश चंद्र जोशी निवासी नारीपुर लामाचौड़ मुखानी और दिनेश बिष्ट पुत्र बच्ची सिंह निवासी चंदन बिहार, अमृताश्रम, ऊंचापुल मुखानी ने अपनी मोटर साइकिल चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने दोनों ही घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और शातिरों को तलाश निकाला। 24 नवंबर को पुलिस ने पारस देवका पुत्र राजेंद्र सिंह देवका उर्फ राजन निवासी देवपुर देवका कमलुवागांजा मुखानी को खुशालपुर नई आबादी से जंगल की ओर जाने वाली सड़क से चोरी की गई दोनों मोटरसाइकिलों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम में एसआई अविनाश मौर्य, कांस्टेबल कुंदन शाही व पूरन सिंह थे।

मुखानी पुलिस की गिरफ्त में चोरी का आरोपी। ● अमृत विचार

सड़क किनारे पार्क वाहन को टक्कर मार भागा पर्यटक

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: शहर के बारापत्थर क्षेत्र में सड़क किनारे पार्क एक टैक्सी वाहन को कार सवार पर्यटक टक्कर मारकर फरार हो गए। टैक्सी चालकों ने पीछा कर पर्यटकों के वाहन को नारायण नगर के समीप पकड़ लिया। काफी देर तनातनी के बाद आखिरकार कोतवाली पहुंच दोनों पक्षों में समझौता हो गया।

जानकारी के मुताबिक तल्लीताल निवासी रोहित आर्या ने मंगलवार शाम को अपना वाहन बारापत्थर पार्किंग में खड़ा किया था। कालाढूंगी की ओर जा रहे हरियाणा नंबर के वाहन ने उसके वाहन में टक्कर मार दी। जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर मारने के बाद पर्यटक कार लेकर फरार हो गए। टैक्सी चालकों ने पीछा कर पर्यटकों के वाहन को नारायण नगर के पास रोक लिया। जहां दोनों पक्षों में जमकर तनातनी हुई। जिसके बाद कोतवाली पहुंच रोहित पर्यटकों पर कार्रवाई की मांग करने लगा। एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया कि हरियाणा निवासी बलराम द्वारा नुकसान की भरपाई करने की बात पर दोनों पक्षों में समझौता हो गया।

नितिन का सीबीसीआईडी में तबादला

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- इसी वर्ष जनवरी में बागेश्वर हुआ था नितिन लोहनी का तबादला
- तब हल्द्वानी में रोक लिया था उन्हें संभाल रहे थे सीओ सिटी का चार्ज

अमृत विचार : पहाड़ चढ़ने से अधिकारी बचते हैं और ताजा तबादलों से यह बात साफ हो गई। इसी वर्ष जनवरी में सीओ सिटी नितिन लोहनी का बागेश्वर तबादला किया था, लेकिन उन्हें हल्द्वानी में ही रोक लिया गया। पिछले लगभग 10 महीनों से नितिन ही सीओ हल्द्वानी का चार्ज संभाल रहे थे।

अब एक बार फिर तबादला लिस्ट जारी हुई और वह पहाड़ जाने से बच गए। यानी नितिन का हल्द्वानी से हल्द्वानी में सीबीसीआईडी में तबादला हो गया। नितिन के साथ पुलिस मुख्यालय से तीन और लोगों का तबादला हुआ है। इनमें हरिद्वार में तैनात जूही मनराल को अभिसूचना मुख्यालय भेजा गया। जबकि सचिवालय/विधानसभा सुरक्षा में तैनात रविकांत सेमवाल को नैनीताल और 40वीं वाहिनी पीएसी में तैनात दिपेंद्र सिंह का हरिद्वार तबादला किया गया है।

बहरहाल, इससे पहले भी बड़ी संख्या में मैदान से पहाड़ को तबादले किए गए, लेकिन जुगाड़ वालों ने या तो अपना तबादला रुकवा लिया या फिर नई पोस्टिंग पर गए ही नहीं। याद हो तो जब डॉ.निलेश आनंद भरणे आईजी कुमाऊं थे, तब उन्होंने सैकड़ों की संख्या में कांस्टेबल के तबादले किए थे, लेकिन ज्यादातर पहाड़ जाने से बच गए।

इसी तरह बीती जनवरी में इंस्पेक्टर से सीओ बने 28 अधिकारियों और 18 सीओ के तबादले किए गए थे। सीओ की इस तबादला सूची में नितिन लोहनी का भी नाम था और उन्हें बागेश्वर ज्वाइन करना था, लेकिन किन्हीं कारणों से उन्हें हल्द्वानी में ही रोक लिया गया। अब जब नए तबादले हुए तो उन्हें सीबीसीआईडी हल्द्वानी का चार्ज मिला है। इस तरह उन्हें पहाड़ नहीं चढ़ना पड़ा।

बनभूलपुरा पुलिस की हिरासत में चरस के साथ पकड़ा गया आरोपी।

918 ग्राम चरस के साथ स्कूटी सवार गिरफ्तार

हल्द्वानी : बनभूलपुरा पुलिस ने स्कूटी से चरस की तस्करी कर रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, प्रभारी थानाध्यक्ष बनभूलपुरा सुशील जोशी और एसओजी प्रभारी राजेश जोशी की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। बीती 25 नवंबर को संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान यात्री शेड गौला बाईपास रोड से स्कूटी सवार को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 918 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम योगेश सिंह बोरा पुत्र बहादुर सिंह बोरा निवासी ग्राम सुनकोट, मुक्तेश्वर बताया। प्रभारी थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया और उसकी स्कूटी को सीज कर दिया गया है। पुलिस टीम में एसआई जगवीर सिंह, कांस्टेबल दिलशाद अहमद, सुनील कुमार, भूपेंद्र ज्येष्ठा और अरुण राठौड थे।

उम्मीद

स्वास्थ्य मंत्री ने सीएमओ को दिया सख्त निर्देश, खुलने के बाद से ही बंद है आईसीयू, मरीज हो रहे हैं परेशान

स्वास्थ्य मंत्री का आदेश, 10 दिन में शुरू करो बेस का आईसीयू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बेस अस्पताल में बंद पड़ा आईसीयू शुरू करने का आदेश जारी किया है। उन्होंने सीएमओ से सख्त लहजे में कहा है कि 10 दिन के अंदर बेस अस्पताल में आईसीयू शुरू कर दो। उल्लेखनीय है कि बेस अस्पताल में आईसीयू जब से बना है तब से बंद ही है।

स्वास्थ्य मंत्री मंगलवार को हल्द्वानी में आए थे। इस दौरान पत्रकारों ने उनसे स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सवाल भी किए। तब उनसे पूछा गया कि बेस अस्पताल के आईसीयू को अभी तक क्यों नहीं खोला गया है। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने सख्त लहजे में सीएमओ नैनीताल डॉ. हरीश चंद्र को आदेश दिया कि हर हाल में बेस अस्पताल के बंद पड़ा आईसीयू 10 दिन के अंदर खोल दिया जाए। अब बेस अस्पताल में आईसीयू को खोलने की जिम्मेदारी जिला स्वास्थ्य विभाग के ऊपर है। सीएमओ डॉ. एचसी पंत ने बताया कि वह बुधवार को बेस अस्पताल जाकर दौरा करेंगे और संबंधित अधिकारी से मिलेंगे। इसके बाद आईसीयू को अतिशीघ्र खोलने की प्रक्रिया पर काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री के आदेशानुसार काम किया जाएगा। इधर स्वास्थ्य विभाग से जानकारी मिली कि आईसीयू संचालन के लिए जरूरी स्टाफ की सूची को तैयार किया जा रहा है।

हल्द्वानी बेस अस्पताल में बंद पड़ा आईसीयू।

कोविड के समय बनाया गया था : कोविड की पहली लहर के दौरान तत्कालीन डीएम सविन बंसल के समय जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की निधि से बेस अस्पताल में नौ बेड के आईसीयू का निर्माण कराया गया था। विडंबना रही कि जब से इस अस्पताल को बनाया गया है यहां पर स्टाफ नहीं होने से इसका संचालन नहीं हुआ है। अब करीब चार साल का समय बीतने को है और आईसीयू में अभी भी ताला पड़ा है।

आईसीयू का संचालन बड़ी चुनौती

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार किसी अस्पताल में 24 घंटे आईसीयू संचालित करने के लिए एक एनेस्थीसिया का एक्सपर्ट और इमरजेंसी केयर के एक्सपर्ट की जरूरत होती है। साथ ही अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम चाहिए है। जो भी स्टाफ चाहिए उसे आठ-आठ घंटे की शिफ्ट के हिसाब से रखा जाता है। जूनियर डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ की जरूरत अलग से होती है। हर दो मरीज पर एक नर्स का होना जरूरी है। यही नहीं आईसीयू में जो भी स्टाफ होता है वह सामान्य स्टाफ नही होता है, उसके लिए अलग प्रशिक्षण होना भी जरूरी है। साथ ही स्टाफ को रिक्त पदों के सापेक्ष कुछ ज्यादा ही रखना पड़ता है, जिससे अन्य स्टाफ की छुट्टी पर काम प्रभावित न हो। इसको ऐसे समझें कि महिला अस्पताल में एसएनसीयू को 24 घंटे चलाने में ही स्वास्थ्य विभाग के पसीने छूट गए थे जबकि वहां आईसीयू की अपेक्षा कम स्टाफ की जरूरत होती है।

सीटी स्कैन मशीन भी पड़ी है खराब

बेस अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन खराब है। नई सीटी स्कैन मशीन की जरूरत है। इसके अलावा आयुष अस्पताल में आईपीडी और पंचकर्म सुविधा के लिए स्टाफ चाहिए। इस पांच मंजिला इमारत में केवल ओपीडी का ही संचालन होता है। साथ ही महिला अस्पताल में एक ईएमओ और एक रेडियोलॉजिस्ट की आवश्यकता है, जिससे सेवाएं सुचारू रहें।

सिटी ब्रीफ

कलर्स ऑफ उत्तराखंड फ्लॉवर शो आज से

भीमताल : ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी विश्वविद्यालय परिसर में 26 व 27 नवम्बर को कलर्स ऑफ उत्तराखण्ड फ्लॉवर शो 2025 का आयोजन किया जा रहा है। उत्तराखण्ड की समृद्ध पुष्प विविधता, प्राकृतिक सौंदर्य एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से यह आयोजन उत्तराखण्ड रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत किया जा रहा है। इस बात की जानकारी फ्लॉवर शो कमेटी ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल फराह खान ने दी है।

ग्रेट मिशन की खुशी राज्य फुटबॉल टीम में

रामनगर : ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल की कक्षा नौ की छात्रा खुशी सत्यवली ने फुटबॉल में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन कर

उत्तराखण्ड जूनियर गर्ल्स फुटबॉल टीम में स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने नेशनल गेम्स में राज्य का प्रतिनिधित्व किया, जहां उत्तराखण्ड टीम ने नागालैंड को पहले मैच में 3-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है। विद्यालय के निदेशक डॉ. प्रसून श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्य डॉ. नलिनी श्रीवास्तव ने खुशी एवं उनके कोच पंकज को बधाई देते हुए दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विधायक ने वितरित की सहायता राशि

रामनगर : विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पुत्रियों के विवाह-उपचार उपरान्त सहायतार्थ स्वीकृत 46 पात्र परिवारों को आठ लाख दस हजार रुपये की सहायता राशि के चेकों का राजश्व उप निरीक्षकों की उपस्थिति मे वितरण किया। विधायक बिष्ट ने कहा कि हर पात्र परिवार को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाना हमारी प्राथमिकता है। चेक वितरण कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष भूपेंद्र खाती, ग्रामीण अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, एडवोकेट दानिश सिद्दीकि, देवेंद्र मेहरा, प्रकाश थापा रहे।

विधायक कैड़ा आज करेंगे योजनाओं का शिलान्यास

भीमताल : भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा आज 26 नवंबर को भीमताल बोहराकून आमडाली में एक करोड़ तीन लाख की लागत से होने वाले डामरीकरण व सुधारीकरण कार्य का शिलान्यास तल्लीताल रामलीला ग्राउंड में करेंगे। जानकारी देते हुए व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज जोशी ने बताया कि प्रात: दस बजे विधायक रोड के शिलान्यास के उपरांत समस्याओं का समाधान को अधिकारियों से वार्ता करेंगे। सड़क चौड़ीकरण से होने वाला नुकसान कम हो इसके लिए भी अधिकारियों से चर्चा करेंगे।

आठ प्रधानों ने ली शपथ, पंचायत विकास पर जोर देने का आह्वान

ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट ने कहा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करें विकास

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः न्याय पंचायत ज्योलीकोट की आठ ग्राम सभाओं का शपथ समारोह मंगलवार को गेठिया स्थित महिला उपवन में किया गया। निर्वाचित ग्राम प्रधानों सहित वार्ड सदस्यों का पुष्प गुच्छ व फूल मालाओं से स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट ने अपने संबोधन में जनप्रतिनिधियों से अपनी जिम्मेदारीयों का निर्वहन करने, पंचायतों के विकास में जुटने, योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों को देने, बैठकों में उपस्थित और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर क्षेत्र की विकास के लिए काम करने का आह्वान किया। शपथ ग्रहण करने वालों में ग्राम प्रधान बेलुवाखान डॉ. बबीता मनराल, गेठिया ग्राम प्रधान रिंकू देवी, ज्योलीकोट ग्राम प्रधान नवल कुमार, भल्यूटी ग्राम प्रधान देवेंद्र सिंह नेगी, ज्योली ग्राम प्रधान शेखर भट्ट, भुमियाधार ग्राम प्रधान मीनाक्षी टम्टा, नाईसिला ग्राम प्रधान कैप्टन प्रताप नगरकोटी, बेल ग्राम प्रधान ललिता मलेड़ा के अलावा आठ ग्राम सभा के निर्वाचित वार्ड सदस्यों को सहायक समाज कल्याण अधिकारी दिनेश सिंह बिष्ट द्व निर्वाचित प्राधिकारियों को शपथ दिलवाईस, कार्यक्रम का संचालन ग्राम पंचायत विकास अधिकारी बीना बीनवाल और अजय कुमार ने किया। इस दौरान एलडी आर्य, कुंदन जीना, अशोक कुमार, अजय कुमार, उमेद सिंह विमल कुमार, रवि बोरा, आदि लोग उपस्थित थे।

रानीबाग में ग्राम प्रधानों के शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

हल्द्वानी ब्लॉक में सभी 60 ग्राम पंचायतों का गठन

हल्द्वानी : विकासखंड हल्द्वानी के अंतर्गत रिक्त चल रहीं 24 ग्राम पंचायतों का गठन किया। खाली चल रहीं ग्राम पंचायत सदस्यों (वार्ड मेंबर) की सीटों पर हुए चुनाव के बाद अब हल्द्वानी ब्लॉक में सभी 60 ग्राम पंचायतों का गठन हो गया है। साथ ही नवनिर्वाचित 211 वार्ड सदस्यों ने भी शपथ ली। कार्यक्रम का आयोजन निर्धारित समयानुसार सभी न्याय पंचायतों में शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। सभी ग्राम प्रधानों एवं वार्ड सदस्यों ने संवैधानिक दायित्वों, ग्राम विकास कार्यों के सुचारू संचालन तथा पारदर्शिता एवं जनहित को सर्वोपरि रखने की शपथ ग्रहण की। बीडीओ तनवीर असगर ने बताया कि शपथ दिलाए जाने की प्रक्रिया प्राधिकृत अधिकारियों की उपस्थिति में पूरी की गई। प्रत्येक न्याय पंचायत में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ ही जनता भी मौजूद रही। सभी 24 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों के अलावा 211 वार्ड सदस्यों ने न्याय पंचायत स्तर पर शपथ ली। उल्लेखनीय है कि जुलाई-अगस्त माह में हुए पंचायत चुनाव के दौरान हल्द्वानी ब्लॉक में ग्राम पंचायतों में 230 वार्ड मेंबरों के पद खाली रह गए थे। इस वजह से 24 ग्राम पंचायतों का गठन ही नहीं हो पाया। यहां के प्रधान चुनाव जीतने के बाद भी शपथ नहीं ले पाए। बाद में 36 ग्राम प्रधानों ने तो शपथ ले ली लेकिन बाकी के ग्राम प्रधान इस वजह से शपथ नहीं ले पाए क्योंकि उनकी ग्राम पंचायतों में निश्चित संख्या में वार्ड मेंबर नहीं थे।

कालाढूंगी में ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली। ● अमृत विचार

ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रालियां उड़ा रहे हैं यातायात के नियमों की धज्जियां

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचारः हल्द्वानी-कालाढूंगी स्टेट हाईवे पर ट्रैक्टर-ट्रालियां यातायात नियमों का उल्लंघन कर बेधड़क दौड़ रही हैं। रामनगर वन प्रभाग की कालाढूंगी रेंज के जंगलों में वन निगम द्वारा कटान कार्य चल रहा है। सागौन के लठ्ठों से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रालियां बिना रोकटोक और बिना फिटनेस के सड़क पर दौड़ाई जा रही हैं।

अधिक भार के कारण कई बार ट्रैक्टर के आगे के पहिए सड़क से ऊपर उठ जाते हैं, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है। इन्हें रोकने वाला कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नजर नहीं आता। आरटीओ विभाग की ओर से भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।कालाढूंगी रेंज के नयागांव बीट में सागौन के पेड़ों का कटान और ढुलान कार्य जारी है। ट्रैक्टर चालक लोगों की जान जोखिम में डालकर ओवरलोडिंग कर रहे हैं। पिछले दिनों एक ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्राली में सागौन की जड़ें ले जाते समय स्टेट हाईवे पर ट्रॉली के दोनों टायर एक्सल सहित निकल गए। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। ओवरलोड वाहन कभी भी असंतुलित होकर पलट सकते हैं। नयागांव से ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रालियां नगर से होकर वन डिपो तक जाती हैं। इस दौरान स्कूली बच्चों का भी आना-जाना लगा रहता है, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि स्थिति पर नियंत्रण नहीं किया गया तो भविष्य में गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं। प्रशासन से मांग की गई है कि ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रालियों की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि सड़क पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके।

> ओवरलोड वाहनों पर पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाती है। ओवरलोड वाहनों के चालान किए जाएंगे।
> **- अरुण कुमार सैनी,** कोतवाल

> ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रालियों के खिलाफ समय-समय पर कार्रवाई की जाती रही है आगे और सख्त कार्रवाई की जाएगी।
> **-अरविंद पांडे,** आरटीओ प्रवर्तन

नमः नैनीताल में संगीत के साथ शुरू होगा थर्टी फर्स्ट का जश्न

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः इस बार साल की विदाई को लेकर नगर का वातावरण में अभी से जोश नजर आने लगा हैं। विंटर कार्निवाल की तैयारियां शुरू होने लगी हैं तो रेडिसन ग्रुप के होटल नमः नैनीताल में शनिवार से डीजे की धूम रहने वाली है।

होटल के जीएम मेधातिथि भट्टाचर्जी ने बताया कि इस वर्ष की विदाई का माहौल शानदार बनाने के लिए उनका होटल प्रबंधन कुछ खास करने जा रहा है। जिसकी शुरूआत 29 नवंबर से शुरू कर दी जाएगी। प्रत्येक शनिवार को डीजे के साथ शुरूआत की जा रही है। साथ ही गाला डिनर की व्यवस्था भी शनिवार को रहेगी। भोजन में नाना प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन परोसे जाएंगे। इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। उन्होंने बताया कि नव वर्ष के स्वागत की तैयारियां को लेकर योगदान जरूरी है। पर्यटकों को हमसे, जो भी अपेक्षा रहेगी, उसे पूरा करने का पूरा प्रयास रहेगा।

जीएम मेधातिथि भट्टाचर्जी।

- **29 नवंबर से नववर्ष तक हर शनिवार बजेगा डीजे**

एसएसपी नैनीताल में सप्ताह में दो दिन लगाएंगे जनता दरबार

गौरव जोशी, नैनीताल

- **फरियादियों को शिकायत निस्तारण के लिए अब नहीं दौड़ना पड़ेगा पुलिस के पास**

अमृत विचारः जनता की समस्याओं को सुनने और मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के लिए नैनीताल पुलिस ने नई पहल शुरू की है। अब शिकायत दर्ज कराने या किसी पुलिस संबंधी समस्या को लेकर लोगों को उच्च अधिकारियों के पास हल्द्वानी तक दौड़ नहीं लगानी होगी। एसएसपी नैनीताल में ही सप्ताह में दो दिन जनता दरबार लगाकर लोगों की शिकायतें सुनेंगे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी ने बताया कि हर मंगलवार और शुक्रवार को नैनीताल में जनता दरबार लगाया जाएगा। इस दौरान लोग सीधे जिले के उनके सामने अपनी समस्याएं रख सकेंगे। अभी तक दिन तय न होने के चलते फरियादियों को अधिकारियों के पास हल्द्वानी या अन्य स्थानों तक अधिकारियों की उपलब्धता के आधार पर एसएसपी कार्यालय जाना पड़ता था, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों के ग्रामीणों और शहरवासियों को काफी असुविधाएं होती थीं। पिछले कुछ समय में शिकायतों की संख्या बढ़ने के साथ ही स्थानीय लोग लगातार इस बात की मांग कर रहे थे कि उच्च पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी नैनीताल में भी नियमित रहे। इसी के मद्देनजर एसएसपी ने यह नया कार्यक्रम तय किया है। जनता दरबार में जमीन-सम्बंधी विवादों, साइबर अपराध, मारपीट, पारिवारिक विवाद, ट्रैफिक समस्याओं, लापता व्यक्तियों, और पुलिस की ओर से मिलने वाली सेवाओं में देरी जैसे मुद्दों को प्राथमिकता से सुना जाएगा। जनता दरबार का उद्देश्य व्यवस्थाओं को पारदर्शी बनाना और लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान करना है। जनता दरबार व्यवस्था को अधिक जनहितकारी बनाने और पुलिस-जनता के बीच विश्वास बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मामले में जिला न्यायालय के अधिवक्ता शिवांशु का कहना है कि अब पहाड़ से हल्द्वानी तक घंटों का सफर तय करने की जरूरत नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों के लिए यह कदम बड़ी राहत साबित होगा। जिला न्यायालय के अधिवक्ता शिवांशु का कहना है कि अब पहाड़ से हल्द्वानी तक घंटों का सफर तय करने की जरूरत नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए यह कदम बड़ी राहत साबित होगा।

बागवानी संस्थान की बैठक में दी जानकारी

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः ग्राम सभा भुमका में भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, मुक्तेश्वर, नैनीताल के तत्वावधान में ग्राम प्रधान महतोली विमला देवी स्पेशल कंपोनेंट प्लान की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। कार्यक्रम का सफल संचालन पूर्व ग्राम प्रधान मुकेश चंद्र बौद्ध ने किया।

इस दौरान अवगत कराया कि भुमका, महतोली, हरीनगर और बरमधार चार गांवों को स्पेशल कंपोनेंट प्लान में मुकेश चंद्र बौद्ध के लगातार प्रयासों और फॉलोअप के कारण शामिल किया गया है। चयनित ग्राम सभाओं के तहत ग्रामीणों को कृषि यंत्र, सिंचाई के लिए पाइप एवं पाइपलाइन सामग्री, खेती को ट्रे और आगामी चरणों में गुणवत्ता वाले बीज एवं पौध उपलब्ध कराए जाएंगे।

यह सामग्री अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों को प्राथमिकता के आधार पर प्रदान की जाएगी। पूर्व ग्राम प्रधान मुकेश चंद्र बौद्ध ने कहा उनका उद्देश्य गांव और क्षेत्र के प्रत्येक किसान को बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाना है। कार्यक्रम में केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अरुण किशोर, विमला देवी, विम्पल कुमारी, विपुल टम्टा, अजय कुमार, कविता टम्टा, विपिन चंद्र, सेवक, जगदीश, प्रकाश चंद्र महेश, रमेश चन्द्र टम्टा, कांति देवी, धनी राम, गिरीश चंद्र, हरीश चंद्र, कैलाश चंद्र पूर्व उप प्रधान सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

रेडियोलॉजिस्ट छुट्टी पर, नहीं हो पाई मरीजों की अल्ट्रासाउंड जांच

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः नैनीताल के बीडी पांडे अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट की छुट्टी के चलते मरीजों के अल्ट्रा साउंड नहीं हो पाए। जिससे मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बीडी पांडे अस्पताल में अव्यवस्थाएं सही होने का नाम नहीं ले रही हैं। जिससे मरीजों को दिक्कतें हो रही हैं। रेडियोलॉजिस्ट की छुट्टी के चलते मरीजों को परेशान होना पड़ा। दूरदराज क्षेत्र से मरीज अल्ट्रासाउंड कराने अस्पताल तो पहुंच गए लेकिन वहां रेडियोलॉजिस्ट की छुट्टी के चलते उनको वापस लौटना पड़ा। मरीजों को हल्द्वानी जाना पड़ा। लोगों का कहना है कि नैनीताल में एक मात्र अल्ट्रासाउंड केंद्र बीडी पांडे अस्पताल में है। यहां अल्ट्रासाउंड सुविधा नहीं मिलने पर अल्ट्रासाउंड जांच के लिए हल्द्वानी जाना पड़ता है। रेडियोलॉजिस्ट की छुट्टी के दौरान अस्पताल प्रबंधन को वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। ताकि दूर दराज से आए मरीजों को दिक्कतें न हों। प्रभारी पीएमएस डॉ. द्रौपदी गर्ब्याल ने बताया कि रेडियोलॉजिस्ट को आकस्मिक अवकाश के चलते रेडियोलॉजिस्ट की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो पाई। बताया बुधवार से रेग्यूलर अल्ट्रासांउड कराए जाएंगे।

सड़क में गड्ढा बनने से ढहने का खतरा

नैनीतालः तल्लीताल में रोडवेज स्टेशन के समीप हल्द्वानी रोड पर गड्ढा पड़ने से सड़क ढहने का खतरा बढ़ गया है। लोगों ने प्रशासन से सुरक्षा करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अगर इसका जल्द उपचार नहीं किया गया तो सड़क की सुरक्षा दीवार कभी भी ढह सकती है। मामले में एनएच के सहायक अभियंता प्रमोद सुयाल ने बताया कि जल्द ही गड्ढे को भरकर दीवार को बचाने के लिए कार्य किया जाएगा।

कॉस्मेटिक व्यापारी से मारपीट का मामला गरमाया

संवाददाता, लालकुआं

- **आरोपी युवक की पत्नी ने छेड़छाड़ का लगाया आरोप, दोनों पक्षों की तहरीर पर जांच जारी**

अमृत विचारः बीती देर रात लालकुआं बाजार में चार युवकों द्वारा एक कॉस्मेटिक व्यापारी की दुकान में घुसकर मारपीट किए जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। एक ओर व्यापारी ने युवकों पर कम दाम में सामान न देने पर हमला करने का आरोप लगाया है, वहीं दूसरी ओर मारपीट में शामिल एक युवक की पत्नी ने व्यापारी पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कोतवाली में क्रॉस तहरीर दी है। फिलहाल घटना की वास्तविकता पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लाइनपार स्थित चूड़ी एवं कॉस्मेटिक सेंटर के संचालक रेहान पर बिंदुखत्ता निवासी चार युवक बीती शाम दुकान में घुसे और सिर पर प्रहार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इनमें से तीन हमलावरों को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि चौथा युवक मौके से फरार हो गया। इस घटना के बाद रात्रि में ही बिंदुखत्ता निवासी एक महिला कोतवाली लालकुआं पहुंची और कॉस्मेटिक दुकानदार पर आरोप लगाया कि दोपहर में जब वह दुकान पर चूड़ी पहनने गई थी, तब दुकानदार ने गलत नजर से देखा और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। पीड़िता ने दुकानदार की गिरफ्तारी की मांग की है। उधर व्यापारी रेहान के भाई इमरान का कहना है कि मारपीट में शामिल युवकों में से एक दिन में अपनी पत्नी के साथ दुकान पर आया था और कम दाम पर सामान देने की मांग कर रहा था। मना करने पर उसने धमकी दी थी कि बाद में देख लूंगा। उन्होंने कहा कि घटना को लेकर आसपास के दुकानदारों से पूछताछ की जा सकती है। इधर, लालकुआं कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ब्रजमोहन सिंह राणा ने बताया कि लाइनपार क्षेत्र में व्यापारी से मारपीट और बिंदुखत्ता निवासी महिला द्वारा दी गई अभद्रता की तहरीर दोनों मामलों की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

मांग नैनीताल के विंटर कार्निवाल को लेकर भीमताल के कारोबारियों में उत्साह का माहौल

नैनीताल विंटर कार्निवाल के दौरान भीमताल में भी हों प्रतियोगिताएं

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः नैनीताल नगर में आठ वर्ष बाद विंटर कार्निवाल दोबारा आयोजित होने से भीमताल के पर्यटन कारोबारियों में भी खासा उत्साह है। भीमताल में भी आठ वर्ष पूर्व तक विंटर कार्निवाल की तरह 'लेक कार्निवाल' का आयोजन होता रहा है, जिसका उद्घाटन तत्कालीन प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किया था। अब एक बार फिर नैनीताल में विंटर कार्निवाल होने की खबर से भीमताल के कारोबारी और स्थानीय कलाकारों में नई ऊर्जा दिखाई दे रही है।

स्थानीय कारोबारियों का कहना है कि भीमताल में पुनः लेक कार्निवाल का आयोजन किया जाना चाहिए, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उनका मानना है कि यदि नैनीताल में विंटर कार्निवाल आयोजित हो रहा है, तो उसकी कुछ प्रतियोगिताएं भीमताल में भी कराई जा सकती हैं। भीमताल झील में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताएं, पैराग्लाइडिंग, साइकलिंग और बर्ड फोटोग्राफी प्रतियोगिताएं यदि शामिल की जाती हैं, तो इससे भीमताल में पर्यटन को विशेष प्रोत्साहन मिलेगा।

व्यापारियों ने बताया कि भीमताल में कई कलाकार, विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ और अनेक प्रतिभावान युवा मौजूद हैं, जिन्हें मंच मिलने से उनका मनोबल बढ़ेगा। पर्यटन व्यवसायियों ने बताया कि इस संबंध में शीघ्र ही जिला पर्यटन विकास अधिकारी से मुलाकात की जाएगी।

> भीमताल में कई ट्रैक मौजूद हैं, जहां साइकलिंग आदि की प्रतियोगिताएँ आसानी से आयोजित की जा सकती हैं। पर्यटन विभाग को भीमताल को भी सम्मिलित करने का मौका देना चाहिए।– दीपक वर्मा, होटल कारोबारी

> नैनीताल में विंटर कार्निवाल के दौरान कुछ प्रतियोगिताएँ यदि भीमताल में आयोजित होती हैं, तो निश्चित तौर पर पर्यटन बढ़ेगा और एक नई पहचान मिलेगी। भीमताल के खिलाड़ियों को भी मौका मिलेगा।
> **–राहुल जोशी,** होटल कारोबारी

> विंटर कार्निवाल के दौरान भीमताल में पैराग्लाइडिंग की प्रतियोगिताएँ आयोजित होने से भीमताल को अलग पहचान मिलेगी। कोशिश रहेगी कि इस दौरान पैराग्लाइडिंग निशुल्क रखी जाए। – **नितेश बिष्ट,** पैराग्लाइडिंग साइट ऑनर

> भीमताल और सातताल का क्षेत्र पक्षी फोटोग्राफी के लिए अत्यंत उपयुक्त है। विंटर कार्निवाल में इस प्रतियोगिता को भी शामिल किया जाना चाहिए। – विक्रम कंडारी, ट्रैकर, सातताल"विंटर कार्निवाल की तर्ज पर भीमताल में भी पूर्व की तरह लेक कार्निवाल के आयोजन के लिए प्रयास किए जाएंगे। – **अखिलेश सेमवाल,** व्यापारी नेता

जंगल के किनारे आग जला रहे अराजक तत्व

नैनीतालः नैनीताल के जू क्षेत्र में जंगल किनारे कुछ अराजक तत्व रोजाना आग जलाकर उत्पात मचा रहे हैं। लोगों ने पुलिस व वन विभाग से क्षेत्र में गश्त कर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार तल्लीताल जू क्षेत्र व रैमजे अस्पताल के समीपवर्ती क्षेत्र में कुछ अराजक तत्व रोजाना रात को उत्पात मचा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ युवक पहाड़ी की टॉप में जमा होकर आग जलाकर रात तक बैठकर हल्ला कर रहे हैं। आरोप है कि युवक अस्पताल के पुराने भवनों से खिड़की दरवाजे तोड़ जलाने के लिए लकड़ी का इंतजाम कर रहे हैं। जिससे जंगल में भी आग लगने का खतरा बना हुआ है। वहीं लोगों के टोकने पर युवक अभद्रता भी कर रहे हैं। वन विभाग के वन क्षेत्राधिकारी ललित मोहन कार्की व एसओ मनोज नयाल ने बताया कि क्षेत्र में गश्त कर अराजक तत्वों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नंधौर वाइल्डलाइफ सेंचुरी का सांसद भट्ट ने किया दौरा

संवाददाता, चोरगलिया

- **भाजपा मंडल अध्यक्ष पान सिंह मेवाड़ी ने सांसद भट्ट के समक्ष मोरनौला-मझोला रोड के मिलान की मांग रखी**

अमृत विचारः सांसद अजय भट्ट ने नंधौर वाइल्डलाइफ सेंचुरी का दौरा किया। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष पान सिंह मेवाड़ी ने सांसद भट्ट के समक्ष मोरनौला-मझोला रोड के मिलान की मांग रखी। उन्होंने बताया कि इस सड़क के मिलान से 70 से 75 गांवों के लगभग ढाई लाख लोगों को लाभ मिलेगा तथा हजारों युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा।

सांसद ने तत्काल दूरभाष पर डीएफओ कुंदन कुमार से वार्ता की और निर्देश दिए कि नंधौर सेंचुरी को कॉर्बेट की तर्ज पर विकसित किया जाए तथा मोरनौला-मझोला रोड के मिलान के लिए वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सड़क के मिलान के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। सांसद ने नंधौर मत्स्य के निदेशक को भी फोन कर निर्देशित किया कि इस सेंचुरी को मत्स्य सेंचुरी के रूप में भी विकसित किया जाए, जिससे युवाओं को अतिरिक्त रोजगार के अवसर प्राप्त हों। उन्होंने बताया कि वे शीघ्र ही जिले के डीएम और वन विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ मिलकर मोरनौला-मझोला रोड के लिए क्षेत्र का दौरा करेंगे।

इस मौके पर पूर्व प्रधान नेत्र सिंह बिष्ट, पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश बेलवाल, मंडल महामंत्री नवीन जोशी, ललित मटियाली आदि लोग मौजूद थे।

सिटी ब्रीफ

संविधान दिवस पर निकाली जाएगी रैली

हल्द्वानी : संविधान दिवस की तैयारियों के संबंध में विभिन्न संगठनों की एक बैठक हुई। बैठक में जिन पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई थी उनसे जानकारी ली गई। तय हुआ कि प्रातः 9 :00 बजे सभी लोग मंगल पड़ाव स्थित डॉ. आंबेडकर पार्क में उपस्थित होंगे। सुबह 10 बजे से मंगल पड़ाव से पथ संचलन करते हुए बुद्धपार्क तिकोनिया तक जाएंगे। पूर्वान्ह 11 बजे से सभा का प्रारंभ किया जाएगा। इस दौरान नफीस अहमद खान, सुंदरलाल बौद्ध, गंगा प्रसाद, जीआर आर्य, महेश चंद्र आर्य, शंकर लाल, पंकज आंबेडकर, आरपी गंगोला, आकाश भारती रहे।

यूपीसीएल ने लगाया स्मार्ट मीटर जागरूकता शिविर

हल्द्वानी : यूपीसीएल ने सोमवार को सुभाष नगर में स्मार्ट मीटर जागरूकता शिविर लगाया, जिसमें लगभग 40 शिकायतें मिली जिसका मौके पर ही निस्तारित किया गया। यूपीसीएल शहरी क्षेत्र के ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि इस शिविर में लोगों को स्मार्ट मीटर से संबंधित जानकारी दी जा रही है और जिससे जो भी समस्या सामने आ रही है, उसका समाधान किया जा रहा है। बिजली विभाग के अधिकारियों ने उपभोक्ताओं को मीटर की कार्यप्रणाली, रिचार्ज, खपत मॉनिटर करने के तरीके और बिलिंग प्रक्रिया के बारे में उपभोक्ताओं को जानकारी दी।

रफी यूथ फैन्स क्लब ने अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर जताया शोक

हल्द्वानी : रफी यूथ फैन्स क्लब ने बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र के आकस्मिक निधन पर शोक जताया और भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मंगलवार को आजाद नगर स्थित क्लब कार्यालय में अध्यक्ष मोहम्मद नबी ने कहा कि वर्ष 1984 में फिल्म हुकुमत की शूटिंग के दौरान धर्मेंद्र अपने दोस्त किदवई नगर निवासी बब्बन के घर आए थे। तब उनको देखने वालों का तांता लग गया था। धर्मेंद्र ने यमला पगला दीवाना, शोले, धरमवीर, चाचा भतीजा, राम बलराम जैसे फिल्मों में जीवंत अभिनय कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया गया था। वह अपने किरदारों के लिए हमेशा याद किए जाते रहेंगे। इस मौके पर शोक जताने वालों में जहीर आलम, मो. फाजिल, मो. फैसल, मो. सलीम, विक्की, वसीम अहमद, राशिद आदि मौजूद रहे।

किसान, उद्यमियों को नई पहचान दिलाते हैं सहकारिता मेले

एमबी इंटर कॉलेज मैदान में लगे सात दिवसीय सहकारिता मेले का सांसद अजय भट्ट व सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने किया शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राज्य सरकार की ओर से एमबी इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित सात दिवसीय सहकारिता मेले का शुभारंभ सांसद अजय भट्ट, सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने फीता काटकर किया। उन्होंने मेले में लगाए स्टॉलों का निरीक्षण भी किया।

सांसद भट्ट ने कहा कि सहकारिता मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण आर्थिक, सामाजिक गतिविधियों को बढ़ाने, किसान, उद्यमियों, महिला समूहों को नई पहचान दिलाने व स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना, महिला स्वयं-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है। सहकारिता में राज्य में अनेक विकास हुए हैं। सहकारिता मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत राज्य में सहकारिता के क्षेत्र को बढ़ाने के लिए प्रत्येक जिलों में सहकारिता मेला लगाया जा रहा है। यह राज्य का सातवां मेला है, इन मेलों में हजारों की संख्या में लोग प्रतिभाग कर लाभ उठा रहे हैं। राज्य में दीनदयाल उपाध्याय किसान योजना एवं अटल आयुष्मान योजना के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

एमबी इंटर कालेज के मैदान में लगे सहकारिता मेले का रिबन काटकर उद्घाटन करते सांसद अजय भट्ट और शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत।

एमबी इंटर कालेज के मैदान में लगे सहकारिता मेले आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को 0 प्रतिशत ब्याज पर ऋण दे रही है। वर्तमान तक राज्य में 8000 करोड रुपए शून्य प्रतिशत ब्याज पर किसानों को ऋण दे दिया गया है। महिला समूह को भी 0 प्रतिशत पर ऋण उपलब्ध कराया है। वर्तमान तक 8200 महिला समूह को 5 -5 लाख रुपये प्रति समूह तक का 0 प्रतिशत ब्याज पर ऋण दिया है। वर्तमान तक राज्य में 2 लाख लखपति दीदी बनाई गई है अब चार लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। सहकारिता विभाग से 50 रुपये किग्रा मडुवा क्रय किया जा रहा है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हुई है। वर्ष 2017 में सहकारिता विभाग जो 57 करोड़ घाटे में था अब 300 करोड़ लाभ में है। हर जिले में एक उत्पाद की ब्रांडिंग कराई जा रही है, जिसे देश विदेश तक ले जाया जाएगा। कार्यक्रम में कृषि, उद्यान, पशुपालन, डेयरी, हस्तशिल्प, जैविक उत्पाद एवं विभिन्न सरकारी विभागों सहित अन्य स्टॉल लगाए गए। मेले में आंचल कला केन्द्र की टीम ने परंपरागत लोक संस्कृति, लोकगीत से सभी का स्वागत किया। इस दौरान 12 लाभार्थियों को चेक भी प्रदान किए गए। इस दौरान जिपं अध्यक्ष दीपा दरमवाल, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, दायित्वधारी दिनेश आर्य, सुरेश भट्ट, दीपक मेहरा, शंकर कोरंगा, नवीन वर्मा, जिपं उपाध्यक्ष देवकी देवी, दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा, हुकुम सिंह कुंवर, शशांक रावत, चंदन बर्गली, डीएम ललित मोहन रयाल, सहकारी बैंक के एमडी प्रदीप मल्होत्रा, संयुक्त निबंधक नीरज बेलवाल, डीडीओ गोपाल गिरी, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, सहायक निबंधक डीएस नपलचियाल मौजूद रहे।

जल्द ही लॉन्च होंगी तीन योजनाएं

डॉ. रावत ने कहा कि नए वर्ष में जनवरी से प्रदेश में तीन महत्वपूर्ण योजनाएं लॉन्च की जा रही हैं जिसमें बुजुर्ग, महिला, युवा जो भी भारत यात्रा करना चाहते हैं सहकारिता बैंक के माध्यम से ऐसे समूह को 2 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। दूसरी योजना में, महिलाओं को 21 हजार रुपए से लेकर 2 लाख तक की धनराशि तक का ऋण उनको स्वरोजगार आदि के लिए बिना किसी गारंटी के सहकारी बैंक के माध्यम से दिया जाएगा। तीसरी योजना जो फल, सब्जी आदि का फड़ आदि के ठेले लगाने वाले अंत्योदय परिवार के लोगों के लिए है उन्हें त्वरित सामग्री क्रय करने के लिए तीन दिन से कम समय के लिए एक प्रतिशत ब्याज पर सहकारी बैंक के माध्यम से ऋण दिए जाने की योजना है।

सहकारिता मेले सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते कलाकार। ● अमृत विचार

सांसद अजय भट्ट को ज्ञापन सौंपते राष्ट्रीय पेंशन संघर्ष समिति के पदाधिकारी।

पेंशनर्स ने मांगों को लेकर सांसद को सौंपा ज्ञापन

हल्द्वानी : राष्ट्रीय पेंशनर्स समिति के पदाधिकारियों ने मंगलवार को सांसद अजय भट्ट को उनके निवास पर ज्ञापन सौंपा। जिसमें डीए में बढ़ोत्तरी, मेडिकल सुविधा दिए जाने सहित अन्य प्रमुख मांगें शामिल थी। सांसद ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे हमेशा कर्मचारियों के साथ हैं। बताया कि वह पहले भी श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को कर्मचारियों की मांगों व निवेदन से संबंधित पत्र अग्रसारित कर चुके हैं। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में राजेन्द्र कुमार वालिया, जिलाध्यक्ष एनएसी और वीरेंद्र परिहार और जगत सिंह डोबाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्रद्धा के साथ मनाया गुरु तेग बहादुर का शहीदी पर्व

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः गुरुद्वारा गुरु नानकपुरा ठंडी सड़क में सिख धर्म के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर का 350वां शहीदी पर्व मंगलवार को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए गुरु साहिब के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए गुरुद्वारे में विशेष दीवान सजाए गए, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत कर पुण्य अर्जित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत कथावाचक गुरसेवक सिंह ने गुरु तेग बहादुर साहिब की प्रेरणादायक जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे गुरु साहिब ने औरंगजेब के अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई और धर्म की रक्षा हेतु शहीदी प्राप्त की। इसके बाद, ढाढी जत्था ज्ञानी गुरबाज सिंह आजाद ने गुरु साहिब की जीवन कथा का वर्णन किया। दिल्ली से पधारे ज्ञानी सतपाल सिंह ने मधुर राग और कीर्तन संपन्न किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से विधायक सुमित हृदयेश, ललित जोशी, डॉ परमजीत सिंह ने गुरुद्वारा पहुंचकर गुरु साहिब को माथा टेका। इस दौरान रिंकल चंडोक, अमरजीत सिंह, जसपाल सिंह कोहली, हरजीत सिंह चड्ढा, बलजीत कौर, जसबीर कौर चंडोक, सतवंत कौर, सुरेंद्र कौर, सतपाल सिंह गुजराल, दिलप्रीत सिंह आदि संगत उपस्थित रही।

गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी दिवस पर कीर्तन प्रस्तुत करता रागी जत्था।

गुरुद्वारा गुरु नानकपुरा ठंडी सड़क में मौजूद सिख संगत। ● अमृत विचार

सेवा, लंगर और सम्मान समारोह

स्टेज सेक्रेटरी अमरजीत सिंह आनंद और महासचिव जसपाल सिंह कोहली ने बताया कि शहीदी दिवस पूरी तरह से सुनियोजित और व्यवस्थित तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम के अंत में, हेड ग्रंथी ज्ञानी ठाकुर सिंह ने जगत कल्याण की अरदास की। इस अवसर पर विशाल गुरु का अटूट लंगर चलता रहा। सिख मिशनरी कॉलेज ने शिक्षा का लंगर लगाया, जबकि सनातन मेडिकोज ने निशुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान की गई। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने हल्द्वानी सिख फेडरेशन ने पिछले दिनों आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में 101 यूनिट रक्त एकत्रित करने वाले गुरप्रीत सिंह प्रिंस को उनके नेक कार्य के लिए सम्मानित किया।

विभिन्न मांगों को लेकर मंत्री को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राजकीय शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने मंगलवार को शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत को सहकारिता मेले के शुभारंभ के दौरान शिक्षक हितों से जुड़ी महत्वपूर्ण मांगों का ज्ञापन सौंपा, जिसमें सभी स्तरों पर शीघ्र पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने, स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू करने, प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा, कला और संगीत विषयों में पद सृजित करने, अटल विद्यालयों के शिक्षकों को वार्षिक स्थानांतरण प्रक्रिया में शामिल करने, यात्रा अवकाश बहाल करने के साथ ही अन्य मुद्दों पर कार्रवाई की मांग की। शिक्षकों ने मांगों को लेकर सांसद अजय भट्ट और जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल से भी वार्ता की। ज्ञापन देने वालों में जिला कार्यकारिणी के अध्यक्ष गिरीश चंद जोशी, संरक्षक डॉ. धर्मेन्द्र पनेरू, उपाध्यक्ष मदन गोस्वामी, संयुक्त मंत्री (महिला) कुसुम पांडे, कोषाध्यक्ष रविन्द्र कुमार, वरिष्ठ सलाहकार डॉ. तिलक जोशी, विपिन पलड़िया (उद्घोषक) और मीडिया प्रभारी वसी अहमद सहित जिला कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत को ज्ञापन देते राजकीय शिक्षक संघ के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

पूर्व रेंजर ने वितरित किए कासनी के पौधे

हल्द्वानी : पूर्व रेंजर मदन सिंह बिष्ट ने पार्षद शैलेंद्र सिंह दानू के सहयोग से मंगलवार को हीरानगर स्थित योगा पार्क में क्षेत्रवासियों को औषधीय पौधे कासनी निशुल्क वितरित किए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में लोगों में शुगर, लीवर, किडनी के रोगी बढ़ रहें हैं चूंकि कासनी के पौधे के पत्ते चबाकर खाने से इन रोगियों को लाभ होता है इसलिए वह जनता में निशुल्क कासनी के पौधे वितरित कर रहे हैं। यह भी बताया कि देश के विभिन्न क्षेत्रों से लोग कासनी लेने उनके पास आ रहें हैं, आमजन को वनस्पतियों से स्वास्थ्य लाभ कराना ही उनका लक्ष्य है।

चौफुला-कठघरिया नहर कवरिंग कार्य का विधायक प्रतिनिधि भगत ने लिया जायजा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा विधायक प्रतिनिधि विकास भगत ने मंगलवार को कालाढूंगी विधानसभा सभा क्षेत्र के बिठौरिया वार्ड में यूयूएसडीए कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने चौफुला से कठघरिया तक हो रही नहर कवरिंग का भी जायजा लिया।

विधायक प्रतिनिधि विकास भगत ने जनता से क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न विभागीय अधिकारियों से शिकायत के निराकरण के लिए की वार्ता की। इस दौरान यूयूएसडीए प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह, एई डीडी पांडेय व रोहित जोशी, पार्षद प्रतिनिधि मनोज जोशी, सुरेश गौड़, भुवन पंत, सौरभ बोहरा, विक्की गौड़, चंदन गिनवाल, प्रताप गौड़, विनोद जोशी, दिनेश कपिल, चंद्र शेखर पांडेय, डीएस कोटालिया रहे।

रामपुर रोड स्थित छठ स्थल पर फल वितरण करते हुए पदाधिकारी

अयोध्या में ध्वजारोहण की खुशी में छठ पूजा स्थल में फल वितरण किया

हल्द्वानी, अमृत विचार : रामपुर रोड स्थित छठ पूजा स्थल पर अयोध्या में भव्य ध्वजारोहण के उपलक्ष्य में मंगलवार को दोपहर 1 बजे से फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष कृष्णा शाह, महामंत्री मुरारी प्रसाद श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष शंकर भगत, कोषाध्यक्ष वीरू पंडित, सह कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश शाह, संयुक्त मंत्री जयप्रकाश शाह, सह संयुक्त मंत्री हरेंद्र शाह, वार्ड 53 के पार्षद राकेश पंत सहित समिति के सदस्य द्वारिका पंडित, कपिल भगत, राम अवतार महतो, पप्पू चौधरी, राजकुमार शाह, मनोज कुमार, दीन भगत, मुकेश चौधरी, राधे श्याम, राजकुमार, महंत यादव उपस्थित रहे।

भेदभाव के खिलाफ खड़ा होना जरूरी

हल्द्वानी, अमृत विचारः पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिव की नैनीताल जिला यूनिट की ओर से एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ है। पीपीआईडी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि मूलनिवासी समाज को मिलजुल कर रहना चाहिए। हमेशा जाति, लिंग, भाषा और क्षेत्र के आधार पर किए जा रहे भेदभाव के खिलाफ रहना चाहिए। बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर का सपना ऐसा भारत बनाना था, जिसमें हर नागरिक एक समान है।

सभा को अन्य पदाधिकारियों किशन चंद्रा, सूर्यकांत यादव, सुंदरलाल बौद्ध, गंगा प्रसाद ने भी संबोधित किया। एडवोकेट नवल किशोन को पीपीआईडी नैनीताल का जिलाध्यक्ष और देवेंद्र कुमार टम्टा को महासचिव बनाया गया। बैठक में पूरन लाल टम्टा, राजेंद्र प्रसाद, पीआर टम्टा, नीलम, रेखा देवी, लीला देवी, कंचन आर्या, खुशबू, प्रीती आर्य, सान्या आर्य, बची राम, प्रेम राम आदि रहे।

खेल-खिलाड़ी

डीके स्पोर्ट्स की 9 विकेट से आसान जीत, भावेश-हार्दिकराज ने दिलाई जीत

जिला क्रिकेट लीग शुरू, जीएनजी ने 164 रनों से दर्ज की जीत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अंडर-14 जिला क्रिकेट लीग का उद्घाटन मुकाबला मंगलवार को कोल्ट्स क्रिकेट ग्राउंड में जीएनजी और एकलव्य क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। एकलव्य क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जीएनजी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 285 रन बनाए। विहान बवारी ने 121, ईशान जोशी ने 39, बृजमोहन सिंह ने 32 और कृष्णम पांडे ने 30 रनों का योगदान दिया। एकलव्य क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज देवांश ने 4, दीपांशु और गजेंद्र ने 1-1 विकेट लिया। वहीं एकलव्य क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम 29वें ओवर में 121 रन बनाकर आल आउट हो गयी। उत्कर्ष बिष्ट ने 47 और ओम ऐठानी ने 19 रनों का योगदान दिया। जी एन जी के गेंदबाज जय ने 3, प्रखर और नमन ने 2-2 विकेट लिए। जीएनजी क्रिकेट अकादमी ने 164 रनों से मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार विहान बवारी को दिया गया।

मंगलवार को दूसरा मैच जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में डीके स्पोर्ट्स अकादमी और काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी के बीच खेला गया। काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 138 रन बनाए। यश अनेरिया 36, मेहुल गोस्वामी 26 और चित्रांश 16 रन ही बना पाए। डीके स्पोर्ट्स अकादमी के गेंदबाज देवांग नेगी और आयुष जोशी ने 3-3 और तेज जोशी ने 1 विकेट लिया। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने 25वें ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर 139 रन बनाकर 9 विकेट से मैच जीत लिया। भावेश रावत ने नाबाद 64 और हार्दिकराज ने नाबाद 48 रनों की पारी खेली। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार देवांग नेगी को दिया गया। अंपायर की भूमिका में गौरव नेगी, सौम्य, भूपेश और कुशाग्र रहे जबकि स्कोरर की भूमिका हरप्रीत सिंह कम्बोज और निकित ने निभाई। उद्घाटन जिला नैनीताल कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राहुल छीमवाल ने दोनों ही टीमों से परिचय प्राप्त कर किया। जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपने, आनंद बिष्ट, किशन अनेरिया, निश्चल जोशी, मनोज भट्ट, नरेंद्र अधिकारी, त्रिलोक जीना, पंकज गुरुरानी, योगेश चौहान, संजय चौधरी, विक्रम बोरा, धर्मेंद्र पाल, प्रशांत भंडारी, विजय आर्या, मनोज पंत थे।

जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अंडर-14 जिला क्रिकेट लीग के खिलाड़ियों के साथ अतिथि।

अमृत विचार
हल्द्वानी, बुधवार, 26 नवंबर 2025
रुद्रपुर

सिटी ब्रीफ

स्मार्ट मीटर शिविर में 60 में से 45 शिकायतों का निस्तारण किया

किच्छा : विद्युत वितरण खंड और अडानी एनर्जी सॉल्यूशन कंपनी ने संयुक्त रूप से स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया। अधिशासी अभियंता संजय कुमार त्रिपाठी के अनुसार, उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान और दफ्तरों के चक्कर से बचाने के लिए विभाग नियमित रूप से ऐसे शिविर लगा रहा है। उपखंड अधिकारी डी.सी. गुरुरानी ने बताया कि किच्छा में अब तक 19,000 स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। शिविर में सोलर स्मार्ट मीटर की तकनीकी दिक्कतों से संबंधित 60 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 45 शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। विभाग ने पारदर्शी और सटीक बिलिंग सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है।

थारू-गैर थारू विवाद सहित सात मांगों पर संयुक्त आंदोलन की घोषणा

खटीमा : तराई किसान भूमि सुधार संघर्ष समिति, पूर्व सैनिक और उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी सात ज्वलंत समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट हो गए हैं और संयुक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया है। समिति सचिव भगवान जोशी ने बताया कि राजनीतिक दलों ने थारू-गैर थारू भूमि विवाद को हाशिये पर डाल दिया है, जिससे काबिज लोग परेशान हैं। प्रमुख मांगों में आवारा पशुओं से किसानों के नुकसान का मुआवजा, वंचित राज्य आंदोलनकारियों को शामिल करना, खराब सड़कों को ठीक कराना, और अग्नि वीर योजना को बंद कर पूर्व सैनिक भर्ती लागू करना शामिल है। साथ ही, राज्य आंदोलनकारियों को लोकतंत्र सेनानी की तर्ज पर 20,000 मासिक पेंशन देने और सीमांत क्षेत्रों में घुसपैठ रोकने की मांग भी उठाई गई है।

छात्रों ने किया बौद्ध मठ का भ्रमण

काशीपुर : राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इतिहास विभाग के विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्थान, बौद्ध मठ बहादुरपुर, जसपुर का भ्रमण किया। मंगलवार को शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने बौद्ध भिक्षुओं से वहां के ऐतिहासिक तथ्यों को जाना और समझा। साथ ही बौद्ध धम्म के बारे में सवाल-जवाब भी किए। इतिहास विभाग प्रभारी डॉ. उदय कुमार ने बताया कि यह भ्रमण छात्र-छात्राओं के ज्ञान संवर्धन में सहायक रहा।

हरिपुरा जबरान में दिखा दुर्लभ वन्यजीव सिवेट

दुर्लभ वन्यजीव इंडियन सिवेट।

बाजपुर : बाजपुर क्षेत्र के हरिपुरा जबरान में एक बार फिर दुर्लभ वन्यजीव दिखने से लोगों में हलचल मच गई। जंगल से सटे एक खेत के पास वालीबाल खेल रहे बच्चों ने अचानक इंडियन सिवेट को देखा। प्रत्यक्षदर्शी मनजीत सिंह, काका सिंह, अमनजीत और नीलू ने बताया कि सिवेट कुछ समय तक खेत और आसपास घूमता रहा। बाद में वह धीरे-धीरे जंगल की तरफ वापस चला गया। स्थानीय लोगों के अनुसार यह प्रजाति आमतौर पर घने जंगलों में पाई जाती है और आबादी वाले क्षेत्रों में इसका दिखना काफी दुर्लभ है। ग्रामीणों में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी देखने को मिलीं। कुछ लोगों ने इसे अफ्रीकी सिवेट प्रजाति से मिलते-जुलते स्वरूप वाला बताया, हालांकि यह इंडियन सिवेट तराई क्षेत्रों में पाया जाने वाला देशी वन्यजीव है। सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने वन विभाग को भी अवगत करा दिया है। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि ऐसे वन्यजीवों की सुरक्षा प्राथमिकता है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

NOTICE

I Sanjay Bansal S/O Radha Ballabh 490-A Naugwa thaggu Khatima Uttarakhand Have Changed My Name To Sanjay Kumar For All Purposes.

शोध में होनी चाहिए विश्लेषणात्मक दृष्टि

पंत विवि में एआईयू अन्वेषण-उत्तर जोन सम्मेलन का शुभारंभ, 1800 विद्यार्थियों ने कराया पंजीकरण

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचारः जीबी पंत विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) और पंतनगर विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिष्ठित एआईयू अन्वेषण-उत्तर जोन छात्र अनुसंधान सम्मेलन 2025 का शुभारंभ हुआ। नॉर्थ जोन अन्वेषण में कुल 30 विश्वविद्यालयों के 1800 विद्यार्थी ने पंजीकरण किया। 375 छात्रों ने दो चरणों में पोस्टर प्रस्तुति और चयनित प्रविष्टियों की मौखिक (पोडियम) प्रस्तुति में अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कुमाऊं विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. डीएस रावत ने अपने जीवन के अनुभवों एवं शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता पाने के लिए लगन एवं समर्पण पर विचार व्यक्त किए। साथ ही अन्वेषण में प्रतिभाग कर रहे विद्यार्थियों एवं सभागार में उपस्थित वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शोध में जिज्ञासा, रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक दृष्टि ही भारत को वैश्विक शोध और नवाचार में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करेगी। कुलपति व नार्थ जोन अन्वेषण के संरक्षक प्रो.मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि अन्वेषण-2025 कार्यक्रम केवल एक प्रतियोगिता नहीं बल्कि युवाओं में वैज्ञानिक भावना और नवाचार जागृत करने का उत्सव है। ऐसे मंच देश की शोध प्रणाली को सुदृढ़ कर रहे हैं और युवा मस्तिष्कों को कृषि, सामाजिक एवं तकनीकी प्रगति के लिए समाधान प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते मुख्य अतिथि कुविवि के कुलपति प्रो. रावत।

उन्होंने अपने शोध अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ साझा करते हुए कहा कि शोध प्रारंभ करने के पूर्व उद्देश्यों की स्पष्टता और नवाचार करने के लिए जुनून एवं समर्पण की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवा वैज्ञानिकों में शोध क्षेत्र में कुछ नया करने की क्षमता है जिससे कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में पूर्ण सहयोग प्राप्त हो सकता है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त निदेशक एवं नार्थ जोन अन्वेषण 2025 के संयोजक डॉ.अमरेंद्र पाणि ने एआईयू के गठन, इसके उद्देश्यों एवं इसके द्वारा शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में किये गये नीतिगत निर्णयों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। साथ ही बताया कि एआईयू विश्व स्तर पर कई मामलों में एक अनूठा संगठन है।

अन्वेषण 2025 के उद्देश्यों एवं युवा शोधार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रभावी शोध प्रस्तुत करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पहचान प्राप्त करने का अवसर बताया।

छह शोध प्रमुख श्रेणियों में प्रविष्टियां आमंत्रित

पंतनगर : नॉर्थ जोन अन्वेषण 2025 के सह-संयोजक डॉ.आरएस जादौन ने कहा कि एआईयू दिशा-निर्देशों के अनुसार सम्मेलन के लिए कृषि एवं संबद्ध विज्ञान, बेसिक साइंसेज़, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य विज्ञान एवं संबद्ध क्षेत्र, अंतर्विषयक (इंटरडिसिप्लिनरी) शोध, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, व्यवसाय प्रबंधन, वाणिज्य एवं विधि आदि छह शोध प्रमुख श्रेणियों में शोध प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं।

ये लोग रहे मौजूद

विश्वविद्यालय कुलसचिव एवं जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ.दीपा विनय, नॉर्थ जोन अन्वेषण के लिए समन्वयक डॉ.अभिषेक यादव, डॉ.एसबी सिंह, डॉ.रितिका भट्ट, डॉ.दिव्या समेत सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, सदस्य आदि लोग मौजूद रहे।

पंत विवि में विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन

कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते मुख्य अतिथि डॉ. नैन। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में क्षेत्रीय विज्ञान कांग्रेस का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नवोदय विद्यालय समिति लखनऊ क्षेत्र द्वारा पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय रुद्रपुर के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न नवोदय विद्यालयों से आए करीब 90 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जीबी पंत विश्वविद्यालय के पूर्व निदेशक अनुसंधान एवं प्रसार डॉ. अजीत नैन ने किया।

मंगलवार को जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. नैन ने भारत में वैज्ञानिक विकास की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व पटल पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्राचीन भारतीय वैज्ञानिकों जैसे आर्यभट्ट और सुश्रुत से लेकर आधुनिक युग के वैज्ञानिकों डॉ. विक्रम साराभाई, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आदि के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि चंद्रयान-3, इसरो की सफलताएं, डिजिटल इंडिया, ड्रोन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उपलब्धियां भारत के वैज्ञानिक सामर्थ्य का प्रतीक हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जिज्ञासा, शोध और नवाचार को अपनाकर भारत को वैज्ञानिक महाशक्ति बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएं। स्वागत भाषण जेएनवी रुद्रपुर की प्राचार्य कंचन जोशी ने दिया। इस अवसर पर जेएनवी शाहजहांपुर के प्राचार्य एसपी गंगवार, उपप्राचार्य जेएनवी रुद्रपुर पीके विद्यार्थी, कुलदीप, विनीत मिश्रा, वंदना, हरीश, रश्मि संवाल आदि मौजूद रहे।

11 कांग्रेसी पार्षदों का इस्तीफा हुआ नामंजूर

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : कांग्रेस जिलाध्यक्ष पर मचे घमासान पर आखिरकार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने ब्रेक लगाते हुए 11 कांग्रेसी पार्षदों के सामूहिक इस्तीफे को नामंजूर करते हुए कहा कि पार्षदों की भावनाओं को संगठनात्मक प्लेटफार्म पर चर्चा होगी और भावनाओं के मुताबिक ही निर्णय लिए जाएंगे। वर्तमान में कांग्रेस पार्टी की मजबूती पर फोकस अहम है।

सृजन संगठन में हुई रायशुमारी के बाद दोबारा कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु गाबा को बनाने के बाद शहर कांग्रेस में घमासान मच गया और फेसबुक हो या फिर मौखिक इस्तीफों का दौर प्रारंभ हो चुका था। जिसके चलते कांग्रेस नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष गौरव खुराना, पार्षद सौरभ राज बेहड़, सुशील मंडल, इंद्रजीत सिंह, परवेज कुरैशी, शुभम दास, मधु शर्मा, अंजलि, गौरव गिरि, मोहम्मद अशफाक, शन्नो ने सामूहिक इस्तीफे का ऐलान करते हुए सामूहिक इस्तीफा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को भेज दिया था।

प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी संभालते ही प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने सामूहिक इस्तीफे की पेशकश को यह कहकर ठुकरा दिया कि कांग्रेस परिवार संगठनात्मक तरीके से अपनी बात करेगा और वर्तमान में पार्षद पार्टी के मजबूत स्तंभ है,क्योंकि विधानसभा चुनाव 2027 बेहद करीब है और पार्षदों की बदौलत ही चुनाव फतह होगा।

91 ग्राम प्रधानों और ग्राम पंचायत सदस्यों ने ली शपथ

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः जिले के 91 ग्राम प्रधानों और ग्राम पंचायत सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई हैं। सभी संबंधित खंड विकास अधिकारियों ने ग्राम प्रधानों को शपथ दिलाई। कोरम पूरा नहीं हो पाने के कारण 97 ग्राम पंचायतें असंगठित रह गई थीं। जिले की तीन ग्राम पंचायतों का अभी गठन नहीं हो पाया है। शपथ ग्रहण के बाद अब संगठित ग्राम पंचायतों में विकास कार्य शुरू हो जायेंगे।

मंगलवार को जिला पंचायतराज अधिकारी विद्या सिंह सोमनाल ने बताया कि खटीमा में 15, सितारगंज में 25, रुद्रपुर में 16, गदरपुर में 6, बाजपुर में 10, काशीपुर में 7 और जसपुर में 12 ग्राम प्रधानों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

ब्लॉक कार्यालय रुद्रपुर में शपथ लेते ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सदस्य।

> जनपद में 91 ग्राम प्रधानों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई है। शपथ ग्रहण के बाद बुधवार को सभी प्रधान अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में बैठक करेंगे। साथ ही विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करेंगे। असंगठित रह गई ग्राम पंचायतों की रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। -**विद्या सिंह सोमनाल**, जिला पंचायतराज अधिकारी।

वहीं काशीपुर में एक ग्राम प्रधान शपथ ग्रहण कार्यक्रम में नहीं पहुंच सके। जिससे वह शपथ नहीं ले सके।

उधर जसपुर की अंगदपुर और बक्सौरा ग्राम पंचायत और गदरपुर की रजपुरा ग्राम पंचायत में कोरम पूरा नहीं हो पाने के कारण प्रधानों का शपथ ग्रहण एक बार फिर टल गया है। जिले में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में 373 ग्राम पंचायतों में प्रधान तो चुन लिए गए थे, लेकिन 275 ग्राम पंचायतें सदस्यों के अभाव में कोरम पूरा नहीं होने के कारण असंगठित रह गयी थी।

कोरम पूरा नहीं होने के कारण 97 ग्राम पंचायतों के प्रधान अपने अधिकारों का उपयोग नहीं कर पा रहे थे। इसके लिए 20 नवंबर को उपचुनाव हुए थे। वहीं शपथ ग्रहण के बाद अब बुधवार को इन ग्रामों में बैठक आयोजित की जाएगी।

शपथ से वंचित ग्राम प्रधानों को दिलाई गई शपथ

खटीमा : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान विकासखंड में 169 ग्राम पंचायत सदस्य के पद रिक्त होने के चलते 16 ग्राम प्रधान शपथ नहीं ले सके थे। पिछले दिनों 161 सदस्यों के निर्वाचित होने के बाद आज सभी 16 ग्राम प्रधानों को खंड विकास अधिकारी ने शपथ दिलाई। ब्लॉक सभागार में आयोजित सादे समारोह में झंकार की ग्राम प्रधान गीता बोरा, नगरा तराई के ग्राम प्रधान देवेंद्र सिंह मेहरा, सूजिया की मंजू राणा, श्रीपुर बिछुआ की दीपिका भट्ट, अलविद्री की चंद्रकला, गुरुखुड़ा की विनीता देवी, गौहर पटिया गीता देवी, छिनकी की लक्ष्मी पांडे, चांदा की ब्रह्माधुरी राणा, रतनपुर के मानवेन्द्र सिंह, सबौर के मंजीत सिंह, प्रतापपुर के गुरसेवक सिंह, सैंजना के जयवीर सिंह, कुतरा से भोपाल सिंह, जादोपुर से केवटी और बिहारबाग से कुलदीप को शपथ दिलाई। बता दें कि त्रिस्तरीय चुनाव के दौरान 16 ग्राम पंचायतों में जीते हुए ग्राम पंचायतों से कोरम पूरा न होने से ग्राम प्रधान शपथ से वंचित रह गए थे। इधर बीते दिनों ग्राम पंचायत सदस्यों के रिक्त पदों पर 161 सदस्य निर्वाचित हुए हैं। जिससे सभी वंचित ग्राम पंचायतों में कोरम पूरा हो गया। जिसके चलते ग्राम प्रधानों को मंगलवार को खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गांधी ने ग्राम प्रधानों को शपथ दिलाई। जबकि न्याय पंचायतों में भी 161 नव निर्वाचित पंचायत सदस्यों को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत अधिकारी शबनम कुरैशी, ललित बोरा आदि मौजूद रहे।

सेंट पीटर में इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः नगर स्थित सेंट पीटर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फुटबॉल प्रतियोगिता में सेंट थेरेसा विद्यालय और सेंट पीटर विद्यालय की टीम ने प्रतिभाग किया।

नगर के किशनपुर स्थित सेंट पीटर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर एलेक्सांडर मोंटेरो एवं फादर राजेश द्वारा संयुक्त रूप से फुटबॉल पर पहली किक मारकर किया गया। फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान पहला मैच जूनियर बालक वर्ग की टीम के मध्य हुआ। जिसमें सेंट पीटर विद्यालय की टीम 2- 1 से विजई हुई। दूसरा मैच सीनियर बालक वर्ग के बीच खेला गया। जिसमें सेंट थेरेसा विद्यालय की टीम ने 5- 1 से जीत दर्ज की। मैच के समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर एलेक्सांडर मोंटेरो, फादर राजेश एवं उप प्रधानाचार्य सिस्टर लूसिया ने विजई प्रतिभागी खिलाड़ियों को ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शारीरिक शिक्षक संजय नेगी, प्रमिला पंवार, सेंट थेरेसा स्कूल के शारीरिक शिक्षक इंदर सिंह कार्की, जितेन सिंह बिष्ट, दीवान सिंह राणा का विशेष योगदान रहा।

किच्छा में फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

प्रदेश अध्यक्ष को आतंकी मुखिया कहने पर रोष

- भाजपा आईटी सेल पूर्व अध्यक्ष पर भड़का रोष
- कार्यकर्ताओं ने कोतवाल को सौंपी तहरीर

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : भाजपा आईटी सेल के पूर्व अध्यक्ष द्वारा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को आतंकी मुखिया कहने पर भड़के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कोतवाल से मुलाकात की और तहरीर देकर कार्रवाई का मुद्दा उठाया। आगाह किया कि यदि पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया तो आंदोलन किया जाएगा।

मंगलवार को कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ममता रानी व पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा सहित कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे और कोतवाल मनोज रतूड़ी से मुलाकात की। उन्होंने तहरीर देते हुए बताया कि 21 नवंबर को देहरादून में राजपुरा रोड पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल द्वारा राज्य में वन्य जीव मानव संघर्ष से हो रही जनहानि को लेकर धरना प्रदर्शन किया था। संबोधन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष द्वारा प्लास्टिक खिलौना गन लेकर जनभावनाओं को प्रदर्शित किया था। जिसको लेकर भाजपा आईटी सेल एवं पूर्व अध्यक्ष द्वारा सोशल मीडिया पर प्रदेश अध्यक्ष गोदियाल को कुख्यात आतंकी संगठन का मुखिया बताते हुए पोस्ट वायरल की थी,जो कि लोकतांत्रिक मूल्यों और स्वस्थ राजनीतिक वातावरण के विरुद्ध भी है। कार्यकर्ताओं ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का मुद्दा उठाया। इस मौके पर पार्षद चिराग कालड़ा, मोहन कुमार, उमा सरकार, सरोज रानी, ज्योति टम्टा, नरेश देवी, भुरी देवी मौजूद रहे।

कोतवाल को तहरीर सौंपते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

आस्था

गुरुद्वारा ननकाना साहिब में देश में सुख शांति के लिए अरदास हुई

शहीदी दिवस पर निकाली गई प्रभात फेरी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः गुरु तेग बहादुर जी, भाई सती दास जी, भाई मती दास जी व भाई दयाला जी के 350 साला शहीदी दिवस को समर्पित एक प्रभात फेरी गुरुद्वारा श्री सिंह सभा से आरंभ हो कर गुरुद्वारा ननकाना साहिब पहुंची, जहां देश में सुख शांति के लिए अरदास हुई।

महाराणा प्रताप चौक के पास स्थित गुरुद्वारा श्री सिंह सभा से सुबह लगभग पांच बजे गुरुद्वारा कमेटी सदस्यों के नेतृत्व में प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी श्री सिंह सभा से शुरू होकर चीमा चौराहा, कटोराताल होते हुए मोहल्ला पक्काकोट स्थित बड़े गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब पहुंची। यहां पर अरदास हुई। वहीं गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब के जत्थेदार बाबा सिंह, बाबा लखविंदर सिंह लाखा व खालसा फाउंडेशन के सेवादारों ने प्रभात फेरी में शामिल संगत का स्वागत किया। गुरुद्वारा में प्रसाद व लंगर की व्यवस्था की गई थी। यहां से प्रभात फेरी वापस मुख्य बाजार से होते हुए गुरुद्वारा श्री सिंह सभा पहुंच कर संपन्न हुई। प्रभात फेरी में जगजीत सिंह कोहली, सतपाल सिंह आनंद, जितेंद्र छाबड़ा, जसपाल सिंह चड्ढा, कमलजीत सिंह, सुखविंदर सिंह, हरजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह सेठी, सुखमीत सिंह, रंजीत सिंह, बलदेव सिंह आदि शामिल रहे।

खटीमा में चने का प्रसाद बांटते लोग। ● अमृत विचार

भजन कीर्तन और चाय - चने का भंडारा

खटीमा : सिक्ख पंथ के नौवें गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस गुरुद्वारा सिंह सभा में मनाया गया। इस अवसर पर संगत द्वारा भजन - कीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। गुरुद्वारा ग्रंथी द्वारा गुरु तेज बहादुर जी द्वारा मानव कल्याण हेतु किए गए कार्यों का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रातः से ही चाय एवं चने का लंगर चलाया गया। कार्यक्रम में गुरु नानक सत्संग सभा के प्रधान हरभजन सिंह खिंडा, कोषाध्यक्ष रमनदीप सिंह शेट्टी, सचिव जगजीत सिंह मल्ली, उपाध्यक्ष अनिल बत्रा, जगजीत सिंह रैना, ज्ञानी हरदेव सिंह आदि मौजूद रहे।

एनसीसी अल्मोड़ा रहा प्रथम

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एनसीसी दिवस 2025 का आयोजन मंगलवार को बड़े ही उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में 24 यूके गर्ल्स बटालियन एनसीसी अल्मोड़ा और 78 यूके बटालियन एनसीसी हल्द्वानी के कैडेट्स ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ लेफ्टिनेंट रूपा आर्या, एएनओ सब यूनिट 24 यूके गर्ल्स बटालियन एनसीसी अल्मोड़ा के स्वागत भाषण से हुआ। एनसीसी दिवस के अवसर पर कैडेट्स के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें गार्ड ऑफ ऑनर प्रतियोगिता में 24 यूके गर्ल्स बटालियन एनसीसी अल्मोड़ा प्रथम, 78 यूके बटालियन एनसीसी हल्द्वानी द्वितीय स्थान पर रहा। वहीं बेस्ट यूनिफार्म प्रतियोगिता बालक वर्ग में हिमांशु व विशाल और बालिका वर्ग में अंजली व शिखा, रन फॉर फन प्रतियोगिता बालक वर्ग में विशाल व नितिन और बालिका वर्ग में प्रीति व हिमांशी क्रमशः पहले, दूसरे स्थान पर रहे। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सुमिता श्रीवास्तव ने एनसीसी को राष्ट्र निर्माण और छात्रों में अनुशासन स्थापित करने में महत्वपूर्ण बताया। संचालन कैप्टन आकाश चन्द्र मिश्रा, एएनओ, सब यूनिट 78 यूके बटालियन एनसीसी हल्द्वानी और कैडेट उसरा ने किया। एनसीसी गीत और राष्ट्रगान के साथ आयोजन का समापन हुआ। इस दौरान डॉ. संतोष, डॉ. रुचि कुलश्रेष्ठ, डॉ. ममतेश और डॉ. मीना शर्मा आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में अतिथियों के साथ एनसीसी कैडेट्स। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

ब्यूटीपार्लर से डेढ़ तोला सोने की चेन चोरी

बाजपुर : बाजपुर में एक ब्यूटीपार्लर से करीब डेढ़ तोला सोने की चेन चोरी हो गई। पीड़ित परिवार ने पार्लर की महिला कर्मचारियों पर चेन गायब करने का शक जताते हुए कोतवाली में शिकायत की है। बेरिया रोड निवासी एक युवक की शादी तीन दिन पहले हुई थी, जिसके चलते युवक की बहन मेकअप कराने के लिए मुख्यमार्ग स्थित एक स्थानीय ब्यूटीपार्लर पहुंची थी। इसी दौरान करीब डेढ़ तोला वजनी सोने की चेन कथित रूप से गायब हो गई। पीड़िता का कहना है कि पार्लर में मौजूद कर्मचारियों के पास ही चेन होने की संभावना है, क्योंकि मेकअप के दौरान चेन उतारकर वहीं रखी गई थी। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने मंगलवार को कोतवाली पहुंचकर शिकायत कर दी। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पार्लर कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है।

हुक्का बार पर पुलिस ने मारा छापा, चालान किया

काशीपुर : बिना लाइसेंस के फ्लेवर वाला हुक्का बार चलाने की सूचना पर पुलिस ने सोमवार की देर शाम मोहल्ला अल्ली खां स्थित हौज मस्जिद के पास एक चाय की दुकान पर चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस को यहां दुकान के ऊपर वाले कमरे में 7 लोग हुक्का पीते मिले। पुलिस ने मौके से पांच हुक्के कब्जे में लेते हुए उक्त सातों लोगों का पुलिस एक्ट में 500-500 रूपये के चालान किये। जबकि दुकान मालिक का 10 हजार रुपये का कोर्ट चालान किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए आगे भी इसी तरह के चेकिंग अभियान जारी रहेंगे। टीम में एसएसआई केसी आर्या, एसआई भूपाल राम पौरी व देवेंद्र सामंत, कांस्टेबल योगेंद्र सिंह, अमरदीप व नरेंद्र टम्टा शामिल रहे।

दूसरी शादी कर रहे युवक को हिरासत में लिया

बाजपुर : पहले पत्नी के विरोध के बावजूद दूसरी शादी कर रहे युवक को पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर कोतवाली में बैठा लिया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका मायका ग्राम दियोहरी में है। दो नवंबर 2023 को उसकी शादी मुस्लिम रीतिरिवाज के अनुसार ग्राम एनएनटोपा में हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ दिनों बाद कम दहेज के ताने देकर उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। जिसमें पति के साथ ही सास-ससुर भी शामिल रहे। उसके पास डेढ़ वर्ष की बेटी है। 24 नवंबर को इन लोगों ने बाइक व एक लाख रुपये की मांग के लिए मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। पति ने उसे तलाक देकर दूसरी शादी करने की धमकी भी दी। वहीं पीड़िता के अनुसार उसे पता चला कि पति आज दूसरी शादी कर रहा है।

पुलिस ने अंतर्राज्यीय सीमा पर चलाया चेकिंग अभियान

सितारगंज : डीजीपी दीपम सेठ के निर्देश पर कोतवाली सितारगंज और किच्छा की टीम ने सितारगंज स्थित सरकड़ा (अंतर्राज्यीय सीमा) पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने कई वाहनों को सर्च किया। मंगलवार को पुलिस ने कानून व्यवस्था और अवैध मादक पदार्थ, हथियार, विस्फोटक पदार्थ आदि की रोकथाम के लिए अंतर्राज्यीय सीमा पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इन सीमाओं से राज्य में प्रवेश करने वाले चार एवं दोपहिया वाहनों की चेकिंग की गई। सीओ बीएस धौनी ने बताया कि यह सीमा यूपी के जिला पीलीभीत और बरेली से लगती है। यहां संदिग्ध प्रतीत होने पर कई वाहन चालकों से पूछताछ की गई। हालांकि, कहीं कोई संदिग्ध मामला प्रकाश में नहीं आया। मौके पर इंस्पेक्टर सुंदरम शर्मा, एसएसआई विक्रम धामी सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहें।

बाइक के पोल से टकराई किशोर की मौत, दो घायल

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: अनियंत्रित बाइक के पोल में जा टकराने से एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए।

मंगलवार सुबह लोहियाहेड निवासी प्रियांशु शर्मा (15) पुत्र राजू शर्मा बाइक में अपने दो साथी लोहियाहेड निवासी मनार (14) पुत्र अशोक शर्मा और विवेक (12) पुत्र स्व. विनोद को बैठाकर लोहियाहेड रोड स्थित एक फैक्ट्री में कार्यरत अपने पिता को खाना देने आ रहा था। इसी बीच प्रियांशु की बाइक लोहियाहेड से कुछ दूरी पर सड़क पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे विद्युत पोल से जा टकराई। हादसे में बाइक में सवार तीनों किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्रियांशु शर्मा को मृत घोषित कर दिया। घायल मनार व विवेक को भर्ती कर उपचार शुरू किया। घायल दोनों किशोरों का प्राथमिक उपचार के बाद हालत सामान्य होने पर चिकित्सकों ने छुट्टी दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रियांश शर्मा के शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। मृतक प्रियांशु दो भाई-बहनों में सबसे छोटा था।

केंद्र सरकार के दो लाख करोड़ की योजनाओं पर चल रहा है कार्य, पूर्व सांसद पासी ने वार्ता में दी जानकारी

देवभूमि को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही केंद्र व राज्य सरकार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: पूर्व सांसद बलराज पासी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज उत्तराखंड न सिर्फ धार्मिक पर्यटन में अग्रणी बन रहा है, बल्कि आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, यातायात और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं पर आज राज्य में कार्य चल रहे हैं।

मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान

पत्रकारों को जानकारी देते पूर्व सांसद बलराज पासी। ● अमृत विचार

पूर्व सांसद पासी ने कहा कि बाबा केदार की नगरी श्री केदारनाथ का पुनर्निर्माण कार्य आधुनिक तकनीक और पारम्परिक स्वरूप दोनों को ध्यान में रखकर किया गया है। बद्रीनाथ में मास्टर प्लान के तहत सड़क, पार्किंग, आवासीय सुविधाओं और तीर्थ यात्रियों के लिए सभी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे परियोजना से श्रद्धालुओं की यात्रा में समय की बचत होगी और धामों तक पहुंच और सुगम होगी। उन्होंने कहा कि सोंग व जमरानी बांध परियोजनाएं उत्तराखंड के जल संकट के दीर्घकालिक समाधान का माध्यम हैं। जल जीवन मिशन हर घर जल योजना से हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य तेजी से पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक वर्ष में कांग्रेस जितना लाभ खनन से राज्य को नहीं दिला पायी, उतनी उनसे अधिकतम धामी सरकार पुरस्कार के रूप में अर्जित कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पारदर्शी नीति, उत्कृष्ट प्रदर्शन और 'लगातार सुधार' ने केंद्र को एक बार फिर राज्य सरकार के समर्थन में प्रोत्साहन राशि प्रदान करने में सक्षम बनाया है। पूर्व सांसद पासी ने कहा कि भाजपा सरकार से पहले कुमाऊं की जमरानी बांध परियोजना मजाक का पर्याय बनकर रह गयी थी। उन्होंने स्वयं भी कई बार इस मुद्दे को उठाया था, आज भाजपा सरकार में यह ऐतिहासिक परियोजना साकार रूप ले रही है। इस परियोजना से बड़ी आबादी के लिए पेयजल का संकट दूर होगा। उत्तराखंड में आज स्वास्थ्य के साथ, परिवहन, हवाई सेवाओं का विस्तार हुआ है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, मीडिया संयोजक विजय तोमर, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु शुक्ला, जिला कोषाध्यक्ष रोशन अरोरा, कार्यालय मंत्री एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नौकरी के नाम पर म्यांमार भेजने वाला धरा

काशीपुर का रहने वाला है अभियुक्त, साइबर क्राइम थाना सेल ने दबोचा, म्यांमार में बंधक बनाता था

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: भारतीय युवाओं को विदेशों में नौकरी का झांसा देकर म्यांमार में बंधक बनाकर साइबर अपराध में झोंकने वाले गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को साइबर क्राइम थाना सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त युवाओं को नौकरी का सपना दिखाकर मोटा कमीशन वसूलता था और बैंकॉक बैठे आकाओं के पास भेज देता था। साइबर सेल ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

एसटीएफ एसएसपी नवनीत सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा रेस्क्यू करके म्यांमार वर्मा से कई भारतीय युवाओं को बंधक मुक्त कर भारत वापस लाया गया था। जिसमें कुमाऊं मंडल के भी नौ युवक शामिल थे। युवाओं के बयानों के आधार पर प्रकरण की तफ्तीश साइबर क्राइम थाना सेल रुद्रपुर मुख्यालय को दी। प्रारंभिक पूछताछ के बाद कई तथ्यों के आधार पर मुकदमा दर्ज हुआ और साइबर सेल अपनी तफ्तीश को शुरू कर दिया।

तफ्तीश के दौरान पता चला कि भारतीय युवाओं को विदेशों में नौकरी का झांसा देकर बंधक बनाने वाला और कोई नहीं है,

गिरफ्तार अभियुक्त के साथ साइबर क्राइम थाना सेल की टीम। ● अमृत विचार

मनीष चौहान-पिंकी हैं मास्टरमाइंड

रुद्रपुर : काशीपुर के रहने वाला मनीष चौहान और युवती पिंकी ही इस चक्रव्यूह की मास्टरमाइंड है। ऐसा कहना है कि गिरफ्तार अभियुक्त प्रदीप कुमार का। अभियुक्त ने बताया कि वह युवाओं को महज बैंकॉक भेजता है। जहां मनीष व पिकी ही रिसीव करते हैं और थाईलैंड के गोपनीय पथरीली, नदी-नालों और बॉर्डर को पार कर सभी युवाओं को म्यांमार शहर के मयावाड़ी स्थित केके पार्क में बंधक बना रखा जाता था। जिसके बाद सिडिकेट विदेशी एजेंट आधुनिक उपकरण देकर भारतीय युवाओं को साइबर क्राइम व खातों की निगरानी की ड्यूटी देते थे। इंकार करने पर शारीरिक व मानसिक यातनाएं भी दी जाती थी।

बल्कि शिव नगर कॉलोनी वार्ड-एक निवासी प्रदीप कुमार है। जो बैंकाक बैठे अपने आकाओं के इशारे पर युवाओं को जाल में फंसाता और फिर मोटी कमीशन लेकर म्यांमार भेज देता था। इसके अलावा विदेश भेजने वाले हर भारतीय युवा का डाटा भी एंट्री करता था और किस युवक से कितनी कमीशन तय करनी है। इसका निर्णय भी प्रदीप ही लेता था। सर्विलांस की मदद से साइबर क्राइम थाना सेल की टीम ने 24 नवंबर को काशीपुर में दबिश देकर अभियुक्त प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया और आधुनिक उपकरण भी बरामद कर लिए हैं। अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया है।

एमएससी के बाद विदेश जाना चाहता था प्रदीप

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: युवाओं को नौकरी का झांसा देकर विदेश भेजने वाला प्रदीप खुद विदेश जाने का सपना देख रहा था, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह खुद ही युवाओं को विदेश जाने का सपना दिखाने लगा और बैंकॉक में बैठे अपने आकाओं से हाथ मिला लिया।

साइबर क्राइम थाना सेल प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि काशीपुर निवासी प्रदीप कुमार एमएससी उत्तीर्ण है और बेहद ही मेधावी भी है। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि एमएससी करने के बाद वह विदेश जाकर नौकरी करना चाहता था। लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उसका सपना अधूरा रह गया। रोजगार भी नहीं मिला तो उसकी मुलाकात काशीपुर के ही रहने वाले मनीष और पिंकी नाम की युवती से हुई जो शिक्षा ग्रहण करने के बाद बैंकॉक शिफ्ट हो गए थे। मनीष व पिंकी ने फोन पर युवाओं को नौकरी का झांसा देकर कमीशन से मोटी कमाई करने का लालच दिया और फिर अपने गिरोह में शामिल कर लिया। यही वजह है कि मनीष चौहान ने काशीपुर के अयाज को बैंकॉक थाईलैंड में डिजिटल मार्केट की नौकरी का झांसा देने के लिए 40 हजार रुपये की कमीशन भी दी थी। बताया कि उसकी यह पहली कमाई थी और वह दूसरी शिकार की तलाश में था, लेकिन गिरोह का भंडाफोड़ हो गया।

धोखाधड़ी का शिकार बने जिले के सात युवा

रुद्रपुर : विदेशों में नौकरी का झांसा देने वाले गिरोह से बंधक मुक्त हुए नौ पीड़ितों में से सात युवा ऊधमसिंह नगर के हैं। जिसमें जसपुर निवासी मोहम्मद आजम, जुनैद अहमद, जसपुर निवासी मोहम्मद मोईन, मोहम्मद दानिश व आईटीआई काशीपुर निवासी अनुज कुमार और आशुतोष गौतम है। जिनको 25 से 30 हजार थाईवात का वेतनमान बताया गया था। विदेश भेजने की एवज में मोटी कमीशनखोरी का भी खेल खेला गया। नौ पीड़ितों से 5.77 लाख रुपये कमीशन भी वसूला गया था।

प्रहलाद पलासिया में 14 वें दिन भी जारी रहा धरना

प्रहलाद पलसिया में धरने को समर्थन देते पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल।

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : मत्स्य विभाग को हस्तांतरित जमीन पर निवास कर रहे परिवारों का धरना 14 वें दिन भी जारी रहा। पीड़ित परिवार सरकार से अन्यत्र जगह दो एकड़ जमीन, आवास दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

वहीं, मंगलवार को रुद्रपुर के पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने धरने को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि वह उद्योग के खिलाफ नहीं हैं लेकिन 40 साल मत्स्य विभाग को हस्तांतरित जमीन पर वास कर रहे पीड़ित परिवारों को उजाड़ना मानवता पर कलंक है। परिवारों को उजाड़ने से बचाना

- धरना स्थल पहुंचकर पूर्व विधायक ने दिया धरना

उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मंत्री बहुगुणा से पीड़ित परिवारों को अन्यत्र जगह बसाने की मांग की।

वहां पूर्व विधायक नारायण पाल, नपं अध्यक्ष सुमित मंडल, पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे, रामचंद्र राय, उत्तम आचार्य, पूर्व मंडी अध्यक्ष हरपाल सिंह, त्रिनाथ विश्वास, परिमल राय, विकास मलिक, भाष्कर राणा, भोपाल राय, मानस बैरागी, अर्जुन विश्वास, आनंद शर्मा, केरु मण्डल, देवानंद स्वर्णकार, शिव कुमार, ललित बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

कार की टक्कर से युवती गंभीर घायल

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : 21 नवंबर की रात्रि को ड्रिंक एंड ड्राइव में घायल युवती प्रकरण में कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि कार सवार चार युवक नशे की हालत में थे। युवती की हालत नाजुक बनी हुई है।

गांव फौजी मटकोटा निवासी सुमन पाल ने बताया कि 21 नवंबर की शाम पांच उसकी बेटी कामना गांव धरमपुर से इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी से घर लौट रही थी। फ्लाईओवर के समीप गांव बिदुखेड़ा की ओर से तेज रफ्तार कार ने बेटी को टक्कर मार दी। जिससे वह लहूलुहान होकर सड़क किनारे जा गिरी। बताया कि कार में पंकज अरोरा नाम का एक युवक अपने तीन दोस्तों के साथ सवार था और सभी शराब के नशे में धुत थे।

आवारा पशु से टकराने पर युवक की मौत

खटीमा : मेलाघाट रोड पर बैठे आवारा पशु से टकराकर गभिया निवासी बाइक सवार युवक की मौत हो गई। गभिया सराई यूपी निवासी प्रमोद ठाकुर (32) पुत्र नथुनी ठाकुर सोमवार देर शाम श्रीपुर बिछुआ स्थित अपनी टेलरिंग की दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहा था। वह मेलाघाट रोड में बंगाली कालोनी स्थित बागनाथ मंदिर के पास पहुंचा ही था कि उसकी बाइक सड़क पर बैठे आवारा पशु से टकरा गई।

युवक से राइफल और तमंचा बरामद

किच्छा: किच्छा कोतवाली क्षेत्र में सुरेंद्र सिंह उर्फ सुक्खा नामक युवक को अपने परिजनों के साथ अभद्रता करने और गोली मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित पिता गुरबख्श सिंह ने पुलिस को सूचित किया कि उनका पुत्र नशे का आदी है और अवैध हथियार रखता है। पिता की शिकायत पर, उपनिरीक्षक पवन जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हंगामा कर रहे आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपी के कमरे से 315 बोर की एक देशी राइफल और 12 बोर का एक देशी तमंचा, साथ ही दो कारतूस बरामद किए। पुलिस ने अवैध हथियार रखने और परिवार को धमकाने के आरोप में सुरेंद्र सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

राइस मिल के गेट पर किया हंगामा

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार: प्रदूषण से आक्रोशित ग्रामीणों ने राइस मिल के गेट पर प्रदर्शन कर धरना दिया। इससे मिल के भारी वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। जनप्रतिनिधि और पुलिस के सहयोग से तय हुआ कि मिल स्वामी 15 दिसंबर तक इस समस्या का समाधान करेंगे।

ग्राम राजपुर निवासी फिरोज खान मंगलवार को ग्रामीणों के साथ गांव स्थित शिव एग्रो सीड प्लांट और राइस मिल के गेट पर एकत्र हुए। उन्होंने यहां मिल स्वामी के खिलाफ नारेबाजी कर खूब हंगामा किया। ग्रामीणों ने बताया कि मिल से निकलने वाले प्रदूषण से वह और उनके बच्चे बीमार होने लगे हैं। मिल स्वामी ने नई मशीन को

जसपुर के राजपुर गांव में राइस मिल के गेट पर धरना देते ग्रामीण। ● अमृत विचार

उनके मकानों की तरफ लगाया है इससे अब मिल की धूल और गर्द सीधे उनके मकानों में उड़कर आ रही। घर के आगे सूख रहे कपड़ों पर भी धूल जम जाती है। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र ही प्रदूषण बंद नहीं हुआ तो वह मिल में ताला लगा देंगे। तब भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री फखरुद्दीन मलिक के सहयोग से ग्रामीणों और मिल स्वामी के बीच लिखित समझौता हुआ कि मिल स्वामी 15 दिसंबर तक इस समस्या का समाधान कर देंगे। तब कहीं जाकर ग्रामीण शांत हुए। धरना देने वालों में अतीक अहमद, मोहम्मद रफी, शफात नबी, नन्हे हुसैन, शरीफ अहमद, शानिब आदि मौजूद रहे।

वृद्ध की ट्रेन से कटकर मौत

खटीमा: पचपेड़ा रेलवे ट्रैक को क्रॉस करते समय एक वृद्ध की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना के दौरान ट्रेन काफी समय घटनास्थल रुकी रही। विभागीय कार्रवाई पूरी करने के बाद ट्रेन अपने गंतव्य में को रवाना हो गई। बुधवार की सुबह नौ बजे पचपेड़ा रेलवे क्रॉसिंग के पास एक बड़ा हादसा हुआ। जब रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन से कटकर पचपेड़ा निवासी बिहारी लाल (80) पुत्र बलदेव प्रसाद की मौत हो गई। टनकपुर राजस्थान एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 15091 अपने निर्धारित समय पर पीलीभीत की ओर से आ रही थी। जैसे ही ट्रेन पचपेड़ा क्रॉसिंग रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुंची उसी दौरान 80 वर्षीय बिहारी लाल ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई।

लामबंद | सेवा शर्तों में सुधार और मानदेय वृद्धि समेत कई मांगें उठाईं

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: सेवा शर्तों में सुधार और मानदेय वृद्धि समेत विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को तहसील परिसर में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने दरी बिछाकर सांकेतिक बैठक की तथा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

उत्तराखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ से जुड़ी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकजुट होकर तहसील पहुंचीं। उनका कहना था कि वह न्यायोचित मांगों को लेकर पूर्व में कई बार धरना-प्रदर्शन, रैली कर चुकी हैं और विभागीय अधिकारियों के साथ बैठकों का दौर भी चला,

बाजपुर के तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

लेकिन समस्या का समाधान नहीं निकला। वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री के आश्वासन पर आंदोलन स्थगित किया गया था। मुख्यमंत्री ने मानदेय वृद्धि के लिए कमेटी गठित कर निर्णय के आधार पर मानदेय बढ़ाने का वादा किया था, मगर यह कमेटी केवल कागजों तक ही सीमित रह गई। अब तक कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि 30 अक्टूबर को सचिवालय घेराव कर सरकार का ध्यान मांगों की ओर आकर्षित किया गया था, लेकिन उन्हें आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला। लगातार उपेक्षा और कार्रवाई न होने पर प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेशभर के आंगनबाड़ी केंद्र बंद कर कार्य बहिष्कार, धरना-प्रदर्शन और क्रमिक अनशन शुरू करने का निर्णय लिया गया था। उन्होंने चेतावनी दी कि आंदोलन के दौरान किसी भी स्थिति के लिए शासन-प्रशासन स्वयं जिम्मेदार होगा। मांगें पूरी न होने पर आंदोलन को और तेज करने की बात भी कही। इस मौके पर जिलाध्यक्ष मंजू गोस्वामी, ब्लाक अध्यक्ष ललिता भट्ट, रेखा पांडेय, सुनीता, मालती, कांति कुमारी, खष्टी देवी, प्रेमा तिवारी, शकीन जहां, कमला पांडेय, नवनीत कौर, रेखा, अनीता, लज्जा, गीता रानी, कविता भारती, सुरेंद्रा मैसी, मनजीत कौर, कमलेश, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

धारदार हथियार से युवक पर हमला

रुद्रपुर : थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में बदमाश प्रवृति के युवाओं के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि घर लौट रहे युवक पर चाकू व धारदार हथियार से हमला कर अधमरा कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया।

जगतपुरा वार्ड-39 निवासी नवल किशोर साहनी ने बताया कि 23 नवंबर की रात्रि दस बजे उसका बेटा रवि साहनी अपने दोस्त शिवम साहनी के साथ घर लौट रहा था। अचानक साजिद उर्फ मंत्री अपने साथियों के साथ आया और अभद्रता करते हुए हाथापाई शुरू कर दी। जब युवक ने बचाव का प्रयास किया, तो हमलावरों ने चाकू व धारदार हथियार से सिर और कंधे पर वार कर दिया। चीख पुकार की आवाज सुनकर हमलावर फरार हो गए।

ई-बीट एप का बेहतर क्रियान्वयन करें

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: बाजपुर कोतवाली में मंगलवार को मोबाइल ई-बीट एप के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर कोतवाल नरेश चौहान ने कोतवाली एवं संबंधित चौकियों में नियुक्त उपनिरीक्षकों व पुलिस कर्मियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने एप के उपयोग, फील्ड में इसके लाभ और बीट प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य पर विस्तार से जानकारी दी।

कोतवाल नरेश चौहान ने बताया कि आईजी एलओ ने एक दिन पहले वीसी (वीडियो कान्फ्रेंसिंग) के जरिये मोबाइल ई-बीट एप के संचालन के विषय में दिशा-निर्देश दिए थे। उन्हीं के निर्देशानुसार आज यह बैठक ली गई है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बीट के लिए एक-एक

पुलिस कर्मचारियों की बैठक लेकर जानकारी देते कोतवाल नरेश चौहान।

मोबाइल फोन उपलब्ध कराए गए हैं। बीट से संबंधित हर प्रकार का डेटा अब इसी एप पर फीड किया जाएगा, ताकि क्षेत्र की गतिविधियों पर रियल टाइम निगरानी हो सके। उन्होंने कहा कि बीट क्षेत्रों का कम-ज्यादा तथा बैलेंस निर्धारण भी एप के माध्यम से ही किया जाएगा, जिससे किसी भी प्रकार की त्रुटि या भ्रम की स्थिति न रहे। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि बीट में की गई हर कार्रवाई, भ्रमण, शिकायत, सत्यापन एवं अन्य गतिविधियां समय पर एप में दर्ज करें। कोतवाल ने यह भी कहा कि मोबाइल ई-बीट एप आधुनिक पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके सही उपयोग से कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जा सकेगा।

सिटी ब्रीफ

राधेहरि कॉलेज ने लगातार दूसरी बार जीती हॉकी प्रतियोगिता

काशीपुर : कुमाऊं विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय हॉकी महिला प्रतियोगिता 2025 का खिताब लगातार दूसरी बार राधेहरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय की टीम ने जीतकर अपने नाम किया है। बीती सोमवार को प्रतियोगिता का फाइनल मैच एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी में खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में राधेहरि कॉलेज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी को 5-1 से हराकर खिताब पर कब्जा कर लिया। कॉलेज के क्रीड़ाधिकारी डॉ. सुदर्शन कुमार ने बताया कि टीम ने लगातार दूसरे वर्ष इस प्रतियोगिता की ट्रॉफी अपने नाम की है। इस उपलब्धि पर कुमाऊं विश्वविद्यालय के क्रीड़ाधिकारी डॉ. संतोष कुमार व कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुमिता श्रीवास्तव ने हर्ष व्यक्त करते हुए टीम को बधाई दी।

पुलिया को ठीक करने की मांग उठाई

काशीपुर : रामनगर रोड चुंगी तिराहा बस अड्डे की पुलिया क्षतिग्रस्त होने से दुर्घटना का कारण बनती जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुलिया ओवर लोडिंग डंपरों के कारण क्षतिग्रस्त हुई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि यह पुलिया जो रामनगर रोड से सीधी काशीपुर रोड को जोड़ती है पुलिया की मिट्टी धस गई है। जिसके कारण आवागमन में दुर्घटना का कारण बन सकती है। लोगों ने स्थानीय प्रशासन से इस पुलिया को शीघ्र दुरुस्त करने की मांग की। जिससे भविष्य में होने वाली दुर्घटना पर अंकुश लग सके।

उपचार के साथ एक्यूप्रेशर प्रशिक्षण जरूरी

काशीपुर : नवचेतना भवन में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के तत्वावधान में चल रहे निशुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर के तीसरे दिन एक्यूप्रेशर चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. एपी चंद्रवंशी ने बताया कि शिविर में जहां एक ओर विभिन्न प्रकार के रोगी उपचार के लिए पहुंच रहे हैं, वहीं उन्होंने रोगियों और लाभार्थियों से प्रशिक्षण लेने को भी कहा। उन्होंने बताया कि एक्यूप्रेशर चिकित्सा एक ऐसी पद्धति है जिसको सीखा हुआ व्यक्ति कभी भी बिना दवा के अपना और अपने परिवार व आसपास के लोगों का उपचार कर सकता है। उधर अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष सुरेश गोयल, उपाध्यक्ष महेंद्र गुप्ता लोहिया, जिला महामंत्री डॉ. संजीव गुप्ता समेत पदाधिकारियों ने शिविर में पहुंचकर लाभार्थियों का हाल-चाल जाना।

ग्राम प्रधानों और वार्ड सदस्यों को दिलाई शपथ

काशीपुर : ग्राम प्रधानों और वार्ड सदस्यों को शपथ दिलाकर ग्राम प्रधानों को बस्ते दे दिये गये हैं। गांव मानपुर की प्रधान पुष्पा रानी, गढ़ी इंदरजीत के प्रधान अजयपाल, लक्ष्मीपुर लच्छी के प्रधान वीरजोत सिंह ग्रेवाल, खरमासी के प्रधान विजय कुमार, प्रतापपुर के प्रधान शेर सिंह, कुंडेश्वरी की प्रधान पायल, शिवलालपुर डल्लू के प्रधान शौर्य दत्त लखेड़ा, जगतपुर की सरबजीत कौर को अभी तक बस्ता नहीं मिला था। 20 नवंबर को हुए उपचुनाव के बाद मंगलवार को प्रधानों के अलावा जीते हुए वार्ड सदस्यों को ब्लॉक में शपथ दिलाई गई। एडीओ सतीश सैनी ने बताया कि प्रधान और वार्ड सदस्यों को शपथ दिला दी गई है। वहीं प्रधानों को बस्ते दे दिये गये हैं, वो अब गांवों में विकास कार्य कर सकेंगे।

कांग्रेस की सदस्यता ले सकते हैं युवा: प्रकाश

काशीपुर : युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण के प्रदेश चुनाव अधिकारी प्रकाश कुमार ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि उत्तराखंड के सभी युवाओं को नेता बनने का अवसर युवा कांग्रेस ने दिया है और बताया कि उत्तराखंड प्रदेश में युवा कांग्रेस का सदस्यता अभियान 20 नवंबर 2025 से प्रारंभ हो चुका है जो 19 दिसंबर 2025 को शाम पांच बजे तक चलेगी। इसमें प्रदेश के सभी युवा जो 18 से 35 वर्ष के उम्र के बीच के हैं ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुड़ सकते हैं और उत्तराखंड युवा कांग्रेस को मजबूत कर युवाओं की आवाज युवा कांग्रेस के माध्यम से उठा सकते हैं।

स्मैक के साथ दो युवकों को किया गिरफ्तार

किच्छा : पुलभट्टा थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक बाइक पर सवार दो युवकों को 4.85 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है।पकड़े गए आरोपियों की पहचान गौरव सिंह नगरकोटी (नाथूनगर, कालाढूंगी) और मनोज पांडे (देवलचौड़, कालाढूंगी) के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे स्मैक बहेड़ी से खरीद कर ला रहे थे। पुलिस टीम को देख कर भागने की कोशिश करने पर उन्हें पीछा करके पकड़ा गया।पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर बाइक को सीज कर दिया है।

लघु फिल्म से नशामुक्ति का संदेश दिया

इंजीनियरिंग कॉलेज में सेवा संकल्प की पहल पर हुआ कार्यक्रम, सीएम की पत्नी गीता धामी ने किया शुभारंभ

संवाददाता, टनकपुर

टनकपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी गीता धामी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: टनकपुर स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग कॉलेज में सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन द्वारा नशा मुक्ति जनजागरूकता एवं युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना और उन्हें सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में संस्थान के छात्र छात्राओं सहित विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ो छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नशा मुक्ति संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए सूचना विभाग के कुमाऊँ लोक सांस्कृतिक कला दर्पण, लोहाघाट दल ने एक मार्मिक एवं विचारोत्तेजक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। साथ ही एक लघु फ़िल्म के माध्यम से भी नशा मुक्ति का सशक्त संदेश प्रसारित किया गया। विद्यार्थियों द्वारा विचार-संवाद, चर्चा एवं "नशा मुक्त उत्तराखंड" विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें उत्तम तिवारी ने प्रथम, मोनिका पांडे ने द्वितीय और दिया जोशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान दून मेडिकल कॉलेज के मेडिकल सुपरीटेंडेंट एवं विशेषज्ञ नंदन सिंह बिष्ट ने युवाओं के लिए परामर्श सत्र का संचालन किया। उन्होंने नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक दुष्प्रभावों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा तनाव प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण, आत्मविश्वास और जीवन कौशल पर उपयोगी सुझाव साझा किए। कॉलेज के डायरेक्टर एच.एल. मंडोलिया ने फाउंडेशन की पहल की सराहना करते हुए कहा कि युवा वर्ग ही समाज परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति है, और ऐसे आयोजन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने " नो टू ड्रग्स" सेल्फ़ी अभियान में हिस्सा लेकर समाज को स्पष्ट संदेश दिया "नशा नहीं, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान और सपने ही जीवन का आधार हैं।" सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन की संस्थापक ट्रस्टी गीता धामी ने प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए सामूहिक नशा मुक्ति शपथ दिलाई। उन्होंने कहा, "नशा किसी एक व्यक्ति की समस्या नहीं, यह परिवारों के दुख, टूटे सपनों और बिखरते भविष्य की जड़ है। यदि हमारी मुहिम किसी एक युवा को नशे से दूर रख सके या किसी माँ की आँखों में उम्मीद लौटा दे—तो यही हमारी सबसे बड़ी सफलता है। सेवा संकल्प समाज के प्रति संवेदना और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

उन्होंने बताया कि फाउंडेशन भविष्य में विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा ग्रामीण व दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम, परामर्श शिविर, जीवन कौशल प्रशिक्षण और नशा पीड़ित परिवारों के सहयोग के लिए कार्यक्रम लगातार जारी रखेगा, ताकि आने वाली पीढ़ी एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त उत्तराखंड में जीवन जी सके। इस दौरान जिला अध्यक्ष भाजपा गोविंद सामंत, अध्यक्ष बनबसा रेखा देवी, अध्यक्ष टनकपुर विपिन कुमार, विधायक प्रतिनिधि दीपक रजवार, नोडल अधिकारी केदार सिंह बृजवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पुष्पा विश्वकर्मा, जिला महामंत्री मुकेश कलखुड़िया, मंडल अध्यक्ष कमलेश भट्ट, मंडल अध्यक्ष तुलसी कुंवर, पूर्व दर्जा मंत्री शिवराज सिंह कठायत, इंजीनियरिंग कॉलेज डायरेक्टर एचएल मंडोरिया, पुलिस उपाधीक्षक वंदना वर्मा, निरीक्षक कोतवाली चेतन रावत मौजूद रहे।

निःशुल्क शिविर में मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की

संवाददाता, टनकपुर/ बनबसा

अमृत विचार: सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन की फाउंडर ट्रस्टी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की धर्मपत्नी गीता धामी ने मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बनबसा में निःशुल्क दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ किया।

जन-सेवा व संवेदनशील स्वास्थ्य सरोकारों को समर्पित इस शिविर में राज्य के सुपर स्पेशलिस्ट एवं अनुभवी चिकित्सकों—डॉ. पुनीत गोयल (न्यूरोसर्जन), डॉ. अजय आर्य (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. एन.एस. बिष्ट (मेडिसिन), डॉ. प्रमोद जोशी (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ. मुकेश वर्मा (कान, नाक व गला रोग विशेषज्ञ), डॉ. योगेश (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ. ईशा (त्वचा रोग विशेषज्ञ), डॉ. प्रतीक (नेत्र रोग विशेषज्ञ) सहित मनोरोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन एवं अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श, ई.सी.जी., नेत्र परीक्षण, सामान्य रोग निदान सहित विविध चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कीं।

शिविर में 700 से अधिक लोगों ने उपचार प्राप्त किया। अनेक मरीज वर्षों बाद विशेषज्ञ चिकित्सक तक पहुँच बना सके,किसी की आँखों को राहत मिली, किसी के कदमों को सहारा मिला, तो किसी के स्वास्थ्य संघर्षों को नई उम्मीद।

मानवता और सामाजिक करुणा को केंद्र में रखते हुए गीता धामी ने शिविर में उपस्थित जरूरतमंदों को व्हीलचेयर, वॉकिंग स्टिक, चश्मा एवं कान की मशीन का वितरण भी किया, जिससे कई चेहरे आशा और आत्मविश्वास से खिल उठे। गीता धामी ने कहा कि "स्वास्थ्य किसी विशेष वर्ग का अधिकार नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की मूल आवश्यकता और सम्मान है। यदि हमारी छोटी-सी कोशिश किसी परिवार के दुख को कम कर सके, किसी बुजुर्ग के कदमों में फिर से हिम्मत भर दे, किसी बच्चे के भविष्य को सुरक्षित कर दे तो यही सेवा संकल्प की सबसे बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी फाउंडेशन इसी भावना के साथ दुरस्त एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का नियमित आयोजन कर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएँ पहुँचाने के लिए निरंतर तत्पर रहेगा। इस दौरान जिला अध्यक्ष भाजपा गोविंद सामंत, नगर पंचायत अध्यक्ष बनबसा रेखा देवी, टनकपुर के पालिका अध्यक्ष विपिन कुमार, विधायक प्रतिनिधि दीपक रजवार, नोडल अधिकारी केदार सिंह बृजवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पुष्पा विश्वकर्मा, जिला महामंत्री मुकेश कलखुड़िया, बनबसा मंडल अध्यक्ष कमलेश भट्ट मौजूद रहे।

काशीपुर के महुआखेड़ागंज में पदयात्रा निकालते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

सरदार पटेल की जयंती पर निकाली पदयात्रा

काशीपुर : भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर विधानसभा बाजपुर के महुआखेड़ागंज मंडल में एकता पदयात्रा का सफल आयोजन किया गया। यह पदयात्रा राष्ट्रीय एकता, अखंडता और दृढ़ संकल्प के प्रतीक सरदार पटेल के अमर विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का एक अनुकरणीय माध्यम बनी। पदयात्रा नगर निगम वार्ड हिम्मतपुर, परमानंदपुर, धीमरखेड़ा, बरखेड़ा पांडे, महुआखेड़ा नगर पालिका के वार्ड अहेरपुर गंज वार्ड में होकर गुजरी। इस अवसर पर मौजूद सभी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र निर्माण और सामाजिक एकजुटता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वहां पर पूर्व दर्जा राज्यमंत्री राजेश कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, महामंत्री प्रीतम सिंह, जिला मंत्री संजीव कुमार, वरिष्ठ भाजपा नेता कमलेश कुमार, चंद्रजीत सिंह, पार्षद सतीश कुमार, पाल सिंह, विजयपाल सिंह, योगेश पाल, रामगोपाल आदि मौजूद रहे।

रुद्रपुर में भाजपा ने निकाली एकता यात्रा

- विधायक अरोरा समेत कई भाजपा कार्यकर्ता रहे मौजूद

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई भाई पटेल की 150वीं जयंती पर रुद्रपुर ट्रांजिट कैंप में फुटबाल मैदान से भाजपा कार्यकर्ताओं ने एकता पदयात्रा का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया और हाथों में तिरंगा लहराते हुए पैदल ट्रांजिट कैंप बाजार होते पदयात्रा निकाली। यात्रा का समापन झील पर हुआ।

मंगलवार को एकता पदयात्रा के दौरान विधायक शिव अरोरा ने कहा कि देश के प्रथम गृहमंत्री देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती पर एकता पदयात्रा का आयोजन हुआ। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का देश के प्रति अतुल्य योगदान व उनकी राष्ट्र सेवा जो करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा का कार्य करती है, उनकी देश सेवा को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता, पूर्व जिला महामंत्री भारतभूषण चुघ, प्रीत ग्रोवर, राजकुमार साह, भाजपा जिला महामंत्री तरुण दत्ता, वेद ठुकराल, मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, मुकेश पाल, पार्षद पवन राणा, एमपी मौर्य, राजेंद्र राठौर, मुकेश रस्तोगी, निमित्त शर्मा, शिव कुमार गंगवार, जिला मंत्री प्रमोद मित्तल, रोशन अरोरा, अनमोल विर्क, डीके गंगवार, विजय तोमर, बिट्टू चौहान, प्रदीप राठौर, रामाधारी गंगवार, सतनाम सिंह, महेंद्र आर्य, शंकर विश्वास, विजय डे, जीतेन्द्र संधू, सुनील यादव, मनोज मदान, विकास सागर, डंपी चोपड़ा, गीता शर्मा, आशा मुंजाल, चंद्रपाल, राधेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

ट्रांजिट कैंप में एकता पदयात्रा में शामिल विधायक शिव अरोरा व अन्य। ● अमृत विचार

जनजातीय समुदाय के अधिकारों को लेकर किया जागरूक

बाजपुर : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर के तत्वावधान में मंगलवार को जनजातीय समुदाय के अधिकारों को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देश और सचिव योगेंद्र कुमार सागर के आदेशानुसार ग्राम लखनपुर स्थित श्रीराधेकृष्ण गौशाला परिसर में आयोजित हुआ। शिविर में पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने ग्रामीणों को नालसा की जनजातीय अधिकारों के संरक्षण और प्रवर्तन योजना-2015 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नालसा द्वारा शुरू की गई यह योजना देशभर में जनजातीय लोगों को न्याय तक सुगमता से पहुंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित है। इसके तहत जनजातीय समुदाय को उनके अधिकारों, विभिन्न लाभों और मुफ्त कानूनी सहायता सहित अन्य सेवाओं का लाभ दिलाया जाता है।

काशीपुर में पशुशाला का निरीक्षण करते मेयर दीपक बाली। ● अमृत विचार

मेयर ने किया ख्वाहिश संस्था की पशु शाला का निरीक्षण

काशीपुर : मेयर दीपक बाली ने मंगलवार को चैती स्थित ख्वाहिश संस्था की पशु शाला का निरीक्षण किया। साथ ही वहां उपचाराधीन पशुओं के गले में रेडियम के रिफ्लेक्टर कॉलर बांधे। मेयर ने संस्था की अध्यक्ष आयुषी नागर के साथ उपचार के लिए लाए गए लावारिस पशुओं के बारे में जानकारी ली और उनके द्वारा निस्वार्थ भाव से लावारिस पशुओं के उपचार की सराहना की। ख्वाहिश संस्था की आयुषी नागर ने बताया कि संस्था लावारिस पशुओं का उपचार करती है और उनके ठीक होने के बाद उन्हें उसी स्थान पर छोड़ दिया जाता है जहां से उन्हें लाया गया हो। वर्तमान में करीब पंद्रह कुत्तों और गायों का उपचार चल रहा है। हर साल संस्था कैंपेन सुरक्षा चलाती है। जिसके तहत लावारिस जानवरों की सुरक्षा के लिए रेडियम रिफ्लेक्टर पहनाएं जाते हैं ताकि कोहरे में उनकी सुरक्षा हो सके। मेयर बाली ने संस्था को हर संभव सहायता करने का भरोसा दिया।

सीनियर खो-खो और टग ऑफ़ वॉर में डायनेस्टी प्रथम

खटीमा : डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म के छात्रों ने एसके पब्लिक स्कूल मझोला में आयोजित खेल महोत्सव में सीनियर वर्ग के अंतर्गत खो-खो व टग ऑफ वॉर में प्रथम स्थान प्राप्त कर किया है। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने खिलाड़ियों और खेल प्रशिक्षक भरत बिष्ट, परविंदर खाती, मनीषा कुंवर, कमल इकराल, नरेश अहिरवार को बधाई दी। इस अवसर पर डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, मनीष चंद, विक्टर आईवन, सुरेश ओली, हरीश भट्ट, दिगम्बर भट्ट, अशोक जोशी, सुरेंद्र रावत, मनीष ठाकुर, ऊषा भट्ट आदि मौजूद रहे।

खटीमा में डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी के बच्चे प्रबंधन के साथ। ● अमृत विचार

नई श्रम संहिताओं की प्रतियां जलाईं

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: ऐक्टू से संबद्ध आरएमएल एम्प्लाइज यूनियन ने केंद्र सरकार की चार नई श्रम संहिताओं के विरोध में आक्रोश जताया। साथ ही सिडकुल चौक पर नई श्रम संहिताओं की प्रतियां जलाईं।

मंगलवार को यूनियन के सहसचिव व सिडकुल संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष दिनेश तिवारी ने कहा कि सरकार नए कानूनों को लाकर मजदूरों को गुमराह कर रही है। पुराने 44 श्रम कानूनों से मिले अधिकारों में कटौती कर बनाई गई नई चार संहिताएं मजदूरों को निश्चित अवधि की नौकरी और हायर एंड फायर की नीति के तहत असुरक्षा की ओर धकेल देंगी। भाकपा (माले) के जिला सचिव ललित मटियाली ने कहा कि नई संहिताओं के कारण मजदूर अपने हक की आवाज तक नहीं उठा सकेत हैं। इस अवसर कमलेश कार्की, मनोज मेहता, मनीष, जगदीश, धीरज, दिनेश कांडपाल, महिपाल सिंह, ओमप्रकाश, भोपाल आर्या आदि मौजूद रहे।

चार श्रम संहिताओं की प्रतियां जलाते श्रमिक। ● अमृत विचार

एकजुटता | बरहैनी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली एकता यात्रा

समाज में एकता और सद्भाव बनाए रखने की अपील

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: बरहैनी में मंगलवार को लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य एकता यात्रा निकाली गई।

यात्रा का उद्देश्य सरदार पटेल के देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति नारों के साथ यात्रा को आगे बढ़ाया। यात्रा स्थानीय बाजारों और प्रमुख मार्गों से होती हुई विभिन्न चौक-चौराहों पर पहुंची, जहां लोगों ने कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। नेताओं ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की 562 रियासतों का विलय कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनके योगदान को याद करते हुए कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि समाज में एकता और सद्भाव बनाए रखने के लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मोहन पाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष (ग्रामीण) कन्नू जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता योगेश मुनगली, विहिप नेता यशपाल राजहंस वीरेंद्र सिंह बिष्ट, एनडी जोशी, अमरजीत सिंह रंधावा, बिट्टू चौहान, दिलीप सिंह, कुंदन सिंह, प्रवीण देउपा, कुलविंदर सिंह, मोहन पाल, बीडी कांडपाल, आनंद सिंह, प्रताप सिंह, गोपाल सिंह, जयपाल सिंह, मनजीत सिंह, चंद्रिका फोगाट, सीमा भारती, हरेंद्र आर्य, रमेश पांडे सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में नेताओं ने राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने की महत्ता बताते हुए युवाओं से देश के विकास और सामाजिक सौहार्द में योगदान देने का आह्वान किया।

ग्राम बरहैनी में एकता यात्रा को संबोधित करते उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी।

सड़क तक सामान फैलाए बैठे व्यापारी को हिदायत देते कोतवाल नरेश चौहान।

अतिक्रमण के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया

बाजपुर : नगर के मुख्य मार्ग और रामराज रोड पर फैले अतिक्रमण के खिलाफ पुलिस ने मंगलवार को अभियान चलाया। सड़क और फुटपाथ तक सामान फैलाकर बैठे व्यापारियों को पहले चेताया गया, इसके बाद कई व्यापारियों के चालान काटते हुए उनसे अर्थदंड भी वसूला गया। कोतवाल नरेश चौहान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। टीम ने रोड पर लगे अवैध ढेर, डिस्प्ले और दुकानदारी का सामान हटवाया। कोतवाल ने स्पष्ट चेतावनी दी कि दोबारा अतिक्रमण करने पर न सिर्फ सामान जब्त किया जाएगा, बल्कि भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीते कई दिनों से स्थानीय लोगों द्वारा सड़क पर कब्जे की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी के मद्देनजर मंगलवार को अभियान चलाया गया है। पुलिस ने व्यापारियों से अपील की है कि वे सड़क और फुटपाथ खाली रखें, जिससे आवागमन में कोई समस्या न हो।

ब्रीफ न्यूज

लापता बुजुर्ग महिला का शव फंदे से झूलता मिला

रानीखेत : नगर के आबकारी मोहल्ले से लापता बुजुर्ग महिला का शव मोहल्ले के पास ही फंदे से झूलता बरामद हुआ है। गौरतलब है कि आबकारी मोहल्ले में कैंट क्वार्टर में रहने वाली बुजुर्ग महिला बसंती देवी 61वर्ष 21 नवंबर से लापता थी। जिसकी परिजन व रिश्तेदार ढूंढ खोज कर रहे थे। मंगलवार को आबकारी मोहल्ले में एक गधेरे के पास महिला का शव फंदे से झूलता मिला।

बसंती देवी (फाइल)।

मजदूर पर लोहे की रॉड से हमला, मुकदमा दर्ज

अल्मोड़ा : अल्मोड़ा में मजदूर पर लोहे की रॉड से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रेम राम, निवासी रतखान चौमू ने अल्मोड़ा कोतवाली में एक तहरीर सौंपी। तहरीर में कहा कि उनका बेटा राजेश लाल बीते 20 नवंबर को अल्मोड़ा कैंट स्थित सर्किट हाउस में मजदूरी कार्य कर रहा था। इसी दौरान ढौरा निवासी मंगल सिंह ने किसी बात को लेकर लोहे की रॉड से उस पर हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बेटे को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

जिलेटिन ट्यूब मामले में कंस्ट्रक्शन कंपनी का ठेकेदार किया गिरफ्तार

बीते दिनों सल्ट के राप्रावि डभरा के पास झाड़ियों से मिली थीं 161 जिलेटिन रॉड

- एसएसपी ने मामले के खुलासे को लेकर गठित की थी चार टीमें

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: सल्ट क्षेत्र में बीते दिनों मिले भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ (जिलेटिन ट्यूब) के मामले का पुलिस ने सफलतापूर्वक अनावरण कर लिया है। एसएसपी देवेंद्र पींचा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, बीते 20 नवंबर को सल्ट थाना क्षेत्र में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डभरा के पास झाड़ियों के पास खुले स्थान से 161 अदद बेलनाकार जिलेटिन ट्यूब बरामद होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। मामले को लेकर तत्काल एएसपी हरबन्स सिंह के पर्यवेक्षण और सीओ रानीखेत विमल प्रसाद के नेतृत्व में जनपद स्तर पर अलग-अलग चार टीमें गठित की गई थी। इसके साथ ही बम डिस्पोजल टीम, डॉग स्क्वाड, स्थानीय एवं आसपास के थाना पुलिस, एलआईयू और आईआरबी को जांच में लगाया गया था। गठित पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थल एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में सघन सर्च अभियान चलाया गया। इधर, अब जांच टीम ने मंगलवार को जैलेटिन मामले में आरोपी प्रशांत कुमार बिष्ट (35) पुत्र रविश चन्द्र बिष्ट, निवासी गरसारी थाना पाटी जनपद चम्पावत के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी टीम में कोतवाल द्वाराहाट, विनोद जोशी, थानाध्यक्ष देघाट अजेंद्र प्रसाद, थानाध्यक्ष सल्ट कश्मीर सिंह, थानाध्यक्ष भतरौंजखान अवनीश कुमार, एसआई संजय जोशी, एएसआई लोमेश कुमार, लखविंदर सिंह शामिल रहे।

सल्ट पुलिस की गिरफ्त में आरोपी ठेकेदार। ● अमृत विचार

आरोपी ने पूछताछ में खोला राज

गिरफ्तारी के बाद आरोपी प्रशांत कुमार ने पूछताछ में बताया कि उसने वर्ष 2016-17 में तीन किमी लंबी रोड निर्माण का कार्य लिया था। उस दौरान वह नजदीकी गांव में किराये का कमरा लेकर रहता था। निर्माणाधीन रोड में चट्टान आने से वर्ष 2018 में उसके पार्टनर लवी ने किसी से बात की थी तथा वहीं जैलेटिन ट्यूब विस्फोट के लिए लाया था।

ऐसे पहुंची झाड़ियों तक जैलेटिन ट्यूब

आरोपी ने बताया कि 6-7 वर्षों तक कमरा खाली नहीं करने पर जून 2025 को मकान मालिक हिम्मत सिंह ने किरायेदार से संपर्क किया, लेकिन अभियुक्त नहीं आया। जिसके बाद प्रशांत ने मकान मालिक को कमरे का ताला तोड़ कर सफाई करने के लिए कहा। मकान मालिक द्वारा मजदूरों से उक्त कमरे की सफाई कराकर सभी सामग्री को झाड़ियों में फेंक दिया गया। मकान मालिक को उक्त जैलेटिन ट्यूब के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। हालांकि अब भी पुलिस द्वारा मामले से जुड़े अन्य संदिग्धों के संबंध में अभियुक्त से गहनता से जानकारी जुटाई जा रही है।

कठनौली के रोहित ने मत्स्य पालन को बनाया रोजगार का जरिया

चम्पावत : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाएँ अब पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही हैं। अब योजनाएं केवल कागज़ों तक सीमित न रहकर पात्र लाभार्थियों तक पहुंच रही हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त हो रही है। इसका उदाहरण हैं जनपद चम्पावत के ग्राम कठनौली के युवा रोहित सिंह महर, जिन्होंने वर्ष 2022 में मत्स्य पालन विभाग की योजना का लाभ लेकर अपनी आजीविका का नया मार्ग चुना। विभाग द्वारा 50 प्रतिशत सब्सिडी के अंतर्गत क्लस्टर तालाब निर्माण की सहायता मिलने से उन्हें मत्स्य उत्पादन बढ़ाने का अवसर मिला। बेहतर तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और बाज़ार से जुड़ाव ने उनके प्रयासों को और मजबूती दी।

आज रोहित प्रतिमाह 25 हजार रुपए से 30 हजार रुपये की आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बन चुके हैं। परिवार के आर्थिक स्तर में सुधार के साथ-साथ वे स्थानीय युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी बन रहे हैं।

डीडीए समाप्त करने का शासनादेश शीघ्र जारी हो

अल्मोड़ा में डीडीए के विरोध में धरना देते संघर्ष समिति के लोग। ● अमृत विचार

- अल्मोड़ा में डीडीए के विरोध में संघर्ष समिति का धरना
- डीडीए समाप्ति तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जिला विकास प्राधिकरण की समाप्ति की मांग को लेकर सर्वदलीय संघर्ष समिति का सप्ताहिक धरना प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भी समिति ने नगर के गांधी पार्क में धरना दिया। इस दौरान शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जल्द डीडीए समाप्ति का शासनादेश जारी करने की मांग उठाई।

धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि डीडीए के कारण लोगों के लिए भवन बनाना मुश्किल हो गया है। उन्हें कई विभागों के चक्कर काटने पड़ रहा हैं। नगर निगम की आय भी इससे कम हो गई है। डीडीए बिल्कुल भी पहाड़ के भौगोलिक स्थिति के अनुकूल नहीं है। सदस्यों ने लोगों के हित में जल्द से जल्द डीडीए हटाने की कार्रवाई करने की मांग की। कहा कि जिला विकास प्राधिकरण की बजाए एक ऐसी व्यवस्था बनाई जाय जो पहाड़ की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूल हो। यहां पूर्व पालिकाध्यक्ष व समिति के संयोजक प्रकाश चंद्र जोशी, चंद्र हेम चंद्र जोशी, भारत रत्न पांडेय, बची सिंह, रॉबिन मनोज भंडारी, कान्त जोशी, हेम चंद्र तिवारी, ललित मोहन पंत समेत विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग मौजूद रहे।

टनकपुर अछनेरा विशेष रेलगाड़ी के आगमन व प्रस्थान में संशोधन

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा के लिए विस्तारित अवधि 30 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार एवं शनिवार को चलने वाली 05062/05061 टनकपुर-अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी के मथुरा जं. पर पूर्व में दिये गये आगमन व प्रस्थान समय में संशोधन किया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे इज्जत नगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने बताया कि 05062 टनकपुर-अछनेरा विशेष गाड़ी टनकपुर से 4.35 बजे प्रस्थान कर खटीमा से 5.00 बजे, पीलीभीत से 5.32 बजे, भोजीपुरा से 6.05 बजे, इज्जतनगर से 6.22 बजे, बरेली सिटी से 6.45 बजे, बरेली जं. से 6.57 बजे, बदायूँ से 7.40 बजे, उझानी से 7.53 बजे, सोरों शूकर क्षेत्र से 8.20 बजे, कासगंज से 9.00 बजे, सिकन्दराबाद राव से 9.24 बजे, रती का नगला से 9.42 बजे, हाथरस सिटी से 10.05 बजे, मथुरा कैंट से 11.12 बजे तथा संशोधित समयानुसार मथुरा जं. 11.30 बजे छूटकर अछनेरा 12.30 बजे पहुंचती है।

वापसी यात्रा में 05061 अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी अछनेरा से 15.50 बजे प्रस्थान कर संशोधित समयानुसार मथुरा जं. से 16.35 बजे, मथुरा कैंट से 16.57 बजे, हाथरस सिटी से 17.28 बजे, रती का नगला से 17.49 बजे, सिकन्दरा राव 17.55 बजे, कासगंज से 18.40 बजे, सोरों शूकर क्षेत्र से 18.55 बजे, उझानी से 19.22 बजे, बदायूँ से 19.35 बजे, बरेली जं. से 20.37 बजे, बरेली सिटी से 21.00 बजे, इज्जतनगर से 21.20 बजे, भोजीपुरा से 21.38 बजे, पीलीभीत से 22.15 बजे तथा खटीमा से 22.50 बजे छूटकर टनकपुर 23.35 बजे पहुंचती है।

हवालबाग ब्लॉक में मंगलवार को शपथ लेते नव निर्वाचित प्रधान। ● अमृत विचार

देवेंद्र नयाल अध्यक्ष और विनोद जोशी महामंत्री बने

अल्मोड़ा : विकासखंड हलवाबाग के सभागार में मंगलवार को नवनियुक्त प्रधानों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। वहीं, ब्लॉक कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से देवेंद्र सिंह नयाल को अध्यक्ष और विनोद जोशी को महामंत्री चुना गया। संगठन के नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष और महामंत्री के अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुंदर मटियानी, उपाध्यक्ष पद पर नवीन भट्ट, महिला उपाध्यक्ष पद पर चंद्रिका तिवारी और मंत्री पद पर प्रमोद चंद्र जोशी को चुना गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने ग्राम प्रधान संगठन की मजबूती, ग्राम पंचायतों के अधिकारों की रक्षा और विकास कार्यों में समन्वय बढ़ाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस मौके पर यहां ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू, ज्येष्ठ प्रमुख प्रतिनिधि भूपेंद्र भोज, भरत भूषण कुंडू, गिरीश चंद्र तिवारी, प्रदीप पालनी, दिनेश चंद्र आदि मौजूद रहे।

मलबे में दबे तीन मजदूर, एक की मौके पर ही मौत, दो घायल

- डीनापानी के पास मैचोड़ गांव में दीवार गिरने से हुआ हादसा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: डीनापानी के पास मैचोड़ गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव में दीवार निर्माण में लगे तीन मजदूर मलबे में दब गए। इनमें एक की मौत हो गई तथा दो घायल हो गए।

डीनापानी के मैचोड़ गांव में एक घर के पीछे दीवार निर्माण का कार्य चल रहा था। अचानक पगडंडी समेत पूरा मलबा धंस गया। वहां कार्य कर रहे तीन मजदूर इसकी चपेट में आ गए। जबकि अन्य मजदूर कुछ दूरी पर होने से बच गए। सूचना पर एसडीआरएफ व पुलिस की टीमें घटनास्थल पहुंची। जिसके बाद रेस्क्यू अभियान चलाया गया। वहीं, जिला प्रशासन से एसडीएम संजय कुमार व डीडीएमओ विनीत पॉल भी मौके पर पहुंचे। मलबा हटाकर दो मजदूरों को बचा लिया गया। जबकि आनंद राम पूरी तरह मिट्टी में दब चुका था। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों घायलों को बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया। इधर, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पॉल ने एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की है।

डीनापानी के मैचोड़ गांव में एसडीआरएफ ने रेस्क्यू अभियान चलाया। ● अमृत विचार

सालों से रह रहे लोगों को बेदखल न करने की मांग

गीता धामी को ज्ञापन देतीं सभासद काजल रत्नाकर। ● अमृत विचार

बनबसा : सभासद ने गीता धामी को ज्ञापन देकर वर्षों से रह रहे लोगों को उनकी जगह से न हटाने का अनुरोध किया। सभासद काजल रत्नाकर ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पत्नी गीता धामी को ज्ञापन सौंपा 1 ज्ञापन में सभासद काजल रत्नाकर ने कहा कि वार्ड नंबर 6 में वर्षों से लोग घर बना कर निवास कर रहे हैं। आईटीआई कॉलेज के द्वारा उन रहने वाले लोगों को 15 दिन का नोटिस देकर जगह खाली करने को कहा गया है। सभासद में गीता धामी से लोगों को हटाई जाने से पूर्व उनके रहने की व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

अभिनेता धर्मेन्द्र के निधन पर शोक

बैरती (अल्मोड़ा): सिनेमा जगत की प्रमुख हस्ती, ही मैन धर्मेन्द्र के निधन पर गेवाड़घाटी के लोगों ने भी दुख जताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। भ्रातृ कला मंच चित्रेश्वर एवं रंगमंच बसभीडा, महाकालेश्वर व घुंघोली आदि गांवों से जुड़े तमाम कलाकारों व क्षेत्र वासियों ने भी धर्मेन्द्र के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए इसे सिनेमा जगत की अपूरणीय क्षति बताया है। शोक व्यक्त करने वालों में कला मंच के डायरेक्टर ललित त्रिपाठी, प्रकाश चंद्र पांडेय (हरिद्वार), कैलाश चंद्र त्रिपाठी, हिमांशु पांडेय, पंकज पांडेय, महेश चंद्र उपाध्याय, उमेश चंद्र पांडेय, पूरन बिष्ट, विन्देश्वरी पांडेय, कैलाश चंद्र पांडेय, हरनाथ पांडेय, सुरेश बिष्ट, भास्कर जोशी, महेश पांडेय, नारायण मेहरा, विनोद पाण्डेय रहे।

1199 छात्र-छात्राओं को बांटे टैबलेट

- इंडियनऑयल कॉर्पोरेशन की सीएसआर पहल के तहत बांटे
- केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने वितरित किए टैबलेट

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की सीएसआर पहल के अंतर्गत मंगलवार को अल्मोड़ा के विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत 1199 विद्यार्थियों को टैबलेट प्रदान किए गए।

जीआईसी सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों को टैबलेट वितरित कर कहा कि आधुनिक समय में डिजिटल शिक्षा ही विद्यार्थियों के भविष्य का आधार है। पर्वतीय क्षेत्रों में अध्ययनरत बच्चों को टैबलेट उपलब्ध कराना उनके लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने इस सार्थक पहल के लिए इंडियन ऑयल का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री दर्शन रावत, नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, मानसखंड विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ. नवीन चंद्र जोशी आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में मंगलवार को बच्चों को टैबलेट वितरित करते केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा।

अमोड़ा व बनबसा सड़क के सुधार कार्य को स्वीकृति

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: जनपद चम्पावत में संपर्क, सुगमता, अवसंरचना सुदृढ़ीकरण तथा ग्रामीण आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों को प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता एमसी पलड़िया ने बताया कि ग्राम पंचायत पल्सो कलजाख से अमोडा तक मोटर मार्ग (द्वितीय चरण—स्टेज-1) का निर्माण कार्य, जिसकी कुल लंबाई 5.000 किमी है, के लिए 1.69 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार बनबसा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में लोक निर्माण विभाग की आंतरिक सड़कों के सुधारीकरण कार्य के लिए प्रस्तावित 6.825 किमी मार्ग के लिए 3.93 करोड़ रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। इन स्वीकृतियों से जहां पल्सों कलजाख–अमोड़ मोटर मार्ग निर्माण के माध्यम से वर्षों पुरानी जन-अपेक्षा पूर्ण होगी, वहीं क्षेत्र में आवागमन सुगम होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, व्यापार एवं आपदा प्रतिक्रिया जैसी बुनियादी सुविधाओं को नया जीवन मिलेगा। साथ ही बनबसा के ग्रामीण क्षेत्रों की आंतरिक सड़कों के सुधारीकरण से लोगों को सुरक्षित, सहज एवं त्वरित परिवहन सुविधा प्राप्त होगी।

समीक्षा | कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने सोमेश्वर विस क्षेत्र की समीक्षा बैठक ली, नदारद अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए

योजनाओं को गुणवत्ता के साथ तय समय पर करें पूरा : आर्या

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने मंगलवार को विधानसभा सोमेश्वर की विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के कार्य तय समय और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं, बैठक से नदारद अधिकारियों के लिए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

विकास भवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में कैबिनेट मंत्री आर्या ने कहा कि जो योजनाएं अधूरी हैं, उनमें मिशन मोड कार्य किए जाएं। अवशेष कार्यों को पूर्ण करने के लिए समय निश्चित किया जाए और कार्यों को किसी भी हाल में निश्चित समय के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी कार्य में शासन स्तर से कार्यवाही अपेक्षित है, उसकी सूचना तत्काल प्रस्तुत करें। जिससे उच्च स्तर पर उसका निस्तारण कराया जा सके। जो कार्य प्रारंभ नहीं हुए हैं, उनका आगणन बनाकर आगे की कार्यवाही संपन्न की जाए। कहा कि जो कार्य पूर्ण हो गए हैं, उनके लोकार्पण के लिए तिथि निश्चित कर ली जाए। जिससे लोगों को जल्द से जल्द उनका लाभ मिल सके। वर्ष 2017 से अतिथि तक विधानसभा सोमेश्वर में कुल 127 मुख्यमंत्री घोषणाएं हुई हैं। इनमें 63 पूर्ण हो चुकी हैं तथा अवशेष घोषणाएं गतिमान हैं। कैबिनेट मंत्री ने गतिमान घोषणाओं में तेजी से कार्य करने हेतु दिशा निर्देश जारी किए। यहां बैठक में बैठक में सीडीओ रामजी शरण शर्मा, एडीएम युक्ता मिश्र, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल समेत अन्य मौजूद रहे।

अल्मोड़ा विकास भवन सभागार में मंगलवार को कैबिनेट मंत्री आर्या ने योजनाओं की बैठक ली। ● अमृत विचार

जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए पूरा करे कार्य

कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि सिर्फ विभागीय पत्राचार करना ही अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना नहीं है, बल्कि आपसी समन्वय से कार्यों को निस्तारित करना भी विभागीय अधिकारियों का ही दायित्व है। कहा कि किए गए पत्राचार के विषय में नियमित रूप से अपडेट लेते हुए कार्यों को गति दी जाए। जनता को सिर्फ उनकी सुविधाएं एवं कार्यों से ही मतलब होता है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय एवं समझ से जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए कार्यों को पूर्ण करें।

दन्या में 120 टिन लीसा पकड़ा

- दन्या पुलिस ने चेकिंग के दौरान पकड़ा लीसा लदा वाहन
- तस्करी के आरोपी को किया गिरफ्तार, वाहन सीज

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: दन्या पुलिस ने 120 टिन अवैध लीसे के साथ तस्करी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके पर तस्करी में प्रयुक्त पिकअप को सीज कर तस्कर के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

मिली जानकारी अनुसार दन्या पुलिस ने मंगलवार को क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान दन्या थाना गेट के पास एक पिकअप वाहन संख्या यूके 01 सीए 1134 को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन में बीना वैध दस्तावेज के 120 टिन लीसा बरामद किया गया। मौके पर पुलिस ने वाहन के चालक रमेश चन्द्र आर्या पुत्र किशन चन्द्र आर्या, निवासी काभड़ी पोस्ट दन्या जनपद अल्मोड़ा को गिरफ्तार किया गया। इस बीच एक व्यक्ति स्वयं को वन दरोगा बताते हुए मौके पर पहुंचा और रमन्ना काटने लगा। इस पर पुलिस ने मोबाइल का कैमरा ऑन कर दिया। मोबाइल कैमरा ऑन देख कथित वन दरोगा मौके से चला गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी चालक पर वन अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लीसे को सीज किया। टीम में एएसआई चन्द्र सिंह, कांस्टेबल जगत सिंह, दीवान सिंह आदि मौजूद रहे।

दन्या पुलिस की गिरफ्त में लीसा तस्करी का आरोपी चालक। ● अमृत विचार

अमृत विचार

बुधवार, 26 नवंबर 2025

भीतर को बाहर के आक्रमण से बचाओ।
–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

जेंटल जाइंट का जाना

धर्मेंद्र के निधन के साथ भारतीय सिनेमा का एक स्वर्णिम अध्याय मानो समाप्त हो गया। एक महान अभिनेता का जाना, सबको उदास कर गया, क्योंकि यह उस संवेदनशील, सौम्य और करिश्माई युग का अंत है, जिसने हिंदी फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। धर्मेंद्र ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने छह दशकों तक न केवल परदे पर बल्कि दर्शकों के दिलों पर राज किया। उनके अभिनय और स्टारडम ने कई पीढ़ियों को आकार दिया। 60–70 के दशक में उभरते युवाओं के लिए वे गरिमामय, विनम्र और सहज रोमांस के प्रतीक थे। इसके बाद 80 का दशक आते-आते जब भारतीय दर्शक एक ऐसे नायक की तलाश में थे जो ताकत, मासूमियत और भावनात्मकता का अद्वितीय संगम हो, वे एक्शन हीरो के बतौर हिट हुए।

अनुपमा और हमराही जैसी फिल्मों में उनकी आंखों की गहराई और संवादों की सादगी रोमांटिक अभिनय का मानक बन गई। शोले में उनकी वीरू की भूमिका ने भारतीय सिनेमा को ऐसा चरित्र दिया, जो आज भी स्मृति और संस्कृति दोनों में जीवित है। इसी तरह युद्ध या धर्म-वीर जैसी फिल्मों में उनका तेज, ऊर्जा और प्रभावशीलता अद्वितीय रही। कॉमेडी में भी उनका सहज हास्य कौशल, कॉमिक टाइमिंग, इम्प्रोवाइजेशन दर्शकों के लिए हमेशा याद रहेगा। सत्यकाम ऐसी फिल्म थी, जिसने उनके सादगी और कलात्मक अभिनय का लोहा मनवाया। इस फिल्म में वे अपने किरदार की नैतिक दुविधाओं को जिस शांत गहराई से निभाते हैं, वह शायद ही किसी अभिनेता के लिए संभव हो। इसी तरह अनुपमा और चैते की चांदनी में उनका संयत अभिनय एक संवेदनशील अभिनेता की परिभाषा प्रस्तुत करता है। सिनेमा से बाहर निकलकर धर्मेंद्र ने राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वे भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लोकसभा सांसद बने। सीमित समय के बावजूद उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में सड़कों, जल प्रबंधन और स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए कार्य किया, हालांकि वे राजनीति में अपनी प्राकृतिक सहजता नहीं खोज पाए, पर उनकी नीयत और कोशिशों में ईमानदारी झलकती थी। धर्मेंद्र महज कुशल अभिनेता ही नहीं थे, वे एक अत्यंत संवेदनशील, भावुक और मानवीय व्यक्ति भी थे। सह-कलाकारों की तकलीफ में साथ खड़े होना, नए कलाकारों को प्रोत्साहन देना और निजी जीवन में परोपकारिता जैसे गुण बताते हैं कि वे क्यों एक 'जेंटल जाइंट' कहे जाते थे। उनकी विरासत बहुआयामी है। वे बतौर एक्टर विविधता, निरंतरता और गुणवत्ता के प्रतीक थे, तो एक व्यक्ति के रूप में वे प्रेम, करुणा और गरिमा की मिसाल।

आने वाले समय में भारतीय सिनेमा जब भी अपने इतिहास के गौरवशाली अध्यायों को पलटेगा, धर्मेंद्र का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनके फिल्मी सफर, व्यक्तित्व और योगदान को देश अनंत काल तक याद रखेगा। हम सभी उन्हें भारतीय सिनेमा के उस अनोखे सितारे के रूप में स्वीकारते है, जिन्होंने करोड़ों लोगों के लिए आनंद, प्रेरणा और संवेदना का संसार रचा। यह सच है कि धर्मेंद्र का जाना सिनेमा के एक युग का अंत है, पर उनके अभिनय, स्टारडम तथा अनूठे व्यक्तित्व की चमक हमेशा हमारे सिनेमा प्रेमियों के दिलों में बनी रहेगी।

प्रसंगवश

'हीमैन' सियासत के परदे पर कभी न बन सका हीरो

धर्मेंद्र लगभग छह दशकों तक बॉलीवुड के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर रहे। उन्होंने शोले, सत्यकाम, चुपके-चुपके, फूल और पत्थर, बंदिनी जैसी अनेक फिल्मों में यादगार किरदार निभाए, पर सियासत की दुनिया में उनका सफर छोटा और किसी भी रूप में यादगार नहीं रहा। धर्मेंद्र 2004 का लोकसभा चुनाव राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लड़े और आराम से जीत गए। जिस शख्स ने कभी सियासत की बात तक नहीं की, जो इंटरव्यू में भी कहता था कि "मुझे तो बस फिल्में बनानी और करना पसंद है", वही शख्स संसद पहुंच गया। जीत भी बड़ी शानदार मिली। करीब 60 हजार वोटों से, मगर उन्होंने फिर कभी चुनाव नहीं लड़ा। राजनीति का उनका सफर यहीं खत्म हो गया।

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

दरअसल 2004 के लोकसभा चुनाव के वक्त राजस्थान में बीजेपी की लहर थी। वाजपेयी सरकार के अंतिम वर्ष थे। बीकानेर सीट पर पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए था, जो जाट बहुल इलाके में पकड़ रखता हो और जिसकी लोकप्रियता से कांग्रेस का पुराना किला ढह जाए। जाट समुदाय में धर्मेंद्र का जबरदस्त प्रभाव था। उनकी फिल्में गांव-गांव में हिट होती थीं। 'शोले' का वीरू, 'चुपके चुपके' का डॉ. परिमल, 'यमला पगला दीवाना' का देसी जवान- ये किरदार राजस्थान के गांवों में आज भी जिंदा हैं। बीजेपी को लगा कि अगर धर्मेंद्र मैदान में उतर आए तो जीत पक्की।

खुद धर्मेंद्र ने कई इंटरव्यू में बताया कि उनके बहुत करीबी दोस्त, बीजेपी के तत्कालीन नेता और राजस्थान के बड़े नेता (नाम उन्होंने कभी सार्वजनिक नहीं किया) बार-बार आग्रह करते रहे। बोले, "धरम जी, बस एक बार आ जाओ, इलाके के लिए बहुत कुछ कर सकते हो।" पहले तो उन्होंने साफ मना कर दिया। कहा, "मैं तो फिल्मों का आदमी हूं, मुझे ये सब नहीं आता।" मगर दोस्तों ने जिद पकड़ ली। अंत में धर्मेंद्र मान गए। शर्त सिर्फ एक थी, ज्यादा प्रचार नहीं करना पड़ेगा, न ज्यादा भाषण देने पड़ेंगे।

धर्मेंद्र का चुनाव प्रचार देखने लायक था। जहां दूसरे नेता सुबह से रात तक गांव-गांव गली-गली चिल्लाते थे, वहां धर्मेंद्र बस दो-तीन बड़ी सभाएं करते और लौट आते। कभी जीप पर खड़े होकर हाथ हिलाते, कभी मंच पर बैठकर मुस्कुराते। भाषण? वो भी दो-चार लाइन का। "भाइयो-बहनो, मैं आपका अपना हूं। आपने मुझे फिल्मों में इतना प्यार दिया, अब एक बार संसद में भेज दो।" बस। लोगों को भाषण नहीं, उनका चेहरा चाहिए था। गांव की औरतें आशीर्वाद देने आतीं, बच्चे ऑटोग्राफ मांगते। एक बार तो किसी ने मंच पर चढ़कर कहा, "हीमैन जी, बस एक डायलॉग बोल दो!" और धर्मेंद्र ने हंसते हुए बोल दिया, "कित्ता मजनू है रे!" पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा। वोट उसी वक्त डल गया।

संसद में धर्मेंद्र बहुत सक्रिय सांसद नहीं थे। 14वीं लोकसभा (2004-2009) में उनकी उपस्थिति करीब 60-65% रही, जो उस समय के कई सेलिब्रिटी सांसदों से बेहतर थी, लेकिन आम सक्रिय सांसदों से कम। उन्होंने कुल 20-25 सवाल ही पूछे। ज्यादातर सवाल बीकानेर के पानी, सड़क, बिजली और किसानों की समस्याओं से जुड़े थे। वो भी लिखित में। मौखिक बहस में वो शायद ही कभी बोले हों। एक बार तो सदन में हंसी का माहौल बन गया, जब स्पीकर ने उनका नाम पुकारा और धर्मेंद्र जी उठे नहीं। बाद में पता चला कि वो शूटिंग के लिए मुंबई चले गए थे। विपक्ष ने खूब चुटकी ली, लेकिन जनता को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। बीकानेर में लोग कहते थे, "हमारे सांसद तो हीमैन हैं, बोलना क्या जरूरी है?"

नया एसआईएफ निवेशकों के लिए नया रास्ता

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

सेबी ने नई पहल की है– एसआईएफ। यह नया ढांचा निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

भारत में पिछले कुछ वर्षों में छोटे निवेशकों की भागीदारी बेहद तेज़ी से बढ़ी है। म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार आज लाखों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और SIP के माध्यम से हर महीने नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। इसी बदलते निवेश माहौल में सेबी ने छोटे निवेशकों को और सशक्त बनाने तथा उन्हें उन्नत निवेश रणनीतियों तक पहुंच दिलाने के लिए एक नई पहल की है- एसआईएफ (Specialized Investment Funds)। यह नया निवेश ढांचा मझोले निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

SIF क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? SIF दरअसल म्यूचुअल फंड नियमों के अंतर्गत बनाई गई एक नई श्रेणी है, लेकिन इसकी संरचना और रणनीतियां पारंपरिक फंडों से कहीं अधिक उन्नत हैं। SIF निवेशकों का पैसा एकत्र करके प्रोफेशनल मैनेजर्स द्वारा ऐसे तरीक़ों में निवेश किया जाता है, जिनका उद्देश्य केवल बाज़ार के ऊपर जाने पर ही नहीं, बल्कि नीचे जाने पर भी अवसर तलाशना होता है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड जहां केवल long-only यानी शेयर ख़रीदकर रखने की रणनीति पर काम करते हैं, वहीं SIF में long–short equity, sector rotation, tactical investing, hybrid strategies और derivatives का उपयोग शामिल हो सकता है। इसका मतलब है कि SIF निवेशक को अधिक लचीला और गतिशील निवेश विकल्प प्रदान करता है।

SIF और सामान्य म्यूचुअल फंड के बीच सबसे बड़ा अंतर निवेश की न्यूनतम सीमा और रणनीतियों का स्तर है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड में कोई भी व्यक्ति 100 या 500 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकता है, जबकि SIF में न्यूनतम निवेश सीमा 10 लाख रुपये निर्धारित की गई है। यह राशि बताती है कि SIF को उन निवेशकों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो म्यूचुअल फंड से आगे बढ़कर अधिक उन्नत रणनीतियों का लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन PMS या AIF जैसी हाई-टिकट सेवाओं की भारी लागत नहीं वहन कर सकते। PMS में जहां 50 लाख रुपये और AIF में एक करोड़ रुपये से शुरुआत होती है, वहीं SIF इन दोनों के बीच का एक संतुलित विकल्प है।

SIF की खासियत इसका रणनीतिक लचीलापन है। यह फंड बाजार में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न दोनों स्थितियो- राइज़िंग और फॉलिंग मार्केट में लाभ कमाने की कोशिश कर सकता है। उदाहरण के लिए, जब बाजार गिरता है, तब short positions और derivatives की मदद से फंड अपने निवेशक की पूंजी की रक्षा कर सकता है या मुनाफा भी कमा सकता है। वहीं, पारंपरिक म्यूचुअल फंड में यह अवसर सीमित होता है। भारत में लाखों छोटे निवेशक सीधे derivatives में जाकर बड़ा नुकसान उठाते हैं, क्योंकि उन्हें यह बाज़ार बहुत जटिल लगता है। ऐसे में SIF का सबसे बड़ा लाभ यही है कि जोखिम भरे और जटिल फैसलों को प्रोफेशनल मैनेजर्स संभालते हैं और निवेशक को तैयार रणनीति का फायदा मिलता है।

SIF का एक मजबूत पहलू यह भी है कि इसमें म्यूचुअल फंड जैसी पारदर्शिता मिलती है। NAV की नियमित घोषणा, पोर्टफोलियो अपडेट, जोखिम-मीटर, वैल्यूएशन प्रक्रिया ये सभी सुविधाएं SIF में भी उपलब्ध रहती हैं। टैक्सेशन भी काफी हद तक म्यूचुअल फंड जैसा ही है, जिससे निवेशक लंबे समय तक कुशलता से अपना पोर्टफोलियो बढ़ा सकते हैं। PMS या कई AIF में टैक्स सीधे निवेशक के हाथ में लगता है, जबकि SIF की संरचना निवेशक के लिए ज्यादा tax-efficient साबित हो सकती है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सचमुच छोटे निवेशक के लिए है? न्यूनतम 10 लाख रुपये की सीमा होने के कारण यह निश्चित ही बहुत छोटे निवेशकों के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए है, जिन्होंने SIP या म्यूचुअल फंड के माध्यम से पहले ही एक अच्छा corpus बना लिया है। आज भारत में करोड़ों लोग नियमित SIP करते हैं और कई निवेशकों का पोर्टफोलियो लाखों–करोड़ों की राशि छू चुका है। उन निवेशकों के लिए SIF एक next-level उत्पाद है, जहां वे अपने पोर्टफोलियो में उन्नत रणनीतियों का छोटा हिस्सा जोड़कर दीर्घकाल में बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।

छोटे भारतीय निवेशकों के लिए SIF कई तरह से फायदेमंद हो सकता है। पहला, यह उन रणनीतियों तक पहुंच दिलाता है, जो पहले सिर्फ़ बड़े निवेशकों के लिए उपलब्ध थीं। दूसरा, SIF बाजार के ऊपर–नीचे दोनों स्थितियों में अवसर पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय में returns अधिक स्थिर हो सकते हैं। तीसरा, इसमें पारदर्शिता, नियमित जानकारी और कड़े नियम निवेशक को भरोसा देते हैं। चौथा, यह mutual fund और high-end investment products के बीच एक मजबूत पुल की तरह काम करता है, जो निवेशक अब तक सिर्फ SIP कर रहे थे, उनके लिए SIF उन्नत इन्वेस्टिंग की दुनिया का सुरक्षित प्रवेश द्वार है।

फिर भी, SIF में निवेश करने से पहले सावधानी जरूरी है। यह हाई रिस्क प्रोडक्ट माना जाता है और इसकी जटिल रणनीतियों को समझना हर निवेशक के लिए आसान नहीं होता। निवेशकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका मूल पोर्टफोलियो इमरजेंसी फंड, बीमा, पारंपरिक इक्विटी और डेट फंड पहले से मजबूत हों। साथ ही, SIF को पोर्टफोलियो के केवल एक छोटे हिस्से, जैसे 5–10% में ही रखना चाहिए। इसके बिना SIF का जोखिम अधिक लग सकता है।

आमने सामने

कांग्रेस सरकार के समय धर्मांतरण को राजनीतिक संरक्षण दिया जाता था और डोटासरा जैसे नेता ऐसे अपराधों में लिप्त लोगों को आश्रय देते थे। अगर किसी ने धर्मांतरण की हिमाकत की तो वह जेल में सड़ेगा।

–जोगाराम पटेल
मंत्री, राजस्थान सरकार

अंता उपचुनाव में हार के बाद भाजपा बौखला गई है। भाजपा असल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए हिंदू–मुस्लिम का माहौल बनाना चाह रही है। मुख्यमंत्री कह रहे थे कि यह दो साल के काम का चुनाव था और अब हार के बाद वे मनगढ़ंत मुद्दे खड़े कर रहे हैं।

–गोविंद सिंह डोटासरा
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान

कॉप सम्मेलन: जीवाश्म ईंधन पर नहीं बनी राय

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

ब्राजील के बेलेम में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

ब्राजील के बेलेम में 10 से 21 नवंबर 2025 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (कॉप-30) खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन जैसी उम्मीद की जा रही थी, वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ। कॉप सम्मेलन (कान्फ्रेंस आफ पार्टीज) का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों को एक साझा मंच पर लाना है, जहां वे पर्यावरण संरक्षण, ग्रीन हाउस गैसों में कमी, तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने और टिकाऊ वैश्विक विकास की दिशा में सामूहिक निर्णय लेते हैं।

आखिरी दिन जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने को लेकर जिस तरह खींचतान होती रही, वह दुनिया को बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं रही। आश्चर्यजनक है कि जिस वैश्विक योजना का जिक्र कॉप सम्मेलन के शुरुआती ड्राफ्ट में था, उसे बाद के संशोधित ड्राफ्ट से हटा ही दिया गया। इससे यह साफ है कि जीवाश्म ईंधन से जुड़े विवाद जल्द सुलझने वाले नहीं हैं। उम्मीद थी कि दुनिया के तमाम देश 'ग्लोबल वार्मिंग' के खिलाफ कोई ठोस फैसला लेंगे, लेकिन सम्मेलन धीमी रफ्तार से आगे बढ़ा और कुछ विशेष सामने नहीं आया।

इस बार हुए कॉप-30 से उम्मीदें इसलिए भी ज्यादा थीं, क्योंकि पेरिस समझौते को दस साल पूरे हो चुके हैं। यहां पेरिस जलवायु समझौता वर्ष-2015 में दुनिया के लगभग सभी देशों के बीच हुआ एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय समझौता है। इसका मुख्य उद्देश्य बढ़ते वैश्विक तापमान को नियंत्रण में रखना है, ताकि धरती को जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों से बचाया जा सके। इस समझौते के तहत देश यह प्रयास करते हैं कि पृथ्वी का तापमान औद्योगिक युग से पहले की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे और संभव हो तो 1.5 डिग्री तक सीमित किया जाए।

हर देश अपनी क्षमता के अनुसार ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाने की योजना बनाता है, जिसे एनडीसी मतलब 'नेशनली डेटेरमाइंड कंट्रीब्यूशन्स' (यह वह योजना है, जिसे हर देश खुद बनाता है कि वह कितनी ग्रीन हाउस गैसें कम करेगा, पर्यावरण की रक्षा के लिए क्या-क्या कदम उठाएगा और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कैसी तैयारी करेगा) कहा जाता है। साथ ही, विकसित देश गरीब और विकासशील देशों को आर्थिक एवं तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं, ताकि वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जरूरी कदम उठा सकें। यह समझौता पूरी दुनिया को जलवायु संकट से बचाने का सामूहिक प्रयास है।

आज पूरी दुनिया जिस गंभीर जलवायु संकट से गुजर रही है, वह किसी से छिपा नहीं है। इसके बावजूद ज्यादातर देश अब भी ग्लोबल तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और 1.5 डिग्री के लक्ष्य को हासिल करने के प्रति गंभीर नहीं दिखते। ऐसे में विकासशील देशों की स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि जलवायु संकट में उनका योगदान सबसे कम है, लेकिन नुकसान उन्हें सबसे ज्यादा झेलना पड़ रहा है। पिछले कुछ सालों से बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और असहनीय गर्मी ने मानव जीवन को चुनौती दे दी है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि विकसित देश अपने वादों को ठीक से पूरा नहीं कर रहे हैं।

हमारे देश के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी इस सम्मेलन में साफ कहा कि विकसित देशों को तय समय से पहले 'नेट-जीरो' लक्ष्य हासिल करना चाहिए।उनकी यह बिल्कुल उचित मांग है, क्योंकि सबसे ज्यादा प्रदूषण उन्हीं देशों ने किया है, इसलिए जिम्मेदारी भी उनकी ज्यादा बनती है। विकसित देशों में प्रदूषण का स्तर उनकी ऊंची ऊर्जा-खपत और औद्योगिक गतिविधियों के कारण स्वाभाविक रूप से अधिक रहा है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इन्हीं देशों की रही है।

आंकड़े बताते हैं कि साल 1850 से 2019 तक उत्तरी अमेरिका और यूरोप ने कुल उत्सर्जन का लगभग आधा हिस्सा पैदा किया। आज भी प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के मामले में विकसित देश काफी आगे हैं, जहां उच्च-आय वाले देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करीब 8-9 मीट्रिक टन तक है, वहीं विकासशील देशों में यह लगभग आधा होता है। यद्यपि तकनीक, नियमों और बेहतर निगरानी के कारण इन देशों ने वायु-गुणवत्ता में सुधार किए हैं और कुछ देश पीएम . प्रदूषण को विश्व स्वास्थ्य संगठन मानकों के अनुरूप रखने में सफल भी हुए हैं, फिर भी वैश्विक तापमान वृद्धि और ग्रीनहाउस गैसों की समस्या में उनका योगदान निर्णायक बना हुआ है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन की अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में विकसित देशों से अधिक जिम्मेदारी और तेज उत्सर्जन-कटौती की अपेक्षा की जाती है।

इस संबंध में, भारत ने बेहतर उदाहरण पेश किया है। विकास भी जारी है और पर्यावरण संरक्षण भी। यह काबिले-तारीफ है कि साल 2005 से अब तक भारत ने अपने कार्बन उत्सर्जन में 36% से ज्यादा कमी की है और बिजली उत्पादन में गैर-जीवाश्म स्रोतों का हिस्सा 50% से अधिक हो चुका है। हाल फिलहाल यह भी माना जा रहा है कि भारत 2070 से पहले ही नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल कर सकता है।

सोशल फोरम

दुनियाभर के पांच सौ अर्थशास्त्रियों की अपील

दुनिया के पांच सौ से ज्यादा बड़े अर्थशास्त्री एक आवाज बनकर खड़े हुए हैं। वे G-20 देशों से एक ऐसे अंतर्राष्ट्रीय समूह की मांग कर रहे हैं, जो सिर्फ एक काम करे- मानव सभ्यता को तोड़ती हुई असमानता को समझे, उसकी जड़ें पहचाने और उसे कम करने के रास्ते बताए। ये अर्थशास्त्री सत्तर देशों से हैं और उनकी चिंता सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है। उन्हें डर है कि दौलत का इतना बड़ा झुकाव कुछ हाथों में लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रहा है, समाजों को अस्थिर कर रहा है और लोगों के भीतर भरोसा खत्म कर रहा है।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

इस अपील में ऐसे नाम शामिल हैं, जिनकी बात को दुनिया ध्यान से सुनती है। 2024 के नोबेल विजेता डैरोन अचेमोग्लू, अमेरिका की पूर्व वित्त मंत्री और फेडरल रिजर्व प्रमुख रहे जानेट येलेन, फ्रांस के अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और टैक्स विशेषज्ञ गेब्रियल जुकमैन। ये सब एक ही बात दोहरा रहे हैं कि अमीरी का यह असमान जमा होना सिर्फ आर्थिक समस्या नहीं है, यह राजनीति को भी बांट रहा है, समाज को कठोर बना रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है।

G-20 की हालिया पहली रिपोर्ट इस चिंता को और गहरा कर देती है। इसमें दिखाया गया है कि 2000 से 2024 तक दुनिया की नई पैदा हुई संपत्ति का 41 प्रतिशत सिर्फ सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने ले लिया, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों को सिर्फ एक प्रतिशत मिला। इस फासले की निर्ममता को समझिए- अमीरों की औसत दौलत में तेरह लाख डॉलर का इजाफा हुआ और गरीबों के हिस्से में बढ़त नाम मात्र की, सुझाया गया है कि 'इंटरनेशनल पैनल ऑन इनएक्वालिटी' नाम से समूह बनाया जाए। इसे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन पैनल की तरह काम करना होगा।

यह असमानता को मापेगा, उसके कारणों की छानबीन करेगा और सरकारों को बताएगा कि कौन से कदम इस खाई को पाट सकते हैं। यह विचार इस सीधी सच्चाई से निकलता है कि असमानता कोई प्राकृतिक घटना नहीं है। इसे नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते इच्छा और समझ दोनों मौजूद हों। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने इस रिपोर्ट को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। इसमें बताया गया है कि दुनिया के 83 प्रतिशत देश, जहां 90 प्रतिशत लोग रहते हैं, गंभीर असमानता से जूझ रहे हैं और ऐसे देशों में लोकतंत्र पीछे जा रहा है।

सामयिकी

नए लेबर कोड और मजदूरों के अधिकार

21 नवंबर 2025 को आखिर केंद्र सरकार ने बिना श्रमिक संगठनों से चर्चा के नए चार लेबर कोड को लागू कर ही दिया है, जिसके बाद इस पर बड़ी बहस छिड़ चुकी है। कुछ तर्कों के साथ इनको श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए बनाया गया बताया गया है, तो दूसरी ओर देश की दस प्रमुख यूनियंस ने 21 नवंबर को काला दिवस मनाया और तीखी प्रतिक्रिया दी है। देश की प्रमुख यूनियंस अब 26 नवंबर को देशव्यापी विरोध दिवस मनाने की तैयारी में हैं।

पांच साल पहले बनाए गए इन लेबर कोड को केंद्र सरकार पता नहीं क्यों, लागू करने से बच रही थी, लेकिन बिहार में बीजेपी और एनडीए को मिली जीत ने सरकार का मनोबल बढ़ा दिया है, जबकि यूनियंस का मानना है कि पुरानी पेंशन को समाप्त करते समय भी इसी तरह की बातें बताई गई थीं, जबकि पुरानी पेंशन को पुनः बहाल करने की लड़ाई आज भी कर्मचारियों द्वारा पूरी ताकत से लड़ी जा रही है, यही बातें नोटबंदी, काले कृषि कानूनों और जीएसटी लागू करते समय भी बताई गईं थीं, लेकिन उनका क्या हश्र हुआ सभी ने देखा।

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

इन चार लेबर कोड्स के लागू होने से यूनियन को मान्यता पाने के लिए 51% कर्मचारियों की सदस्यता आवश्यक है और केवल मान्यता प्राप्त यूनियन को ही सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार मिलेगा। हड़ताल से पहले 14 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है और सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में हड़ताल पर सख्त प्रतिबंध लागू होंगे, जो मालिकों का हित साधेंगे। गिग वर्कर्स और असंगठित मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा में शामिल किया गया है, (जबकि गिग वर्कर्स के काम के घंटों का कोई जिक्र ही नहीं है), लेकिन योगदान का बड़ा हिस्सा मजदूरों से ही लिया जाएगा।

कार्य समय प्रतिदिन 12 घंटे तक बढ़ाने की अनुमति है, बशर्ते साप्ताहिक सीमा 48 घंटे से अधिक न हो। इससे 12 घंटे के कार्य दिवस को परोक्ष रूप से मान्यता मिल सकेगी। नियोक्ता यानी मालिक वेतन संरचना और भत्ते तय कर सकता है, पर कथित भ्रामक फ्लोर वेज से कम वेतन नहीं दे सकता। संस्थान निश्चित अवधि के (हफ्ता, महीना आदि) अनुबंध पर कर्मचारियों को रख सकते हैं, जिससे स्थायी नौकरी का अधिकार खत्म है। नियोक्ता को सरकारी अनुमति के बिना छंटनी करने की सुविधा है, जिससे रोजगार की सुरक्षा कमजोर होती है। नियोक्ता के लिए इज़ ऑफ बिजनेस के नाम पर श्रमिक के फंडामेंटल राइट्स पर खतरा है।

कंपनी को छंटनी/बंद करने के लिए सरकारी अनुमति की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। 300 से कम कर्मचारियों वाले सभी संस्थान मनमाने ढंग से छंटनी कर सकते हैं। ठेका मजदूरों का हिस्सा देश में 15.5% है, जो आने वाले समय में 27.9% हो जाएगा और ठेकेदार की कोई जवाबदेही नहीं होगी। जिला स्तर के लेबर कोर्ट समाप्त हो जाएंगे, जिससे मजदूरों और श्रमिकों को न्याय मिलना कठि हो जाएगा। देशभर का संगठित और असंगठित क्षेत्र का कर्मचारी और श्रमिक विपरीत रूप से प्रभावित होगा।

फिक्स्ड टर्म इंप्लायमेंट लागू होने से स्थायी रोजगार समाप्त हो जाएगा और अग्निवीर की तरह एक साल, दो साल या तीन साल के लिए श्रमिक नियुक्त होंगे। ट्रेड यूनियनों का मत है कि ये संहिताएं श्रमिकों के दशकों पुराने अधिकारों का क्षरण करती हैं। इनके लागू होने के बाद युवाओं के सपने टूटेंगे। असंतोष पैदा होगा और नाराजगी बढ़ेगी। उनका मानना है कि सरकार को व्यापक पुनर्विचार कर इन पर विस्तृत चर्चा कराया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

भारत की सांस्कृतिक धरोहर उसकी लोक परंपराओं में निहित है और लोकगीत इन परंपराओं की आत्मा माने जाते हैं। जैसे ब्रज, अवधी, बुंदेलखंड और भोजपुरी की अपनी विशिष्ट लोकधारा है, वैसे ही उत्तर प्रदेश का कन्नौज क्षेत्र भी अपनी विशिष्ट कन्नौजी लोकगीत परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। कन्नौजी बोली क्षेत्र के अंतर्गत छह जिले फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर, हरदोई, कानपुर, इटावा और पीलीभीत आते हैं। कन्नौजी में गाए जाने वाले ये गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन, भावनाओं, संस्कारों, रीति-रिवाजों और सामाजिक संबंधों का सजीव दस्तावेज भी हैं।

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

हमारी गुलाबी चुनरिया हमें लागी नजरिया...

कन्नौजी लोकगीतों की उत्पत्ति और विशेषता

कन्नौजी लोकगीतों की जड़ें ग्रामीण समाज की मिट्टी में गहराई तक पैठी हुई हैं। ये गीत किसी एक कवि या लेखक की रचना नहीं, बल्कि जनजीवन के अनुभवों का सामूहिक रूप हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी सुनकर और गाकर इनका रूप विकसित होता रहा है। इन गीतों में न तो व्यावसायिकता है, न कृत्रिमता, ये लोकमन की सहज अभिव्यक्ति हैं। भाषा में मृदु कन्नौजी लहजा, सरलता और हास्य-विनोद का पुट इन्हें विशिष्ट बनाता है। कन्नौजी लोकगीतों की एक विशेषता यह भी है कि ये जीवन के प्रत्येक अवसर से जुड़े होते हैं- जन्म से लेकर मृत्यु तक, हर्ष और विषाद दोनों ही स्थितियों में लोकगीत गाए जाते हैं। मांगलिक अवसरों के गीत कन्नौजी बोली के क्षेत्र में संस्कार गीतों का अपना महत्व है। प्रमुखता यहां पांच प्रकार के संस्कार गीत प्राप्त होते हैं- जन्म गीत, अन्न प्राशन गीत, मुंडन गीत, यज्ञोपवीत गीत और विवाह गीत। पुत्र जन्म के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों को सोहर कहा जाता है, वहीं मुंडन और अन्नप्राशन संस्कारों के अवसर पर भी सोहर गाने की परंपरा होती है। यज्ञोपवीत के समय गाए जाने वाले गीत बरुआ कहलाते हैं, जबकि विवाह के अवसर पर बन्ना और बन्नी गाने का प्रचलन है। ये मांगलिक गीत अत्यंत लोकप्रिय हैं। ऐसे गीतों में मातृभाव, हंसी-ठिठोली और भावुकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

त्योहार और धार्मिक लोकगीत

कन्नौजी लोकजीवन में त्योहारों का बड़ा महत्व है। होली, दिवाली, रक्षाबंधन, तीज, करवाचौथ आदि पर्वों पर विशेष लोकगीत गाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त कन्नौजी क्षेत्र के मुख्य व्रत त्योहारों में शीतलाष्टमी, रामनवमी, वटसावित्री व्रत, नागपंचमी, जन्माष्टमी, हल षष्ठी, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, अनंत चौदस, लक्ष्मी व्रत, नवरात्रि का व्रत, विजय दशमी, करवाचौथ, अन्नकूट, भ्रातृद्वितीया, मकर संक्रांति, वसंत पंचमी, शिवरात्रि व होली हैं। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में पूर्णिमा का भी महत्व है। इन विविध पर्वों पर कन्नौजी भाषा में विविध लोकगीत गाए जाते हैं। एक कन्नौजी लोकगीत देखिए, जिसमें देवी मां की भक्तिन पूजा करने जाती है और बीच में ही बदरिया आती है। एक दम अंधिरिया छा जाती है- **सोने के थारी में भोजन परोसे / मइयै मिलन हम आई रे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै जिमाउन हम आई रे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै सुवाउन हम आई रे, झुकि आई अधिरिया।/ पाना पचासी, महोबे को बीड़ा। मइये रचाउन हम आरे रे, झुकि आई अंधिरिया।**

कृषि और श्रम जीवन से जुड़े गीत

कन्नौजी समाज का जीवन मूलतः कृषि आधारित है, इसलिए खेती-बाड़ी, वर्षा, फसल कटाई, बैल और हल से जुड़े अनेक गीत मिलते हैं। ये गीत खेतों में काम करते समय गाए जाते हैं, जिससे श्रम का बोझ हल्का होता है और सामूहिकता की भावना बढ़ती है।
बरखा आई ओ रे साथी, बइठै न अब घर मा।/ खेतन में पानी भरि आयो, चलो लगावई धान। ऐसे गीतों में किसान की मेहनत, आशा और प्रकृति के प्रति आदर झलकता है।

सोहर और बन्नी

सोहर- धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी / रेडियो की आवाज सुन सासु दौड़ी आवेंगी।/उनको भी हलके से कंगन बनवाना मेरे राजा जी/ पांच के बनवाना पचास के बताना जी/ धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी।
एक बन्नी - बन्नी नादान बजावे हरमोनिया/दादी के कमरे बजावे हरमोनिया।/ छेड़ें तान हंसे सारी दुनिया/ बन्नो नादान हंसे सारी दुनिया। महिलाएं समूह में बैठकर इन गीतों को गाती हैं और उनमें स्थानीय शब्दावली, पारिवारिक संबंधों और ग्रामीण जीवन के प्रतीक झलकते हैं।

भावात्मक और प्रेमपरक गीत

कन्नौजी लोकगीतों में प्रेम, विरह और सौंदर्य की भावनाएं भी प्रमुखता से मिलती हैं। **मेरा रेशमी दुपट्टा जरा गोटा लगा दो/ जरा गोटा लगा दो... सोने की थाली में भोजन बनाए/ मेरा जेमन वाला दूर बसा/ कोई जल्दी बुला दो...**
कभी ये गीत सीधी सच्ची प्रेमाभिव्यक्ति होते हैं,

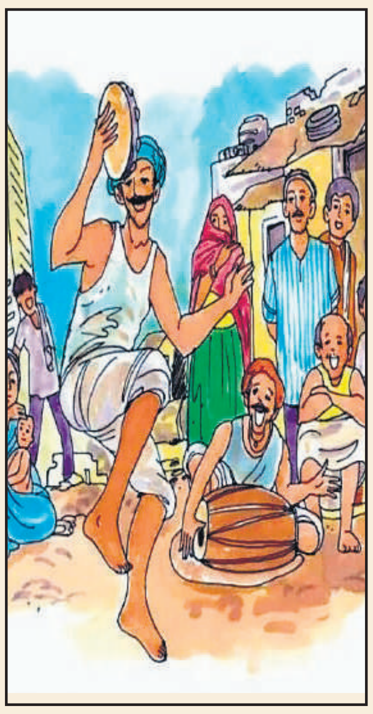

तो कभी सांकेतिक और रूपकात्मक। स्त्री का विरह, पति की प्रतीक्षा, साजन की विदाई- ये सब विषय बार-बार आते हैं।
साउन लागे आज सुहावन जी।/ एजी कोइ घटा दबी हई कोर।/ नन्हीं-नन्हीं बुंदियन मेंह बरसी रहे।/ एजी कोई पवन चले सईजोर। ऐसे गीतों में भाषा की मिठास और भावनाओं की गहराई दोनों अद्भुत रूप से मिलती हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

कन्नौजी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना के दर्पण हैं। इन गीतों से समाज की संरचना, नारी की भूमिका, नैतिक मूल्यों और लोकाचारों की झलक मिलती है। इनके माध्यम से लोकसंस्कृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होती रही है। महिलाओं के लिए ये गीत स्व-अभिव्यक्ति का साधन हैं - वे अपनी भावनाएं, पीड़ा, आनंद और आकांक्षाएं इन्हीं गीतों में व्यक्त करती हैं।
स्व-अभिव्यक्ति का एक उदाहरण देखें, जिसमें ससुराल की पीड़ा भी अभिव्यक्त होती है-
हमारी गुलाबी चुनरिया, हमें लागी नजरिया।/ सासु हमारी जन्म की बैरिन/ हमसे करामैं रसुइया, मेरी बारी उमरिया/ जेठानी हमारी जन्म की बैरिन/हमसे भरामैं गगरिया, मेरी बारी उमरिया...
इस प्रकार कह सकते हैं कि कन्नौजी लोकगीत उत्तर भारत की समृद्ध लोकपरंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। इन गीतों में जीवन की गंध है, मिट्टी की महक है और इंसान की सहज भावनाओं की सच्चाई है। आज जब आधुनिकता और तकनीक के प्रभाव से लोकसंगीत का स्वर क्षीण हो रहा है, तब इन लोकगीतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। कन्नौजी लोकगीत न केवल कान्यकुब्ज क्षेत्र की पहचान हैं, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति की जीवंत धरोहर भी हैं। इन गीतों को सुनना, गाना और सहेजना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

आर्ट गैलरी

मकबूल के घोड़े

मकबूल फिदा हुसैन के सबसे आइकॉनिक मोटिफ्स में घोड़ों को बनाना शामिल है, जो भारतीय कल्चर में गहरा सिंबॉलिज्म रखते हैं। हुसैन की पेंटिंग्स में, घोड़ों को तेजी और एनर्जी के साथ दिखाया गया है। बोल्ड, एब्स्ट्रैक्ट रूपों में जो मूवमेंट और जिंदादिली का एहसास कराते हैं। ये चित्रण सिर्फ दिखाने से कहीं आगे जाते हैं और भारतीय समाज और संस्कृति के अलग-अलग पहलुओं को दिखाते हुए, सिंबल के दायरे में जाते हैं। हुसैन के घोड़ों की पेंटिंग्स का एक मतलब यह है कि वे आजादी और ताकत का प्रतीक हैं, जो कलाकार की आजादी और खुद को जाहिर करने की अपनी इच्छा को दिखाते हैं।

मकबूल फिदा हुसैन, जिन्हें अक्सर भारत का पिकासो कहा जाता है। वह अपनी शानदार और डायनेमिक पेंटिंग्स के लिए मशहूर हैं, जो भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को दिखाती हैं। मकबूल (एमएफ हुसैन), 20वीं-21वीं सदी के भारत के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली कलाकारों में से एक थे। उनकी पेंटिंग्स में भारतीय संस्कृति, इतिहास और समकालीन जीवन के विषयों को प्रमुखता से दर्शाया गया, जिसमें घोड़े, गायें और भारतीय देवी-देवता अक्सर नजर आते हैं। 17 सितंबर, 1915 को महाराष्ट्र के पंढरपुर में जन्मे हुसैन ने भारतीय आधुनिक कला को एक नई दिशा दी। हुसैन का कलात्मक सफर 1940 के दशक में शुरू हुआ। कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री, पद्म भूषण और 1991 में पद्म विभूषण, भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया था। 9 जून, 2011 को लंदन में उनका निधन हो गया।

पेंटर मकबूल फिदा हुसैन

रंग-तरंग

राजधानी दिल्ली में सालभर विशेष कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन होता रहता है। बीते दिनों जहां भारत मंडपम में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, वहीं निजामुद्दीन दरगाह के करीब बने हुमायूं टॉम्ब की सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महोत्सम में लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपनी कला के प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया।

हुमायूं टॉम्ब की नर्सरी में लोककला एवं जनजातीय शिल्प महोत्सव

सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम की झलक :
सुंदर नर्सरी, दिल्ली का मुगल उद्यान है, जिसे अब एक जीवंत स्थल में बदल दिया गया है। यहां शिल्प बाजारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कैफे का आयोजन होता है। यह सिर्फ एक पिकनिक स्थल नहीं, बल्कि अब यहां विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां होती हैं, जिनमें "शिल्प ग्राम" भी शामिल है।

कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर भी पहुंचे :
प्रदर्शनी में शिल्प कला क्षेत्र के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर मधुबनी चित्रकला, वरली चित्रकला, गोंड चित्रकला और भील चित्रकला, टेराकोटा शिल्प, बांस शिल्प, सुलेख, सिक्की घास बुनाई, सुलेख - लकड़ी की नक्काशी और पेपरमैची शिल्प पर इंटरैक्टिव कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

कई तरह के मधुबनी पेंटिंग्स की दिखीं कलाकृतियां :
बिहार की मधुबनी पेंटिंग को गत्तों के ढांचों पर उभारने वाली अनुभा बताती हैं कि उनको इस प्रदर्शनी में आकर काफी अच्छा लगा। वह मुल्तानी मिट्टी और कागज को मिलाकर, जो मॉडल तैयार करती हैं, फिर उस पर मधुबनी पेंटिंग को उभारने का काम करती हैं। यह हुनर उनको विरासत में प्राप्त हुआ है। इस काम को उन्होंने अपनी दादी से सीखा है, जो शादी के उपरांत उनके लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम साबित हो रहा है।

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग करना आयोजन का उद्देश्य :
लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव की संयोजक सुमन दूंगा ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से, हमारा उद्देश्य युवा मन को प्रेरित करना, हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग देना और गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देना रहा।

रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया राम मंदिर। अमृत विचार

अतिथियों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमृत विचार

निषाद चौराहे पर तिरंगा लहराती महिलाएं। अमृत विचार

ध्वजारोहण होते ही जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी रामनगरी

मठ-मंदिरों में बजे घंटे-घड़ियाल, भगवान की उतारी गयी आरती, बांटा गया प्रसाद

हाथ में त्रिशूल लेकर जय श्रीराम का उद्घोष करता साधु। अमृत विचार

रामधुन पर नाचते-गाते श्रद्धालु। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर का भव्य प्रांगण, सुबह करीब 11:52 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मौजूदगी में जैसे ही बटन दबाया, धर्म ध्वजा धीरे-धीरे कर ऊपर जाने लगी। तीन मिनट में भगवा ध्वज राम मंदिर के शिखर पर लहराकर मंदिर निर्माण की पूर्णता का संदेश देने लगा। यह दृश्य देखकर राम मंदिर प्रांगण में बैठे करीब सात हजार लोग, शहर में करीब 50 स्थानों पर लगी एलईडी, मंदिरों व घरों की छतों समेत पूरे विश्व में टीवी के माध्यम यह ऐतिहासिक दृश्य देख रहे लोगों को भक्ति भाव से ओतप्रोत कर दिया। मंदिर प्रांगण ही नहीं पूरी अयोध्या जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी। रामपथ, धर्मपथ समेत पूरे शहर के

लता चौक पर रामधुन पर नाचते साधु। अमृत विचार

लोग सड़कों पर आ गए व मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। अयोध्या के बुजुर्ग संत राम स्वरूप दास, पटवा मंदिर के पुजारी सत्येंद्र दास, राघव मंदिर के संत रंजीव शरण दास ने कहा कि आज के इस पल का गवाह बनकर हम अयोध्यावासी अपने को गौरवांन्वित महसूस कर रहे हैं। प्रसाद विक्रेता राकेश गुप्त, केशरीनंदन गुप्ता, राजेश गुप्त, ओंकार गुप्त, राम नाम संकीर्तन करने वाले वैभव तिवारी, अुतल दास आदि हनुमानगढ़ी के पास श्रद्धालुओं को लड्डू बांटते दिखे। अपनी छतों से मंदिर के शिखर पर ध्वज लहराते देख खुशी मनाने वाले रायगंज निवासी स्वाति, प्रीति, गुंजन, गौरी, स्तुति, दंतधावनकुंड नई कॉलोनी निवासी केडी मिश्र आदि ने कहा कि मोदी-योगी ने वह किया है जो पूर्व में कोई नहीं कर सका। श्रावस्ती से आए राजेंद्र पांडेय, विश्वनाथ जायसवाल ने कहा कि मोदी और योगी ने अयोध्या का गौरव वापस दिलाया है।

सांस्कृतिक उत्सव में बदला समारोह

बिहार के गोपालगंज से हनुमान जी की वेशभूषा में पहुंचे एक रामभक्त ने अपने नृत्य और गायन से माहौल को भक्ति रस में रंग दिया। दिल्ली से आई श्रद्धालु महिलाएं मधु, धारणा, संतोष और पूजा ने कहा कि राम मंदिर परिसर पहुंचते ही उन्हें देवलोक जैसी अनुभूति हुई। संत रमाकांत शर्मा, जो 25 वर्षों से अयोध्या आते रहे हैं, ने कहा कि अयोध्या आधुनिक भी हुई है और अपनी त्रेतायुगीन झलक भी पा चुकी है। ढोल और मंजीरों के मधुर स्वरों के बीच संतों की टोली ने इस आयोजन को एक दिव्य सांस्कृतिक पर्व में परिवर्तित कर दिया।

सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे श्रीराम आए हैं...

फूलों से सजे राम मंदिर द्वार के सामने जय श्रीराम का उद्घोष करते भक्त। अमृत विचार

विशाल तिवारी, अयोध्या

अमृत विचार : रामनगरी मंगलवार को फिर त्रेतायुग में लौट आई। अलौकिक, अद्भुत और अप्रतिम सौंदर्य से पूरा शहर राममय हो उठा। सारा वातावरण सुगंधित पुष्पों की महक से सराबोर था। पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर बज रहे भजन सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे प्रभु श्रीराम आए हैं..., लोगों को भक्ति के सागर में गोते लगवा रहे थे।

रामपथ समेत नगर के प्रमुख मार्गों पर लगी गेंदा और आम के पत्तों की मालाएं पूरे वातावरण को धार्मिक रंग में रंग रही थीं। राम मंदिर के वीआईपी प्रवेश द्वार जगदगुरु आद्य शंकराचार्य, जगीगुरु रामानंदाचार्य मार्ग समेत प्रवेश का प्रमुख मार्ग श्रीराम जन्मभूमि पथ पर बना भव्य द्वार किसी खास आयोजन का गवाह बन रहा था। मुख्य चौक-चौराहों पर केसरिया, पीले, लाल और सफेद फूलों की लड़ी इतनी सुंदर लग रही थी कि दूर से देखने पर लगता था मानो पूरा शहर सोने-चांदी के आभूषणों से सजा हो। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में गर्भगृह से लेकर मुख्य द्वार तक, हर तरफ गेंदे, गुलाब, चमेली और बेला के फूलों का ऐसा समां बंधा कि हवा में भी मिठास घुल गई। हनुमानगढ़ी के पास बेगूसराय से आए रत्नेश राय, अमिता राय, कुमकुम, मीरा आदि बोले वाह, यह है राजा राम की नगरी के ठाठ, लग रहा है आज सच में त्रेतायुग लौट आया। श्रृंगार हाट में बलिया से आए मीनाक्षी, देवनारायन, श्रीनाथ, राजकुमारी आदि ने कहा कि पूरा शहर फूलों से महक रहा है, हवा में भी राम नाम की सुगंध है। तुलसी उद्यान के पास गोंडा से आई बुजुर्ग बीना पांडेय बोलीं मैंने इतना सुंदर दृश्य कभी नहीं देखा। लता चौक के पास खड़े युवा श्रद्धालु आयुष, आर्यन, प्रशांत, शुभम ने कहा ये फूल, ये सुगंध, यह भक्ति भाव सब कुछ कह रहा है कि राम हमारे बीच हैं। रेलवे स्टेशन पर मिले रीवा के संजीव व उनकी पत्नी सुमन ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को भी बताया जाएगा कि जब राम अपने घर लौटे, तो अयोध्या ने उनका कैसे स्वागत किया।

राम मंदिर परिसर से प्रसाद लेकर लौटीं महिलाएं। अमृत विचार

रामपथ पर पीएम मोदी को हर कोई अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते दिखा।

पीएम मोदी का स्वागत करते बटुक। अमृत विचार

ध्वजारोहण करने के लिए जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

राम भेद से नहीं, भाव से ही जुड़ते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

अयोध्या कार्यालय

- अयोध्यावासियों के जीवन में समृद्धता के लिए चल रहा काम
- भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा राम मंदिर का दिव्य प्रांगण

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए व्यक्ति का कुल नहीं, भक्ति महत्वपूर्ण है। उन्हें मोक्ष नहीं, मूल्य प्रिय है। उन्हें शक्ति नहीं, सहयोग महान लगता है। आज हम भी इसी भावना से आगे बढ़ रहे हैं। वह मंगलवार को श्रीरामजन्म भूमि परिसर स्थित मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए समाज की सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है। राम मंदिर का दिव्य प्रांगण भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा है। यहां सप्त मंदिर, मां शबरी, निषादराज गुह्य का भी मंदिर है। यहां एक ही स्थान पर मां अहिल्या, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य और संत तुलसीदास हैं। रामलला के साथ-साथ इन ऋषियों के भी दर्शन यहीं होते हैं। जटायु व गिलहरी की मूर्ति भी बड़े संकल्पों की सिद्धि के लिए हर छोटे से छोटे प्रयास के महत्व को दिखाती है।

प्रधानमंत्री मोदी को रामलला की प्रतिमा भेंट करते मुख्यमंत्री। साथ में मौजूद राज्यपाल।

पीएम मोदी ने कहा कि यह मंदिर आस्था के साथ मित्रता, कर्तव्य व सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को शक्ति देते हैं। हमारे 11 वर्षों में महिला, दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े, आदिवासी, वंचित, किसान, श्रमिक, युवा हर वर्ग को विकास के केंद्र में रखा गया है। जब देश का हर व्यक्ति, वर्ग, क्षेत्र सशक्त होगा, तब संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास लगेगा। 2047 में जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा, तब सबके प्रयास से ही हमें विकसित भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि रामपथ, भक्तिपथ व जन्मभूमि पथ से नई अयोध्या के दर्शन होते हैं। अयोध्या में भव्य एयरपोर्ट, शानदार रेलवे स्टेशन है। वंदे भारत-अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें अयोध्या को देश की अन्य जगहों से जोड़ रही है। अयोध्यावासियों को सुविधाएं मिले, उनके जीवन में समृद्धि आए, इसके लिए निरंतर काम चल रहा है। जबसे प्राण-प्रतिष्ठा हुई है, तबसे आज तक करीब 45 करोड़ श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आ चुके हैं। इससे अयोध्या व आसपास के लोगों की आय में वृद्धि हुई है। विकास के पैमाने में अयोध्या कभी बहुत पीछे थी, लेकिन आज यूपी के अग्रणी शहरों में एक है।

श्रीराम के व्यवहार को करना होगा आत्मसात

पीएम ने कहा हमें राम व उनके व्यक्तित्व को सीखना होगा। उनके व्यवहार को आत्मसात करना होगा। राम यानी आदर्श, राम यानी मर्यादा, राम यानी जीवन का सर्वोच्च चरित्र, राम यानी सत्य-पराक्रम का संगम। राम यानी धर्मपथ पर चलने वाला व्यक्तित्व, राम यानी जनता के सुख को सर्वोपरि रखना, राम यानी धर्म और क्षमा का दरिया, राम यानी ज्ञान व विवेक की पराकाष्ठा, राम यानी कोमलता में दृढ़ता, राम यानी कृतज्ञता का उदाहरण, राम यानी श्रेष्ठ संगति का चयन, राम यानी विनम्रता में महाबल, राम यानी सत्य का अडिग संकल्प, राम यानी जागरूक, अनुशासित व निष्कपट मन। राम सिर्फ व्यक्ति नहीं, राम मूल्य हैं, मर्यादा हैं।

बटन दबाकर ध्वजारोहण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत। अमृत विचार

आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस : मोहन भागवत

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज के आरोहण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस है। कृतार्थता का दिवस है।

आज हमारे संकल्प की पुनरावृत्ति का दिवस है, जिसे हमारे पूर्वजों ने हमें दिया है। कहा कि जितने लोगों ने सपना देखा, प्रयास किए, प्राण अर्पित किए, आज उनकी स्वर्गस्थ आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक सिंघल जी को शांति मिली होगी। उन्होंने कहा कि मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष पंचमी पर मंगलवार को विवाह पंचमी के पावन अवसर पर अयोध्या धाम सहित संपूर्ण विश्व प्रभु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पूर्णत्व का साक्षी बना है। महंत रामचंद्र दास जी महाराज, डालमिया जी समेत कितने ही संत, गृहस्थ एवं विद्यार्थियों ने प्राणार्पण किया, पसीना बहाया।

ध्वजारोहण समारोह में अतिथियों को संबोधित करते आरएसएस प्रमुख।

ओंकार से होता है सत्य का प्रतिनिधित्व

डॉ. भागवत के अनुसार, हिंदू समाज ने लगातार 500 वर्षों और बाद के दीर्घ आंदोलन में अपने इस स्वत्व को सिद्ध किया। रामलला आ गए, मंदिर बन गया। यही बात सत्य पर आधारित धर्म को लेकर भी है। सत्य का प्रतिनिधित्व ओंकार से होता है। वही ओंकार संपूर्ण विश्व को देने वाला भारत हमें खड़ा करना है। इस प्रतीक को ध्यान में रखते हुए सभी विपरीत परिस्थितियों में हमें एकजुट होकर सतत कार्य करना होगा।

उन्होंने कहा कि जो पीछे रहे, वे भी यही इच्छा व्यक्त करते थे कि मंदिर बनेगा जो अब बन गया है। आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण भी हो गया। निश्चित तौर पर यह एक ऐतिहासिक व पूर्णत्व का क्षण है।

भारतवर्ष के लोगों से दुनिया सीखे जीवन जीने का तरीका: आरएसएस सर संघचालक ने कहा, "एतद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः" अर्थात इस देश में जन्मे अग्रजन्मा ऐसा जीवन जिएं कि दुनिया उनसे प्रेरणा लें। "स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः" यानी पृथ्वी के समस्त मानव भारतवासियों के चरित्र से जीवन की विद्या सीखें। उन्होंने कहा कि परम वैभव सम्पन्न, सबके लिए खुशी और शांति बांटने वाला तथा विकास का सुफल देने वाला भारतवर्ष हमें खड़ा करना है। यही विश्व की अपेक्षा और हमारा कर्तव्य भी है।

उन्होंने कहा कि श्रीरामलला विराजमान हैं, उनसे प्रेरणा लेकर कार्य की गति हम आगे बढ़ाएं। कहा कि जैसा सपना उन्होंने देखा था, उससे भी अधिक भव्य और सुंदर मंदिर आज बन गया है। सभी सनातन धर्मावलंबियों और भारतवर्ष के नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे हृदय में तप का सृजन करे यही कामना है।

राम मंदिर में नौ घंटे के बाद हुए रामलला के दर्शन

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: राम मंदिर में मंगलवार को नौ घंटे के बाद श्रद्धालुओं को राम मंदिर में रामलला का दर्शन प्रारंभ हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच भक्तों को मंदिर परिसर में प्रवेश दिया गया। लगभग सात घंटे तक चले दर्शन में एक लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। सुरक्षा के कारण आने वाले श्रद्धालुओं को परकोटा और अन्य सप्त ऋषि मंदिर में दर्शन प्राप्त नहीं हो सके। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक दिसंबर के अंतिम सप्ताह से संपूर्ण मंदिर परिसर का दर्शन प्राप्त हों सकेंगे। राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के बाद दोपहर तीन बजे से ट्रस्ट ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि आज राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम के निमित्त सुबह से ही श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन नहीं प्राप्त हो सके थे। इस दौरान परिसर में आए अतिथियों को भी सुगमता से राम मंदिर में दर्शन कराये गये।

ध्वजारोहण सकुशल संपन्न प्रशासन ने ली राहत की सांस

अयोध्या, अमृत विचार : श्रीराम मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया। प्रशासन ने राहत की सांस ली। ध्वजारोहण और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन से पुलिस तक के लोग महीने भर से तैयारी कर रहे थे। ध्वजारोहण कार्यक्रम में सबसे अहम् मुद्दा सुरक्षा व्यवस्था था। सतर्कता की जिम्मेदारी को लेकर अधिकारी हलकान रहे। फिलहाल ध्वजारोहण के साथ पीएम मोदी का कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया।

एक्स पर ट्रेंड करता रहा हैशटैग अयोध्या और श्रीराम

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या के राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह पर देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों की नजर रही। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या पहुंचते ही आभासी दुनिया में वह छा गए। सोशल मीडिया के सबसे बड़े प्लेटफार्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर दिन भर हैशटैग अयोध्या व हैशटैग श्रीराम ट्रेंड करता रहा। यही नहीं अन्य प्लेटफार्म पर भी ध्वजारोहण की तस्वीरें छाई रहीं। वाट्सएप डीपी से लेकर फेसबुक पेज पर सिर्फ राम मंदिर की ही चर्चा रही।

कोविड की दस्तक के बाद संक्रमितों के लिए संजीवनी साबित हुआ 300 बेड अस्पताल

बस एक प्रयास ... फिर सरकारी तंत्र की रीढ़ बनेगा 300 बेड अस्पताल

वर्ष 2019 में जब कोविड ने दस्तक दी तो जिले में त्राहि–त्राहि मच गई, उस दौरान शासन के आदेश पर 300 बेड अस्पताल को कोविड अस्पताल बनाने के निर्देश दिए गए। 300 बेड से सुसज्जित इस अस्पताल में हजारों संक्रमित मरीजों को बेहतर इलाज मिलने से नई जिंदगी मिली लेकिन यहां मरीजों की भर्ती प्रक्रिया आरंभ नहीं हो सकी है। हालांकि जल्द से जल्द इसका संचालन सुपर स्पेशिलिटी रुप में हो सके इसके लिए जन प्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक व स्वास्थ्य विभाग के अफसर भी शासन तक लगातार पत्राचार कर रहे हैं।

जल्द मिलेगी ट्रामा विंग की सौगात

निजी ही नहीं सरकारी सेवाओं में भी बरेली जिला किसी मायने में पीछे नहीं है, हालांकि सुविधाएं मिलने में भले ही अभी वक्त है बीते वर्षों में जहां मरीज सरकारी सुविधा लेने से कतराते थे. लेकिन अब इन सुविधाओं में भी व्यापक सुधार हो रहा है। जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है लेकिन बहुत जल्द ही ऐसे मरीजों को जिला अस्पताल स्थित ट्रामा विंग में ही इलाज मिलेगा। इस विंग का निर्माण पूर्ण हो चुका है, यहां शासन स्तर से स्टाफ की तैनाती भी की जा रही है। जल्द ही इसका संचालन भी आरंभ कर दिया जाएगा। संचालन का प्रयास अफसर युद्ध स्तर पर कर रहे हैं। ट्रामा विंग में इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर के साथ आर्थो और सर्जरी के विशेषज्ञ डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। ऑपरेशन थिएटर, एक्सरे रूम और पैथोलॉजी लैब होगी। छह बेड का आईसीयू होगा। साथ ही दो नर्सिंग स्टेशन और एक रिकार्ड रूम भी बनाया जाएगा।

15 वार्ड, आईसीयू समेत अन्य सुविधा चाक चौबंद

जिला व महिला अस्पताल में अलावा मरीजों को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, इसके लिए शासन ने तीन सौ बेड के लिए दिल खोलकर धनराशि खर्च की। मार्च 2013 से इस अस्पताल को बनाने का प्रोजेक्ट शुरू हुआ। करीब 10 साल बाद कोविड काल में इसे कोविड अस्पताल बनाया गया। तत्कालीन कमिश्नर संयुक्ता समद्दार ने यहां ओपीडी संचालन कराने का आदेश दिया उस दौरान से ही यहां ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीजों को इलाज मिल रहा है लेकिन भर्ती प्रक्रिया आरंभ न होने से गंभीर मरीजों को गैर अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा है। बस एक प्रयास पुरजोर तरीके से शासन और प्रशासन की ओर से दिया जाए तो ये अस्पताल गंभीर मरीजों को संजीवनी देने में सबसे अहम कड़ी साबित होगा। इतना ही नहीं यहां मरीजों को भर्ती करने के साथ ही बेड, उपकरण, वार्ड समेत अन्य संसाधन भी मौजूद हैं।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

ये हर मरीज के जख्मों का हैं मरहम... तभी तो कहलाती है सिस्टर जी

जब हम किसी भी अस्पताल में मरीज या फिर तीमारदार बनकर जाते हैं तो सबसे पहले डॉक्टर मरीज का इलाज देकर चले जाते हैं लेकिन एक ऐसा व्यक्तित्व भी है जो कि मरीज के पास हर मिनट और घंटे में साये की तरह आंखों में सेवाभाव लिए मरीज की मरहम पट्टी करता है। जी हां वो होता है नर्सिंग स्टाफ। नर्स एक मां, एक बहन के रूप में मरीजों की सेवा करती हैं। इस रिश्ते को बखूबी निभाने के चलते ही इस प्रोफेशन से जुड़ी महिलाओं को सिस्टर का उपनाम दिया गया है। नर्स मरीजों के बाहरी जख्म से लेकर उनकी संवेदनाओं पर भी मरहम लगाती हैं। आधुनिक नर्सिंग की जननी कही जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल भी मरीजों की सेवा परिवार से बढ़कर करती थीं।

हाईटेक पैथोलॉजी लैब अब शहर में

बरेली की स्वास्थ्य सेवाओं में हाईटेक पैथोलॉजी लैब का भी योगदान अहम है। विशेषज्ञों के अनुसार, बीते पांच वर्ष तक लिवर, गुर्दा, हृदय समेत अन्य अंगों से जुड़ी जांचों के लिए भी सिर्फ दो से तीन लैब ही सहारा थीं, लेकिन अब यहां प्रतिष्ठित 8 लैब के कलेक्शन सेंटर और मिनी डायग्नोस्टिक केंद्र भी खुल गए हैं, जहां हार्मोन्स की जांचे, कैंसर की ट्यूमर मार्कर, गंभीर आंखों की बीमारी के दौरान किए जाने वाले सिरम एंटीएमोजी व एंटी एनमो टेस्ट के साथ ही अन्य जांच की सुविधा की उपलब्ध हैं।

बरेली से निकलते हैं हजारों नर्सिंग पुरोधा

जिले में 8 से अधिक नर्सिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग के साथ ही पीजी नर्सिंग की डिग्री लेकर हर साल हजारों नर्सिंग पुरोधा जिले के साथ ही दूर दराज के क्षेत्रों में बरेली में मिली दीक्षा की लौ से अपने भविष्य की चमक बढ़ा रहे हैं।

सरकारी डॉक्टर बनने की चाह ने बुलंदियों तक पहुंचाया, अभी भी जारी सेवा भाव

सिविल लाइंस निवासी डॉ. एसके गर्ग ने 1988 में लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (अब केजीएमयू) से एमबीबीएस की पढ़ाई पूर्ण की, इसके बाद इसी कॉलेज से विशेषज्ञता में एमडी चेस्ट की पढ़ाई की। डॉ. गर्ग बताते हैं कि मेरे पिता सोहन लाल सरकारी विभाग में इंजीनियर थे, लेकिन दादा मुझे पिता की तरह ही इंजीनियर बनने को प्रेरित करते लेकिन पिता जब भी किसी सरकारी अस्पताल में निर्माण संबंधी कार्य के लिए जाते तो एक डॉक्टर को देखकर प्रभावित होते थे और मुझे डॉक्टर बनने के लिए कहा करते थे। मैंने वर्ष 1988 में चेस्ट फिजिशियन की पढ़ाई पूरी करते ही स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं आरंभ कर दीं। डॉ. सुधीर कुमार गर्ग शाहजहांपुर और बरेली में बतौर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात रहे। लेकिन उन्होने इन शीर्षस्थ पदों पर आसीन होने से पहले ही एक डॉक्टर और मरीज के प्रति सेवा के भाव को सार्थक कर दिया था। डॉ. गर्ग बतातें हैं कि वर्ष 1998 से 2004 तक बरेली जिला अस्पताल में टीबी वार्ड प्रभारी रहकर मरीजों का इलाज किया, वहीं 2017 से 2020 तक बरेली में ही जिला क्षय रोग अधिकारी रहते हुए व्यापक रुप से अभियान चलाकर 50 हजार से अधिक टीबी के लक्षण वाले रोगी नोटिफाई किए। जो कि अब तक सबसे अधिक आंकड़ा है। इतना ही नहीं बरेली के अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (एडी हेल्थ) के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वर्ष 2022 से ही घर पर ही क्लीनिक खोलकर टीबी रोगियों का नि:शुल्क इलाज करना आरंभ कर दिया जो कि वर्तमान में भी जारी है। चौपुला चौराहा स्थित अपने निजी निवास पर रोजाना 30 से 40 मरीजों को क्लीनिक पर ही इलाज दे रहे हैं।

पिता की चाह को पूरा किया सरकारी सेवा कर पाया मुकाम

डॉ. साधना अग्रवाल ने कार्यकाल में काफी अच्छा काम किया। साधना अग्रवाल ने जीएसबीएल कानपुर से एमबीबीएस किया है। उन्होंने बतौर डॉक्टर स्वास्थ्य विभाग में 16 अगस्त 1990 को कार्य शुरू किया और वर्ष 2025 में निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुईं। पति डॉ. एसके गर्ग के साथ ही अपने आवास पर उनके क्लीनिक पर मरीजों को परामर्श देने में सहयोग कर रही हैं।

कोरोना हुआ भयावह तो डॉ. सुबोध बने ढाल

बीसवीं शताब्दी की सबसे भयावह बीमारी कोरोना ने जब पैर पसारना शुरू किया तो बड़े– बड़े लोगों की हिम्मत जवाब दे गई। लोग घरों में कैद हो गए, वाहन थम गए। ऐसे में कुछ ऐसे कोरोना योद्धा ने मिसाल पेश की जो अन्य के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है इस लिस्ट में एक नाम है डॉ. सुबोध शर्मा का जिन्होंने कोविड काल में रामपुर के सीएमओ की जिम्मेदारी निभाते हुए लोगों को भयानक बीमारी से मुक्त करने के लिए अपनी टीम के साथ दिन– रात मेहनत की। डॉ. सुबोध शर्मा ने एमबीबीएस और एमडी की डिग्री पूरी करने के बाद बतौर डॉक्टर लोगों की जो सेवा देनी शुरू की, वह 30 अप्रैल 2025 तक जारी रही है।

प्रदेश में चमका महिला अस्पताल, जिला अस्पताल की बदली तस्वीर : कहते हैं न कि जोड़ी भगवान बनाते हैं ऐसे ही डॉक्टर दंपति है डॉ. सुबोध और डॉ. अलका शर्मा जिन्हें सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए जाना जाता है। डॉ. अलका शर्मा ने सेवाओं में रहते हुए लोगों को रोगमुक्त बनाने का काम किया। सरकारी सेवाओं में आने के बाद उन्होने सीएचसी बहेड़ी में बतौर एलएमओ सेवाएं आरंभ कीं। 2016 में शासन ने उन्हें बरेली के जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका की जिम्मेदारी दी। बस फिर क्या था, अस्पताल की धुंधली तस्वीर को साफ करने में जुट गई। मेहनत रंग लाई और महिला अस्पताल को नेशनल क्वलिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड प्रमाणित कर प्रदेश में अस्पताल की पहचान बनाई। वर्ष 2022 में वह जिला अस्पताल बरेली की अपर निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक बनीं, यहां नई सड़कों का निर्माण, ऑक्सीजन प्लांट, मरीजों को दिया जाने वाले भोजन प्रणाली में सुधार के साथ कई उत्कृष्ट कार्य उनकी पहचान बनें।

सुविधा

इलाज ही नहीं हर साल निकलते हैं हजारों हेल्थ के पुरोधा

बरेली को चिकित्सा क्षेत्र का हब इसलिए हीं नहीं कहा जाता है कि यहां तीन मेडिकल कॉलेज होने साथ ही बड़ी संख्या में निजी अस्पताल हैं बल्कि यहां बीते सालों से हर साल हजारों की संख्या में मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर दूर–दराज में बरेली का नाम रोशन कर रहे हैं। दिल्ली और लखनऊ को जोड़ने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे रणनीतिक रूप से बसा, उत्तर प्रदेश का आठवां और भारत का 50वां सबसे बड़ा शहरी केंद्र होने के नाते, क्षेत्रीय परिदृश्य में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखता है। उत्तर प्रदेश चिकित्सा आयोग के सदस्य और वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमेंद्र महेश्वरी बताते हैं कि तीन मेडिकल कॉलेज, आठ आयुर्वेदिक कॉलेज और लगभग एक दर्जन से अधिक नर्सिंग कॉलेज होने के कारण, एक प्रसिद्ध चिकित्सा केंद्र के रूप में स्थापित है। इसके अलावा, एक चिकित्सा पर्यटन स्थल के रूप में, बरेली विदेशी रोगियों की भी सेवा करता है, जहां हृदय बाईपास सर्जरी से लेकर किडनी प्रत्यारोपण तक, विशेषज्ञों द्वारा की जाने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं।

बरेली में जटिल हड्डी रोगों का मिल रहा उपचार

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली का आर्थोपेडिक्स विभाग लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों से जुड़ी बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए समर्पित है। यह विभाग नई तकनीकों और अच्छी देखभाल के ज़रिए इलाज के स्तर को और बेहतर बना रहा है। स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में भी बरेली में तेज़ी से बदलाव देखने को मिले हैं। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल इस बदलाव को लाने वाले एक मुख्य विशेषज्ञ के तौर पर सामने आए हैं। उन्होंने ऑपरेशन के नए तरीकों, जैसे– छोटे चीरे वाली (मिनिमली–इनवेसिव), दूरबीन वाली (एंडोस्कोपिक) और रोबोट की मदद से होने वाली प्रक्रियाओं के स्तर को बहुत ऊंचा कर दिया है।

आर्थोपेडिक्स विभाग की टीम के साथ डॉक्टर वरुण अग्रवाल।

डॉ. अग्रवाल ने यहां देश का पहला ऐसा इंटीग्रेटेड स्पाइन सेंटर शुरू किया है, जहां एक साथ तीन आधुनिक तकनीकें मौजूद हैं। सर्जरी में सटीकता लाने के लिए रोबोटिक सिस्टम का उपयोग, ऑपरेशन के दौरान सही रास्ता दिखाने वाली आधुनिक तकनीक 3डी नेविगेशन, हाई–क्वालिटी इमेजिंग इन तकनीकों में शामिल है। नई तकनीकों से रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन, जोड़ बदलने (टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट) की सर्जरी, छोटे चीरे वाले फ्रेक्चर ऑपरेशन और टेढ़ेपन को ठीक करने जैसे जटिल ऑपरेशन ज़्यादा सटीक और सुरक्षित हो गए हैं।

डॉ. वरुण बताते हैं कि हमारी ट्रॉमा केयर यूनिट 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। यह तेज़ गति से होने वाली दुर्घटनाओं और कई चोटों वाले मुश्किल मामलों को संभालने में सक्षम है। यहां डॉक्टरों की टीम गोल्डन आवर (चोट लगने के बाद का सबसे ज़रूरी समय) में तुरंत इलाज शुरू कर देती है। हम सिर्फ बरेली ही नहीं, बल्कि आस–पास के ज़िलों, उत्तराखंड के दूरदराज़ इलाकों और भारत–नेपाल सीमा से आने वाले मरीज़ों का भी इलाज कर रहे हैं। लोग यहां आधुनिक, भरोसेमंद और जटिल हड्डी रोग के इलाज के लिए आते हैं।

डॉ वरुण बताते हैं कि हमारा मिशन हर जगह अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसके लिए, हम नियमित रूप से गांव–गांव जाकर कैंप लगाते हैं, मोबाइल जांच सेवाएं देते हैं और मुफ़्त ऑपरेशन प्रोग्राम चलाते हैं, ताकि ग़रीब लोग भी शहरों जैसी अच्छी सुविधाएं पा सकें। डॉ. वरुण अग्रवाल के मार्गदर्शन में टीम ने गांवों और छोटे शहरों में बहुत सारे मुफ़्त स्पाइन हेल्थ कैंप लगाए हैं। इन कैंपों से उन मरीजों तक मदद पहुंची जो शहरों के अस्पतालों तक नहीं आ पाते।

राजश्री मेडिकल कॉलेज को विवि बनाने का लक्ष्य

बरेली समेत आसपास के जिले के लोगों को बेहतरीन और उच्च गुणवत्ता परक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 2014 में स्थापित राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को विश्वविद्यालय बनाने का लक्ष्य 2026 तक निर्धारित किया गया है। राजश्री मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहन बंसल ने बताया राजश्री मेडिकल कॉलेज के विश्वविद्यालय बनने से यहां सुविधाओं में विस्तार होगा। विभिन्न कोर्सों के साथ ही फैकल्टी में वृद्धि होगी। विभिन्न संस्थानों से समझौता होगा, जिससे यहां पढ़ने वाले छात्रों और इलाज करने आने वाले मरीजों को काफी लाभ होगा।

रोहन बंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर
राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल

राजश्री मेडिकल कॉलेज की स्थापना राजश्री एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल और सचिव राकेश कुमार अग्रवाल ने 2014 में मानव सेवा के लिए की थी जो अपने उद्‌देश्य को बखूबी अंजाम दे रहा है। यहां पर छात्रों को मेडिकल के क्षेत्र में दक्ष बनाने के साथ ही एक हजार पचास बेड का "सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल का संचालन हो रहा है। इस समय यहां एमबीबीएस की 250, जीएनएम 40 सीटें, एएनएम की 40 सीटें। बीएससी नर्सिंग 100, पोस्ट बीएसएसी नर्सिंग 40, एमएसी नर्सिंग 20 सीटें। लैब टेक्नीशियन में 30, ओटी टेक्नीशियन में 30, फिजियोथेरेपी 30, डिप्लोमा इन सैनिटेशन की 30 समेत कई अन्य कोर्स में छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई कराई जा रही है।

... ताकि मरीजों को मिल सके रोशन जहां

कहते हैं न कि डॉक्टर का जीवन मरीजों के लिए समर्पित होता है, लेकिन कम उम्र में अगर आप एक कुशल विशेषज्ञ डॉक्टर बन जाते हैं इस दुनिया की चकाचौंध विदेशों तक जगमगाती है लेकिन कुछ ऐसे भी युवा डॉक्टर है जिन्होने अपनी जन्म स्थली को ही कर्मभूमि बना लिया और अन्य के लिए प्रेरणा बन गए। हम बात कर रहे हैं मंडल के अनुभवी वरिष्ठ रेटिना विशेषज्ञ डॉ. दिव्य अग्रवाल की। उन्होने वर्ष 2021 में दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) से रेटिना विशेषज्ञता की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब उनके वरिष्ठों ने उनकी कार्यकुशलता देखी तो एम्स में ही सेवाएं देने के लिए तमाम अनुरोध किए लेकिन डा. दिव्य के मन में अपने जन्म स्थान के लिए एक अलग ही सेवा भाव था, उन्होने वर्ष 2022 में बरेली आकर विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर में मरीजों का इलाज आरंभ किया जो कि निरंतर जारी है। डॉ. दिव्य बतातें हैं कि मंडल में रेटिना के ऑपरेशन की उन्नत मशीन की कमी एवं रेटिना सर्जन की कमी होने से मरीजों को दिल्ली लखनऊ के चक्कर लगाने होते थे, जिससे उनके मन में टीस थी, बस इसलिए ही उन्होने बरेली आने का फैसला किया।

अब नहीं लगानी होगी दूर -दराज की दौड़

डॉ. दिव्य बताते हैं कि पहले नेत्र रोगियों को गंभीर समस्या होने पर दूर–दराज के क्षेत्रों में इलाज के लिए जाना पड़ रहा था इसका मुख्य कारण ये था कि बीते वर्षों में इलाज की आधुनिक तकनीक और मशीनों का बरेली में अभाव था लेकिन अब शहर के स्टेडियम रोड के एकता नगर स्थित विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर के साथ ही अन्य केंद्रों पर भी रेटिना बीमारियों के सभी इलाज, रेटिनल इंजेक्शन, जर्मनी की लेटेस्ट मशीन द्वारा रेटिना की जांच, एंजियोग्राफी, अत्याधुनिक लेज़र मशीन द्वारा रेटिनल लेज़र तकनीक से इलाज, इस तकनीक से इलाज में मरीज के जल्दी स्वस्थ होने के साथ ही इलाज में दर्द का एहसास तक नहीं होता है इतना ही नही अब शहर में ही अमेरिका की विटरेक्टॉमी मशीन जो कि पर्दे के ऑपरेशन के लिए सर्वोत्तम मशीन है जिससे बिना टांके के परदे के ऑपरेशन सुरक्षित तरीके से किए जा रहे हैं।

स्क्रीन टाइम बच्चों को बांट रहा मायोपिया

डॉ. दिव्य बताते हैं कि दिनों दिन सोशल मीडिया का चलन बढ़ रहा है हर वर्ग इसकी चपेट में है, लेकिन सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों की आंखों पर पड़ रहा है। बच्चे मायोपिया बीमारी से ग्रसित मिल रहे है जिसका मुख्य कारण है अधिक स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधियों का कम होना। लेकिन समय पर विशेषज्ञ की सलाह लेने से इससे बचाव हो सकता है।

डॉ. दिव्य ने दिल्ली स्थित एम्स से नेत्र विज्ञान में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है, जहां उन्हें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कई स्वर्ण पदक प्राप्त हुए हैं। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली से विट्रोरेटिना, यूविया और आरओपी में अपनी दीर्घकालिक फेलोशिप पूरी की है। उन्होंने पद्मश्री प्रो. अतुल कुमार के मार्गदर्शन में अपनी वरिष्ठ रेजिडेंसी पूरी की। इतना ही नहीं डॉ. दिव्या के प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 100 से अधिक प्रकाशन हैं और उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई शोधपत्र व संकाय वार्ताएं प्रस्तुत की हैं।

हर धुंधलापन मोतियाबिंद नहीं होता

डॉ. दिव्य बताते हैं कि मधुमेह यानि डायबिटिज से ग्रसित मरीजों को रोशनी कम होने की समस्या अधिक होती है, लेकिन अधिकांश लोग ये समझ लेते हैं कि ये मोतियाबिंद है, कई बार मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने से भी आंखों की रोशनी कम ही रहती है। इसलिए ये जानना जरुरी है कि हर धुंधलापन, मोतियाबिंद ही नहीं होता ये डायबिटिक रेटिनोपैथी भी हो सकती है। इसलिए हर डायबिटिक मरीज को हर साल नेत्र विशेषज्ञ से जांच अवश्य करानी चाहिए। आंखों के आगे काले धब्बे दिखने पर या चमक का कारण पर्दे की कमजोरी होता है, ऐसे में रेटिनल डिचेमेंट के खतरे से बचने के लिए रेटिना विशेषज्ञ की सलाह जरुरी है।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग–2)

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,587.01	25,884.80
गिरावट	313.70	74.70
प्रतिशत में	0.37	0.42

सोना 1,28,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,60,800 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, बुधवार, 26 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

यात्रा ऑनलाइन ने ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन बनाया

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा कंपनी यात्रा ऑनलाइन लिमिटेड ने मंगलवार को अपने नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की। कंपनी ने सह-संस्थापक और सीईओ ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया है। यात्रा ऑनलाइन ने शेयर बाजारों को बताया कि कंपनी ने सिद्धार्थ गुप्ता को नया सीईओ बनाया है। श्रृंगी, जो शुरुआत से ही सीईओ हैं, इस नई भूमिका में यात्रा के दीर्घावधि के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएंगे, जिसमें वैश्विक विस्तार, नवोन्मेषण और शेयरधारकों के लिए मूल्यवर्धन शामिल है।

नंद किशोर बने क्रिस्टल क्रॉप के मानद चेयरमैन

नई दिल्ली। कृषि रसायन बनाने वाली कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने अपने संस्थापक नंद किशोर अग्रवाल को मानद चेयरमैन बनाया। उनके पुत्र अंकुर को कार्यकारी चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। नेतृत्व में यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब कंपनी कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलते वैश्विक माहौल के बीच फसल सुरक्षा, बीज, जैव प्रौद्योगिकी और हरित खेती के समाधान क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। कंपनी ने कहा कि नंद किशोर अग्रवाल, जिन्होंने चार दशक पहले कंपनी शुरू की थी, रणनीतिक सलाह देंगे और शिक्षा, आजीविका और सतत विकास में परमार्थ कार्यों पर ध्यान देंगे।

छोटे चाय उत्पादकों ने की राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग

कोलकाता। कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उनकी वृद्धि को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है। सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने पत्र में कहा कि छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) कुल चाय उत्पादन में 50% का योगदान देते हैं। एसटीजी को हरी चाय की पत्तियों की अस्थिर कीमतों, कर्ज तक सीमित पहुंच और सही वैज्ञानिक समर्थन के मामले में परेशानी झेलती हैं। इससे कई एसटीजी मालिक कर्ज में फंसे हैं। पत्र में कहा गया है कि एसटीजी द्वारा उगाई हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम स्थिर मूल्य तय होना चाहिए।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7% रहने का अनुमान

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने उच्च व वैश्विक वृद्धि और अमेरिकी शुल्क के कम प्रभाव पर बढ़ाया अनुमान

- आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी दर 6.8 प्रतिशत से बढ़ने की जताई है उम्मीद जो गत वर्ष की वृद्धि से अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। जून तिमाही में उच्च वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि के कम प्रभाव को देखते हुए यह अनुमान बढ़ाया गया है। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार, उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी सालाना आधार पर सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह उसके पिछले अनुमान 6.3 प्रतिशत (जुलाई, 2025 में जारी) से 0.7 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8% रही जो पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि का आधिकारिक आंकड़ा 28 नवंबर को जारी किया जाएगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि जुलाई, 2025 में उसके अंतिम अनुमान के बाद से घरेलू और वैश्विक दोनों परिदृश्यों में काफी बदलाव आया है। अमेरिका के सभी देशों पर एकतरफा शुल्क वृद्धि के कारण अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य प्रमुख बाधाएं हैं। भारत पर अगस्त, 2025 से जो शुल्क लगाया गया है, वह सबसे अधिक में से एक है। रेटिंग एजेंसी के मुख्य अर्थशास्त्री और सार्वजनिक वित्त मामलों के प्रमुख देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि जुलाई के अनुमान के बाद से आर्थिक परिस्थितियां काफी अनुकूल हुई हैं। इनमें उम्मीद से अधिक तेजी से मुद्रास्फीति में गिरावट, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक मजदूरी दर में वृद्धि और जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना शामिल हैं। आर्थिक वृद्धि अनुमान में तीव्र वृद्धि के दो प्रमुख कारण हैं। जून तिमाही में अपेक्षा से अधिक तीव्र जीडीपी वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि का प्रभाव पहले के अनुमान से कम होना है।

इंडिया रेटिंग्स ने जुलाई में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वृद्धि दर 6.3% रहने का अनुमान लगाया था और इसके लिए शुल्क युद्ध और किसी भी पूंजी निकासी के प्रमुख जोखिम को जिम्मेदार ठहराया था। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 की वृद्धि दर के लिए जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। एजेंसी ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में तेजी और सर्दियों के महीनों में अनुकूल मौसम की स्थिति जीडीपी वृद्धि को सात प्रतिशत से ऊपर ले जाने की क्षमता रखती है। हालांकि, अगर मांग में सुधार (उपभोग और निवेश) अपेक्षा से कमजोर रहा, तो इससे जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट आ सकती है।

4,000 अरब डॉलर को पार कर जाएगी भारतीय अर्थव्यवस्था : नागेश्वरन

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 4,000 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि भूराजनीति में 'बहुत ज़्यादा उतार-चढ़ाव' के साथ, वैश्विक व्यवस्था में भारत की जगह बनाए रखने के लिए आर्थिक वृद्धि बहुत जरूरी है। भारत अभी करीब 3,900 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। नागेश्वरन ने मंगलवार को आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स समिट-2025 को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च, 2025 के अंत में 3,900 अरब डॉलर थी और चालू वित्त वर्ष में यह पहले ही 4,000 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने के लिए तैयार है।

जन विश्वास विधेयक के पर कर रहे काम : गोयल

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने का प्रयास जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिये छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है।

केंद्रीय उद्योग मंत्री घरेलू व्यापारियों के सम्मेलन में कहा कि जन विश्वास विधेयक-3 की तैयारी चल रही है। जन विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक-2025, जो जीवन और व्यापार को आसान बनाने के लिए कुछ छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त करने की कोशिश करता है, अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और एक प्रवर समिति को भेजा गया था। समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट जमा करने का काम सौंपा गया है। इस कानून का पहला संस्करण 2023 में लागू किया गया था। इसमें 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन के जरिये छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त किया गया था।

एक देश, एक लाइसेंस के मुद्दे पर मांगी रूपरेखा

गोयल ने सुझाव दिया कि व्यापारी समुदाय और ज्यादा प्रावधान की पहचान करे और मंत्रालय को उसकी जानकारी दे। व्यापारियों द्वारा उठाए गए 'एक देश, एक लाइसेंस' के मुद्दे पर, मंत्री ने उनसे इसके लिए एक रूपरेखा जमा करने को कहा। उन्होंने कहा कि वह इसे महाराष्ट्र जैसे राज्यों के साथ साझा करेंगे, क्योंकि यह राज्य का विषय है।

आयकर, जीएसटी कटौती से अतिरिक्त राजकोषीय समर्थन की गुंजाइश सीमित

- वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा- कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर किया

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में आयकर और जीएसटी में की गई कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर कर दिया है, जिससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त वित्तीय समर्थन देने की गुंजाइश सीमित हो गई है। मूडीज रेटिंग्स के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ क्रेडिट अधिकारी (सरकारी जोखिम) मार्टिन पेट्च ने कहा कि राजस्व वृद्धि अपेक्षा से काफी कमजोर रही है। पिछले महीनों में जो कर कटौती हुई है, उसका भी राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है। इसी वजह से वित्तीय सशक्तीकरण पर दबाव बढ़ा है और अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की गुंजाइश घट गई है।

महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के मुताबिक, सितंबर, 2025 के अंत तक शुद्ध कर राजस्व घटकर 12.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.65 लाख करोड़ रुपये था। यह सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान का सिर्फ 43.3 प्रतिशत है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 49 प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुआ था। सरकार ने इस वर्ष बजट में नए कर ढांचे के तहत आयकर छूट सीमा सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया था। इससे मध्यम वर्ग को लगभग एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें भी घटा दी गईं, जिससे उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती हुईं और मांग बढ़ाने का प्रयास किया गया। पेट्च ने कहा कि मुद्रास्फीति घटने और मौद्रिक नीति में नरमी से घरेलू उपभोग के और मजबूत होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून में नीतिगत ब्याज दरों में 0.50% की कटौती कर उन्हें 5.5% के तीन वर्ष के निचले स्तर पर ला दिया था। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति गिरकर 0.25% के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा कि घरेलू खपत और अवसंरचना निवेश भारत की आर्थिक वृद्धि के मुख्य कारक बने हुए हैं और यह अमेरिका द्वारा लगाए 50 प्रतिशत आयात शुल्क के असर को काफी हद तक संतुलित करेंगे।

सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद

- विदेशी पूंजी की निकासी से सेंसेक्स 314 अंक टूटा
- आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से आई गिरावट

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 75 अंक की गिरावट आई।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 363.98 अंक तक नीचे आ गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 नुकसान में जबकि छह लाभ में रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 74.70 अंक की गिरावट के साथ 25,884.80 अंक पर आ गया। शुक्रवार से अब तक तीन सत्रों में निफ्टी 307 अंक से अधिक की गिरावट के साथ 26,000 अंक के नीचे आ गया है। जबकि सेंसेक्स 1,045 अंक लुढ़का है। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, ट्रेंट, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, इटर्नल, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,171.75 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 4,512.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बीएसई स्मॉलकैप 0.20% लाभ में जबकि मिडकैप 0.19% बढ़त में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी 0.75, बीएसई केंद्रित आईटी (0.64), टिकाऊ उपभोक्ता सामान (0.53), टेक (0.39), ऊर्जा (0.32), वाहन (0.25) और जन केंद्रित सेवाओं से जुड़ी इकाइयों में 0.25% की गिरावट रही। रियल्टी, जिंस, स्वास्थ्य, दूरसंचार, पूंजीगत वस्तुएं और धातु में बढ़त दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार अच्छी बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.69 प्रतिशत टूटकर 62.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के मासिक अनुबंधों की समाप्ति के दिन घरेलू बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा।

निवेशकों के 33,000 करोड़ रुपये डूबे

बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों को बाजार में आई गिरावट से 33,000 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। उनकी कुल पूंजी घटकर 469.35 लाख करोड़ रुपये रह गई जो पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 469.68 लाख करोड़ रुपये रही।

धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह कैसा संदेश, यह तो सैन्य अधिकारी की घोर अनुशासनहीनता

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व ईसाई अधिकारी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें सशस्त्र बलों से उसकी बर्खास्तगी को चुनौती दी गई थी। अधिकारी ने अपनी तैनाती वाले स्थल पर मंदिर के गर्भगृह में रेजिमेंट की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से इन्कार कर दिया था, जिसके बाद उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें सेना की कार्रवाई को बरकरार रखा गया था। अदालत ने कहा कि सैमुअल कमलेसन का आचरण सैन्य अनुशासन के अनुरूप नहीं था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह किस तरह का संदेश दे रहे हैं? उन्हें तो बस इसी लिए बाहर कर देना चाहिए था। यह किसी सैन्य अधिकारी द्वारा की गई घोर अनुशासनहीनता है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व करने वाले को उदाहरण पेश करना चाहिए। आप अपने सैनिकों का अपमान कर रहे हैं। जब एक पादरी ने आपको सलाह दी, तो आपने उसे वहीं छोड़ दिया। आप इसको लेकर अपनी निजी समझ नहीं रख सकते कि आपका धर्म क्या अनुमति देता है। वह भी वर्दी पहले हुए। कमलेसन के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनके मुवक्किल को उनकी तैनाती स्थल पर स्थित मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश से इन्कार करने के एकमात्र कृत्य के लिए सेवा से बर्खास्त किया गया था। उन्होंने यह कहते हुए गर्भगृह में प्रवेश करने से इन्कार कर दिया था कि यह उनके ईसाई धर्म का उल्लंघन है। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि क्या एक अनुशासित बल में इस तरह का आचरण जायज है? उन्होंने कहा कि एक सैन्य नेतृत्वकर्ता अपने सैनिकों के साथ उस जगह जाने से कैसे इनकार कर सकता है जिसे वे पवित्र मानते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि सिख सैनिकों की मौजूदगी को देखते हुए रेजिमेंट में एक गुरुद्वारा भी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप भले ही 100 चीजों में उत्कृष्ट हों, लेकिन भारतीय सेना अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के लिए जानी जाती है... आप अपने ही सैनिकों की भावनाओं का सम्मान करने में विफल रहे हैं। जब अपीलकर्ता के वकील ने कहा कि नोटिस जारी नहीं करना समाज के लिए एक गलत संदेश होगा, तो पीठ ने कहा कि इससे एक कड़ा संदेश जाएगा।

सिख कर्मियों वाली स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' थे कमलेसन : वर्ष 2017 में तीसरी कैवलरी रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करने वाले कमलेसन को सिख कर्मियों वाली बी स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' के रूप में तैनात किया गया था। रेजिमेंट में एक मंदिर और एक गुरुद्वारा था, लेकिन कोई "सर्व धर्म स्थल" या चर्च नहीं था। कमलेसन ने दावा किया था कि वह साप्ताहिक धार्मिक परेड के लिए दोनों स्थानों पर सैनिकों के साथ गए, लेकिन धार्मिक अन्तरात्मा का हवाला देते हुए "आरती, हवन या पूजा" के दौरान गर्भगृह में प्रवेश करने से परहेज किया। सेना ने कहा था कि अधिकारी ने अनिवार्य रेजिमेंटल परेड में शामिल होने से बार-बार इनकार किया और वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे अनुशासन के महत्व पर सलाह देने के कई प्रयास किए।

नफरती भाषण वाली हर घटना की नहीं हो सकती निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह देश भर में घृणा भाषण की हर घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी रखने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि इसके लिए कानूनी उपाय, पुलिस थाने और उच्च न्यायालय मौजूद हैं। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की, जो एक खास समुदाय के सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार के कथित आह्वान का मुद्दा उठाने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि हम इस याचिका के मद्देनजर कानून नहीं बना रहे हैं। निश्चिंत रहें, हम इस देश के किसी भी इलाके में होने वाली हर छोटी घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी करने के लिए तैयार नहीं हैं। उच्च न्यायालय हैं, पुलिस थाने हैं, कानूनी उपाय हैं। वे पहले से ही मौजूद हैं। शीर्ष अदालत ने शुरू में आवेदक से कहा था कि वह अपनी शिकायत के साथ संबंधित उच्च न्यायालय जाए। पीठ ने आवेदक की ओर से मामले में पेश हुए वकील से कहा कि यह अदालत पूरे देश में ऐसे सभी मामलों पर कैसे नजर रख सकती है? आप अधिकारियों से संपर्क करें। उन्हें कार्रवाई करने दें, नहीं तो उच्च न्यायालय जाएं। वकील ने कहा कि उन्होंने एक लंबित रिट याचिका में एक आवेदन दाखिल किया है जिसमें घृणा भाषण का मुद्दा उठाया गया है।

एसआईआर के खिलाफ नई याचिका पर जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने एमडीएमके संस्थापक और पूर्व राज्यसभा सदस्य वाइको की उस अर्जी पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा, जिसमें तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अर्जी को 2 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। वाइको ने राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देते हुए कहा है कि यह अधिसूचना समानता के अधिकार समेत कई मौलिक अधिकारों और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करती है। माकपा और टीवीके जैसे राजनीतिक दलों तथा अभिनेता विजय ने भी तमिलनाडु में एसआईआर को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने 11 नवंबर को द्रमुक, माकपा, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की अर्जी पर निर्वाचन आयोग से अलग-अलग जवाब मांगे थे, जिनमें तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती दी गई थी।

बंगाल : बीएलओ ने रातभर धरना दिया

- प्रदर्शनकारी बोले- जब तक सीईओ व्यक्तिगत रूप से मुलाकात नहीं करते, तब तक जारी रहेगा धरना

कोलकाता, एजेंसी

बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) के एक वर्ग ने पूरी रात पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के अंदर बिताई और तब तक वहां से जाने से इन्कार कर दिया, जब तक कि सीईओ मनोज अग्रवाल उनसे मुलाकात नहीं करते और उनकी मांगों को स्वीकार नहीं कर लेते।

वे राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 'अत्यधिक कार्य भार' को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। उनमें से कई लोग सोमवार शाम से ही वहां प्रदर्शन कर रहे हैं तथा उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से शहर के मध्य भाग में बीबीडी बाग तक मार्च के बाद शुरू हुआ गतिरोध जारी है, जहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय स्थित है।

नवगठित बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों द्वारा रात भर धरना सोमवार दोपहर को शुरू हुआ और मंगलवार सुबह तक चला। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक अग्रवाल व्यक्तिगत रूप से उनसे मुलाकात नहीं करते, तब तक वे नहीं हटेंगे। लंबे गतिरोध के बाद पुलिस ने 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को अपना ज्ञापन सौंपने के लिए कार्यालय में प्रवेश की अनुमति दे दी, जिससे कुछ देर के लिए तनाव कम हुआ। लेकिन इसके तुरंत बाद फिर से अशांति फैल गई।

शाम करीब साढ़े चार बजे ज्ञापन सौंपे जाने से ठीक पहले कई समिति सदस्य सीईओ के कक्ष के बाहर बैठ गए और मांग करने लगे कि अग्रवाल खुद ज्ञापन स्वीकार करें। इसके बाद नारेबाजी शुरू हो गई और इमारत की तीसरी मंजिल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। जैसे ही पुलिस कर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को केबिन क्षेत्र से बाहर निकाला, उपायुक्त (मध्य) इंदिरा मुखोपाध्याय मौके पर पहुंचीं।

जल्द ही प्रदर्शनकारी कार्यालय के अंदर फिर से इकट्ठा हो गए और अपना धरना शुरू कर दिया। रात तक सात सदस्य परिसर के अंदर ही रहे, जिनमें संयोजक मोइदुल इस्लाम भी शामिल थे, जो एक स्कूल शिक्षक हैं, लेकिन बीएलओ नहीं हैं।

सोमवार को अग्रवाल ने पत्रकारों से कहा कि हर प्रतिनिधिमंडल से मिलना उनके लिए ''संभव नहीं'' है और इस उद्देश्य के लिए दो उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी उपलब्ध हैं। समिति ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अग्रवाल रात करीब 11.40 बजे पुलिस सुरक्षा में दफ्तर से बाहर निकले और टकराव पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। लेकिन प्रदर्शनकारी अड़े रहे।

भाजपा कार्यकर्ता और बीएलओ आमने-सामने

कोलकाता। कोलकाता में सोमवार रात उस समय नाटकीय घटनाक्रम हुआ जब भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह का पश्चिम बंगाल के सीईओ कार्यालय के सामने बीएलओ के फोरम के प्रदर्शनकारी सदस्यों से आमना-सामना हो गया। इस दौरान पुलिस ने बीच-बचाव किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के कई सदस्य सोमवार को दोपहर से ही सीईओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे थे। मामला तब बिगड़ गया जब कोलकाता नगर निगम (केएमसी) पार्षद सजल घोष के नेतृत्व में 50 भाजपा कार्यकर्ता रात 11 बजे मौके पर पहुंचे और सीईओ कार्यालय में बंद चुनाव आयोग के अधिकारियों को डराकर एसआईआर प्रक्रिया को रोकने के टीएमसी के कथित प्रयास के खिलाफ नारे लगाने लगे।

दिल्ली पुलिस ने नारे लगाने के लिए प्राथमिकी में जोड़ी धारा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को इंडिया गेट पर प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान माओवादी समर्थक नारे लगाने और पुलिसकर्मियों पर मिर्ची स्प्रे करने वालों पर दर्ज एक प्राथमिकी में 'राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध अपमानजनक आरोप और दावे' से संबंधित धाराएं लगाई हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि मिर्ची स्प्रे छिड़कने के लिए गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों के समूह ने मारे गए माओवादी नेता माडवी हिडमा के समर्थन में नारे लगाए थे। पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं- एक कर्तव्य पथ थाने में छह प्रदर्शनकारियों के खिलाफ और दूसरी संसद मार्ग थाने में 17 लोगों के खिलाफ।

शिक्षिका ने पांच साल के छात्र को पेड़ से लटकाया, स्कूल को नोटिस

- अधिकारियों ने स्कूल से शिक्षिका को निकाला, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल
- वीडियो में पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया

सूरजपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के एक निजी स्कूल में पांच वर्षीय छात्र को उसकी शिक्षिका ने दंडित करने के लिए कथित तौर पर पेड़ से लटका दिया। इस घटना को लेकर अधिकारियों ने स्कूल प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटना के बाद शिक्षिका को स्कूल से निकाल दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया गया है। मौके पर दो महिलाएं मौजूद हैं, जो इसे रिकॉर्ड कर रहे व्यक्ति को डांट रही हैं। सोमवार को स्कूल के केजी-टू के छात्र के इस वीडियो के सामने आने के बाद सूरजपुर के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) अजय मिश्रा ने बताया कि रामानुज नगर ब्लॉक के नारायणपुर गांव में स्थित स्कूल में शिक्षा विभाग के दल को तत्काल जांच के लिए भेजा गया है।

मिश्रा ने बताया कि सोमवार शाम को मिली शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा दो दिन में जवाब मांगा गया है। स्कूल का जवाब मिलने के बाद नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल के संचालक सुभाष शिवहरे ने शिक्षिका की इस हरकत को सही ठहराने की कोशिश करते हुए बताया कि शिक्षिका ने बच्चे को अनुशासित करने के लिए ऐसा किया था। जब यह घटना हुई तब मैं वहां नहीं था। डीईओ कार्यालय से जानकारी मिलने के बाद मैं आज यहां आया हूं। शिक्षिका ने बच्चे को डराने और पढ़ाई करने के लिए उसकी टी-शर्ट का इस्तेमाल करके उसे पेड़ से लटकाने की कोशिश की। शिवहरे ने कहा कि बच्चा कक्षा में शैतानी कर रहा था और दूसरे बच्चों को मार रहा था।

देश की रक्षा को हम तैयार...

सेना की त्रिशक्ति कोर के सैनिक सिक्किम में 14,000 फीट की ऊंचाई पर आर्मी मार्शल आर्ट्स के रूटीन प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में निकट-युद्ध की तैयारी मजबूत हो रही है।

ज्वालामुखी : पृथ्वी की शक्ति का प्रदर्शन

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, जैसे कि जान-माल की हानि और वायुमंडलीय परिवर्तन, लेकिन यह भूमि के निर्माण, खनिज संसाधनों के स्रोत और मिट्टी की उर्वरता में भी योगदान कर सकता है। इस लेख में, हम ज्वालामुखी के बारे में विस्तार से जानेंगे, जिसमें इसके निर्माण, प्रकार, विशेषताएं और प्रभाव शामिल हैं।

ज्वालामुखी आखिर हैं क्या

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, लेकिन यह भूमि के निर्माण में भी योगदान करता है।

ज्वालामुखी की विशेषताएं

- **लावा :** ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा पिघली हुई चट्टान होती है जो सतह पर जमकर ठोस हो जाती है।
- **ज्वालामुखी गैसें :** ज्वालामुखी से निकलने वाली गैसें जैसे कि सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में मिलती हैं।
- **पिरोक्लास्टिक्स :** ज्वालामुखी से निकलने वाले पिरोक्लास्टिक्स जैसे कि राख और लावा के टुकड़े वायुमंडल में मिलते हैं।

फायदे भी कई हैं

- **भूमि का निर्माण :** ज्वालामुखी के विस्फोट से नई भूमि का निर्माण हो सकता है, जिससे द्वीपों और पहाड़ों का निर्माण होता है।
- **खनिज संसाधनों का स्रोत :** ज्वालामुखी के विस्फोट से खनिज संसाधनों का स्रोत बनता है, जैसे कि तांबा, जस्ता, और सोना।
- **मिट्टी की उर्वरता :** ज्वालामुखी के विस्फोट से मिट्टी की उर्वरता बढ़ सकती है, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।

निर्माण कैसे होता है

ज्वालामुखी तब बनते हैं जब पृथ्वी की पपड़ी के नीचे मैग्मा जमा होता है और दबाव बढ़ने पर यह सतह पर निकलता है। यह दबाव प्लेट टेक्टोनिक्स, मेंटल प्लम और हॉटस्पॉट के कारण हो सकता है। ज्वालामुखी कई प्रकार के होते हैं। शील्ड ज्वालामुखी : ये शील्ड जैसे दिखते हैं। स्ट्रैटोवोल्केनो : ये स्ट्रैटो जैसे दिखते हैं। कैल्डेरा : ये कैल्डेरा जैसे दिखते हैं।

प्रमुख सक्रिय ज्वालामुखी

- **जापान :** माउंट असो, सकुराजिमा, माउंट फूजी, और याकुशिमा
- **अमेरिका :** अलास्का, हवाई, और कैस्केड्स में कई एक्टिव
- **रूस :** कामचटका पेनिनसुला और कुरील में कई एक्टिव ज्वालामुखी
- **चिली :** विलारिका, लस्कर, और ओहोस देल सालाडो ज्वालामुखी
- **पापुआ न्यू गिनी :** मनाम, करकर, और लांगिला ज्वालामुखी
- **इक्वाडोर :** कोटोपैक्सी, सांगे, तुंगुरहुआ, और रेवेन्टाडोर ज्वालामुखी
- **आइसलैंड :** हेक्ला, कटला, ग्रिम्सवोटन।

वर्ल्ड ब्रीफ

कोर्ट ने बोल्सोनारो की कैद बरकरार रखा

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो द्वारा नजरबंदी के दौरान अपने 'एंकल मॉनिटर' को तोड़ने की कोशिश करने की बात स्वीकार करने के बाद उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उनकी कैद को बरकरार रखा। 'एंकल मॉनिटर' टखने पर लगाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होते हैं जिनका उपयोग अदालतों द्वारा निगरानी के लिए किया जाता है, ताकि किसी व्यक्ति के स्थान और गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके। इन्हें कारावास के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

हिज्बुल्ला कमांडर के संस्कार में जुटे हजारों

बेरूत। लेबनान में सोमवार को हजारों लोग चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला के शीर्ष सैन्य कमांडर के अंतिम संस्कार में शामिल हुए, जो एक दिन पहले बेरूत में इजराइली हवाई हमले में मारा गया था। हिज्बुल्ला के शीर्ष कमांडर हयथम तबतबाई की अंतिम यात्रा में उसके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। तबतबाई और हिज्बुल्ला के दो अन्य सदस्यों को बेरूत के दक्षिण में उस कब्रिस्तान में दफनाया गया जहां संगठन के लड़ाकों को दफनाया जाता है।

काफिले पर हमला, 5 अधिकारियों की मौत

अदन। बंदूकधारियों ने सोमवार को ताइज प्रांत के गवर्नर के काफिले पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सुरक्षा अधिकारी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। प्रांत के प्रवक्ता मोहम्मद अब्देल-रहमान ने बताया कि ताइज को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली सड़क पर नबील शमसान को निशाना बना हमला किया गया। गोलीबारी में दो हमलावर मारे गए।

अपमानजनक पोस्ट का आरोपी पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाने और एक महिला समाचार एंकर के खिलाफ अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में मुंबई से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया आरोपी की पहचान जम्मू निवासी चेत कमल प्रकाश के रूप में हुई है।

भारत में जहाज निर्माण, नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता

रक्षा विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

- भारत को अलग बनाता है एकीकृत जहाज निर्माण तंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में समुद्री नवाचार पर संगोष्ठीमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सम्मानित किया गया। इस मौके परजनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक रक्षा कंपनियों से भारत के जीवंत जहाज निर्माण उद्योग में अवसरों का लाभ उठाने और अगली पीढ़ी की समुद्री क्षमताओं का सह-विकास करने का मंगलवार को आह्वान किया। एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि भारत में जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत और समुद्री नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता है क्योंकि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग पहले ही विमानवाहक पोत, अनुसंधान पोत और वाणिज्यिक जहाज बना चुका है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत को जो चीज़ वास्तव में अलग बनाती है, वह है इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र। उन्होंने कहा कि भारत को वास्तव में अलग बनाने वाला इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र है। सिंह ने कहा कि अवधारणा डिज़ाइन और मॉड्यूलर निर्माण से लेकर रख रखाव, मरम्मत तक, जहाज निर्माण प्रक्रिया का हर चरण स्वदेशी रूप से विकसित और क्रियान्वित किया जाता है। सिंह रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में मुख्य भाषण दे रहे थे, जिसमें भारतीय जहाज निर्माण उद्योग की क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया।

रक्षामंत्री ने उद्योग के हितधारकों, विदेशी साझेदारों, प्रतिनिधियों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हजारों एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) द्वारा समर्थित हमारे सार्वजनिक और निजी शिपयार्ड ने एक मजबूत मूल्य श्रृंखला बनाई है, जो इस्पात, प्रणोदन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर और उन्नत लड़ाकू प्रणालियों तक फैली हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग, जिसमें उत्साही सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और गतिशील निजी क्षेत्र के साझेदार शामिल हैं, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल जहाज, बल्कि विश्वास, न केवल साजो सामान, बल्कि साझेदारियां बनाकर समुद्री सदी को आकार देने में मदद के लिए तैयार है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत का जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र अनेक विश्वस्तरीय प्लेटफॉर्म की ताकत पर टिका है जो तकनीकी परिपक्वता और औद्योगिक गहराई को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत, कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियां और स्टील्थ फ्रिगेट और विध्वंसक जहाज जैसी प्रमुख परियोजनाएं न केवल देश की नौसैनिक ताकत को रेखांकित करती हैं, बल्कि डिजाइन क्षमता और स्वचालन को भी बढ़ाती हैं। सिंह ने कहा कि हम विमानवाहक पोतों से लेकर उन्नत अनुसंधान पोतों और ऊर्जा-कुशल वाणिज्यिक जहाजों तक की आपूर्ति करने में सक्षम हैं।

सोशल मंच पर साझा रक्षामंत्री का पत्र फर्जी

नई दिल्ली। सूचना प्रसारण मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह को लिखा गया कथित पत्र फर्जी है और लोगों को इस तरह की अपुष्ट सामग्रियों को साझा करने से बचना चाहिए। फैक्ट चेक हैंडल से जारी एक पोस्ट में कहा है कि सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया जा रहा है जो कथित तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा है।

यूक्रेन पर रूसी हमले में 6की मौत

कीव, एजेंसी

रूस द्वारा मंगलवार को यूक्रेन में इमारतों और ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर किए गए सिलसिलेवार हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी। वहीं यूक्रेन द्वारा दक्षिणी रूस में किए गए गए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और कई घरों को नुकसान पहुंचा। राजधानी कीव के कुछ हिस्सों में पानी और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। 'टेलीग्राम' पर पोस्ट एक वीडियो फुटेज में कीव के पूर्वी जिले द्निप्रोव्स्की में नौ मंजिला एक आवासीय इमारत में भीषण आग दिख रही है।

मेयर विटाली क्लित्स्को ने बताया कि द्निप्रोव्स्की में दो लोग मारे गए व पांच घायल हुए जबकि मध्य पेचेर्स्क जिले में एक अन्य आवासीय इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। कीव के पश्चिमी जिले में एक इमारत पर हुए हमले में चार लोग मारे गए और तीन अन्य लोग घायल हो गए। ओडेसा क्षेत्र में ऊर्जा व बंदरगाह अवसंरचना पर रूसी हमले में दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए।

रूस के दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र में देर रात यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए।

बांग्लादेश को एक लाख टन चावल भेजेगा पाकिस्तान

कराची। बांग्लादेश को पाकिस्तान एक लाख टन चावल निर्यात करेगा। यह पिछले वर्ष अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से दोनों देशों के बीच बेहतर हुए व्यापार संबंधों को दर्शाता है। टीसीपी के एक अधिकारी ने बताया कि इसके लिए पिछले सप्ताह 'ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान' (टीसीपी) द्वारा निविदा जारी की गई थी। यह पाकिस्तान से बांग्लादेश को भेजी जाने वाली चावल की अब तक की सबसे बड़ी खेप है। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों द्वारा चावल आयात के साथ सरकारी स्तर पर व्यापार शुरू करने के बाद 50,000 टन चावल की पहली खेप निर्यात की गयी। एक प्रमुख चावल निर्यातक ने कहा कि अगर बांग्लादेश के साथ व्यापार बढ़ता है तो यह कारोबार के लिए अच्छा होगा।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर किया हवाई हमला

- पूर्वी प्रांत में देर रात हुए हमले में नौ बच्चों सहित 10 मारे गए

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने मंगलवार को पाकिस्तान पर तीन पूर्वी प्रांतों में देर रात हवाई हमले करने का आरोप लगाया, जिसमें नौ बच्चों सहित 10 नागरिक मारे गए। यह हमले दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव का संकेत है। अफगान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक्स पर कहा कि पाकिस्तान ने खोस्त प्रांत में एक नागरिक के घर पर बमबारी की, जिसमें नौ बच्चों और एक महिला की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि कुनार और पक्तिका प्रांतों में भी हमले किए गए, जिनमें चार अन्य लोग घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना और सरकार ने इस आरोप पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर में एक दिन पहले हुए एक घातक हमले के बाद यह नया घटनाक्रम सामने आया है। पेशावर में दो आत्मघाती हमलावरों और एक बंदूकधारी हमलावर ने पुलिस बल के मुख्यालय पर हमला किया था। सोमवार सुबह हुए इस हमले में तीन अधिकारी मारे गए और 11 अन्य लोग घायल हो गए।

पेशावर हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन शक पाकिस्तानी तालिबान या तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, एक अलग समूह है लेकिन अफगान तालिबान के साथ इसका घनिष्ठ संबंध है और इसके कई नेता अफगानिस्तान में छिपे हुए हैं।

बीबीसी चेयरमैन से हुई पूछताछ

लंदन। बीबीसी के चेयरमैन ने सोमवार को स्वीकार किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के भ्रामक संपादन पर प्रतिक्रिया देने में कंपनी ने बहुत धीमा रुख अपनाया लेकिन उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया कि प्रसारक की निष्पक्षता को उसके अपने ही बोर्ड के भीतर से कमजोर किया जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में बीबीसी के महानिदेशक व समाचार प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया था और ट्रंप ने अरबों डॉलर का मुकदमा करने की धमकी दी थी, जिसके बाद सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित कंपनी के चेयरमैन से सांसदों ने पूछताछ की थी।

पाकिस्तान से भागकर कच्छ पहुंचा प्रेमी युगल

- सीमा सुरक्षा बल ने हिरासत में लिया, जांच शुरू

कच्छ, एजेंसी

पाकिस्तान के एक नागरिक और उसकी प्रेमिका अपने घर से कथित तौर पर भागने के बाद गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा तक पहुंच गए जहां सुरक्षा बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रेमी-प्रेमिका का यह यह पैदल ही यहां तक पहुंच गए थे।

पुलिस के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करने के बाद यहां पहुंचे पोपट (24) और गौरी (20) को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने हिरासत में ले लिया। बालासर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पोपट और गौरी अंतर्राष्ट्रीय सीमा से आठ किलोमीटर दूर पाकिस्तान स्थित गांव से रविवार रात भाग गए थे। दोनों ने पैदल ही यह दूरी तय की थी। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने खंभा संख्या 1016 के समीप गश्त के दौरान दोनों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान युगल ने बताया कि उनके परिवार उनकी शादी के खिलाफ थे जिस वजह से वे घर से भाग आए। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियां जांच करेंगी ।

यहूदियों को भारत से लाने की इजराइल की मंजूरी

यरुशलम। इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से शेष सभी 5,800 यहूदियों को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन यहूदियों को आमतौर पर बेनी मेनाशे कहा जाता है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के अलियाह (आव्रजन) को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को रविवार को मंजूरी दे दी। इस निर्णय से 2030 तक समुदाय के लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 को 2026 में लाने की मंजूरी मिल गई है।

अरुणाचल हमेशा भारत में ही रहेगा

- मुख्यमंत्री ने महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर रोकने की निंदा की

ईटानगर, एजेंसी

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन के आव्रजन अधिकारियों द्वारा राज्य की एक महिला के साथ किए गए अस्वीकार्य और डराने वाले व्यवहार की मंगलवार को निंदा की। महिला को शंघाई पुडोंग हवाई अड्डे पर लगभग 18 घंटे तक रोक कर रखा गया क्योंकि अधिकारियों ने उसका भारतीय पासपोर्ट को मान्यता देने से इनकार कर दिया था।

खांडू ने कहा कि ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक के साथ हुई इस घटना से वह 'गहरा सदमा' महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि चीन के अधिकारियों का व्यवहार 'अपमान और नस्लीय उपहास' के समान है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। कोई भी आरोप निराधार और आपत्तिजनक है।

चीन ने उत्पीड़न से किया इनकार

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को इन आरोपों को गलत बताया कि अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर परेशान किया गया। चीन ने कहा कि चीनी आव्रजन अधिकारियों ने जो कार्रवाई की, वह कानून और नियमों के मुताबिक थी। थोंगडोक के साथ हुई इस घटना पर जवाब मांगने पर, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने दावा किया कि उक्त महिला के साथ किसी भी तरह के अनिवार्य कदम, हिरासत या उत्पीड़न नहीं हुआ। माओ ने कहा कि एयरलाइन ने उनके लिए विश्राम और खाने-पीने की व्यवस्था भी की थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 27 नवंबर 00 .01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

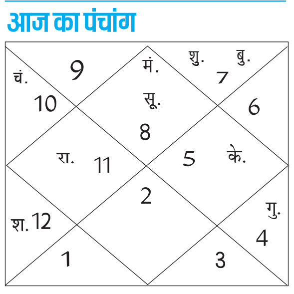

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-श्रवण 27 नवंबर 01 .32 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष — आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। अपने सौंदर्य और रहन-सहन पर अत्यधिक ध्यान देंगे। छात्र गुरुजनों के प्रति निष्ठा भाव रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी राय से लोग सहमत नहीं होंगे। निर्माण कार्यों में प्रगति होने के योग बन रहे हैं।

वृष — आज संपत्ति विवाद सुलझाए जा सकते हैं। अपने सिद्धांतों से किसी भी तरह समझौता न करें। दूसरो के व्यक्तिगत मामलों से दूरी बनाकर रखें। अपने भावों की अभिव्यक्ति प्रेमीजन से कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को विजय मिल सकती है।

मिथुन — आज किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा। आवश्यक कार्यों में विलंब हो सकता है। यदि आपका स्वतंत्र व्यवसाय है, तो अपने ऑडिट पर नजर बनाए रखें। बदलते मौसम को लेकर सेहत का ध्यान विशेष रूप से रखें।

कर्क — आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन काफी अच्छा रहने वाला है। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। कुछ नए एवं रोचक अनुभव आपको प्राप्त होने वाले हैं। उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। आप अपने शौक पर अत्यधिक धन खर्च करेंगे।

सिंह — आज आत्मविश्वास एवं आशाओं से भरपूर रहेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। मन में विचारों का प्रवाह बढ़ेगा। दूर की यात्रा करने से आपको बचना चाहिए। कुछ मित्र प्रवृत्ति के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं।

कन्या — आज कम मेहनत से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यशैली को नया रूप देने का प्रयास करेंगे। दोस्तों के साथ बात करके अच्छा महसूस करेंगे। प्रेमी जन के प्रति अत्यंत आकर्षित रहेंगे। युवा अपने करियर को लेकर चिंतित रहेंगे।

तुला — आज घर में किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। सामाजिक कार्यों में आप सहभागिता दिखाएंगे। धन संबंधित कार्यों को लेकर आप निर्णय बदल सकते हैं। दिखावे की प्रवृत्ति के कारण नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक — आज आईटी से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। परिवार में आपको प्रशंसा मिलेगी। आपके सुझावों से लोगों को अत्यंत लाभ मिलेगा। व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। बच्चों को अच्छी सीख दें।

धनु — आज घरेलू चिंताओं का असर कार्य पर पड़ सकता है। मन की उथल-पुथल को शांत करने का प्रयास करें। विपरीत परिस्थितियों से घबराने के बजाय उनका समाधान खोजें। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी के कारण आपके काम अटक सकते हैं।

मकर — आज परिवार और कारोबार में संतुलन बनाकर रखें। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। व्यवसाय में साझेदारों से आपको अत्यधिक लाभ मिलेगा। दूसरों के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा।

कुंभ — आज मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोग बहुत मेहनत करेंगे। कारोबार में विस्तार के लिए उधार लेना चाह रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। आपको लोगों के साथ संवाद अच्छा रखना चाहिए। विवाह जैसे आयोजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं।

मीन — आज रोजगार में परिवर्तन करने के लिए समय अच्छा नहीं है। युवा वर्ग को किसी नौकरी आदि के इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लव लाइफ काफी अच्छी रहेगी। अधिकारियों का रूख आपके प्रति सकारात्मक रहेगा।

सुडोकू -172

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
						6		
			7					
	6							
								3
				3				
		9						5
					4			
								1

सुडोकू - 171 का हल

5	8	4	9	1	2	7	6	3
3	7	1	6	8	4	9	2	5
2	9	6	3	5	7	1	4	8
1	2	3	8	9	6	5	7	4
6	4	8	7	2	5	3	9	1
7	5	9	4	3	1	2	8	6
9	3	7	1	6	8	4	5	2
8	1	5	2	4	9	6	3	7
4	6	2	5	7	3	8	1	9

"ओलंपिक में निराशा के बाद कड़ी मेहनत के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा मुश्किल था। मैंने कुछ समय के लिए ब्रेक लिया, लेकिन वापसी पर भी मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था। मैं बहुत सी चीजों से निपट रहा था और फिट नहीं होने के बावजूद टूर्नामेंटों में प्रतिस्पर्धा कर रहा था।
–लक्ष्य सेन, बैटमिंटन खिलाड़ी

स्टेडियम
हल्द्वानी, बुधवार 26 नवंबर 2025
अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे सुमित नागला

चेंगडू : भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2–6, 6–0, 6–2 से जीत दर्ज की। नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिए पुरुष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे। नागल को शुरुआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई। उनका आवेदन खारिज होने के बाद उन्हें चीनी अधिकारियों से सार्वजनिक तौर पर अपील करनी पड़ी।

स्पेन, जापान को जूनियर हॉकी विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

मदुरै : दो बार की कांस्य पदक विजेता स्पेन को जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन का यकीन है और उनके कोच ने कहा कि टीम पूरी तैयारी के साथ उतरी है। स्पेन और ऑस्ट्रिया की टीमें मंगलवार को यहां पहुंची जबकि जापान और चिली की टीमें चेन्नई पहुंची हैं। स्पेन के कोच ओरियोल पुइग टोरास ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि हम काफी रोमांचित हैं और इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर गौरवान्वित भी। हमारी तैयारियां अच्छी चल रही है और मेरा मानना है कि हमारे पास शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम है। स्पेन ने 2003 कुआलालम्पुर जूनियर विश्व कप में भारत को हराकर कांस्य पदक जीता था। स्पेन को पूल डी में बेल्जियम, नामीबिया और मिस्र के साथ रखा गया है।

मंधाना के अकाउंट से शादी से पहले के पोस्ट गायब

नई दिल्ली : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुछाल के साथ अपनी शादी से पहले के जश्न से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। उनके पिता के अस्पताल में भर्ती होने से मुख्य समारोह अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। स्मृति और पलाश 23 नवंबर को महाराष्ट्र में इस क्रिकेटर के गृहनगर सांगली में शादी करने वाले थे। स्मृति के पिता के दिल की बीमारी से अस्पताल में भर्ती होने के बाद समारोह रोक दिया गया। हालांकि सगाई और दूसरे जश्न से पहले के वायरल सोशल मीडिया पोस्ट स्मृति के पेज से गायब होने के बाद इस जोड़ी 0अब उनके पेज पर नहीं दिख रहा जिसमें स्मृति भारतीय टीम की अपनी कुछ साथियों के साथ 'लगे रहो मुन्नाभाई' के गाने 'समझो हो ही गया' पर नाच रही थीं।

साइकिलिस्ट मीनाक्षी ने विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता

जयपुर। गुरु नानक देव विवि की साइकिलिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने मंगलवार को महिला व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में 2025 खेलो इंडिया विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता। शिवाजी विवि की काजोल सरगर ने भारोत्तोलन के महिला 48 किग्रा वर्ग का स्वर्ण जीता जबकि लवली यूनिवर्सिटी की साक्षी ने निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साइकिलिंग ने पदार्पण किया है और रोड स्पर्धाओं में वापसी कर रहीं 2022 एशियाई खेलों की टीम परसुइट स्पर्धा की कांस्य पदक विजेता मीनाक्षी ने पहला स्वर्ण पदक जीता।

असंभव लक्ष्य के सामने लड़खड़ाया भारत

दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराया, भारतीय टीम ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 27 रन बनाएं

गुवाहाटी, एजेंसी

जिस पिच की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल प्रवृत्ति का दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया ,उस पर भारतीय बल्लेबाज दूसरी पारी में भी जूझते नजर आए। इससे उनकी टीम पर दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराने लग गया है। दो मैच की शृंखला में पहले ही पीछे चल रहे भारत ने 549 रन के लगभग असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए मंगलवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 15.5 ओवर में दो विकेट पर 27 रन बनाए हैं और लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए उसे अब 522 रन की जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीका में इससे पहले अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की। उसका आकर्षण ट्रिस्टन स्टब्स की पारी रही। इस युवा बल्लेबाज ने 180 गेंद का सामना करके 94 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टोनी डि जॉर्जी (68 गेंद पर 49) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन और वियान मुल्डर (69 गेंद पर नाबाद 35) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारत 201 रन ही बना पाया था। कोलकाता में पहला टेस्ट 30 रन से जीतने के बाद श्रृंखला में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका ने रक्षात्मक रवैया अपनाया और अपनी पारी समाप्त घोषित करने में देर लगाई। भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा उसके दोनों सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (13) और केएल राहुल (06) दस ओवर और 21 रन के अंदर पवेलियन में विराजमान थे।

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में भारतीय बल्लेबाज के आउट होने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी।

जायसवाल ने पहली पारी में छह विकेट लेने वाले मार्को यानसन की तेजी से उठती गेंद पर कट करने के प्रयास में विकेट के पीछे कैच दिया जबकि राहुल ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की गेंद पर पूरी तरह से गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। दिन का खेल समाप्त होने के समय साई सुदर्शन दो और नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव चार रन पर खेल रहे थे। पिच पर दरार पड़ गई हैं जिससे स्पिन गेंदबाजों को टर्न मिलना शुरू हो गया है। ऐसे में अगर भारत हार्मर एंड कंपनी के सामने मैच बचाने में सफल रहता है तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय बल्लेबाजों के हाल के समय में स्पिनरों के सामने खराब रिकार्ड को देखते हुए ऐसी संभावना कम ही नजर आती है। पहली पारी में एक रन से अर्धशतक से चूकने वाले स्टब्स ने भारत के सबसे सफल गेंदबाज रविंद्र जडेजा पर छक्का जड़कर अपना स्कोर 90 रन के पार पहुंचाया लेकिन इसी ओवर में स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हो गए। इसके तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने पारी समाप्त घोषित कर दी।

जडेजा ने 62 रन देकर चार विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। डि जॉर्जी और स्टब्स ने मैच पर दक्षिण अफ्रीका की पकड़ और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। डि जॉर्जी ने चार चौके और एक छक्का लगाया। इन दोनों ने स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ कई स्वीप शॉट लगाए। जडेजा ने डि जॉर्जी को पगबाधा आउट करके उन्हें अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया। एक निश्चित समय के बाद भारतीय क्षेत्ररक्षकों के हाव भाव से लग रहा था कि वे दूसरे सत्र के समाप्त होने का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद पारी घोषित होने की उम्मीद थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेलटन (64 गेंदों पर 35 रन) और एडेन मारक्रम (84 गेंदों पर 29 रन) ने एक बार फिर अर्धशतकीय साझेदारी की, लेकिन जडेजा ने दोनों को आउट कर दिया। रिकेलटन गेंद की पिच तक पहुंचने की कोशिश में बहुत करीब आ गए और कवर के ऊपर से लगाई गई उनकी ड्राइव को मोहम्मद सिराज ने छलांग लगाकर कैच में बदल दिया। मारक्रम के लिए जडेजा ने थोड़ी धीमी गति की गेंद की जिसे बल्लेबाज ने आगे बढ़कर रक्षात्मक रूप से खेलने का प्रयास किया लेकिन गेंद तेजी से घूमकर बल्ले का किनारा लेते हुए ऑफ-स्टंप पर जा लगी। वाशिंगटन ने इसके बाद बावुमा (03) को आउट किया, जिनकी उछाल लेती गेंद बल्लेबाज के दस्तानों को चूमकर लेग स्लिप में खड़े नीतीश कुमार रेड्डी के सुरक्षित हाथों में चली गई।

यह शृंखला गंवाने का हम पर असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अगली शृंखला आठ महीने बाद : जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में संभावित हार का अगले साल अगस्त में श्रीलंका में होने वाली टेस्ट शृंखला पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दूसरे टेस्ट में ड्रॉ कराना युवा टीम के लिए 'जीत' जैसा होगा। भारत का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की शृंखला गंवाना तय है क्योंकि आखिरी दिन 549 रन का लक्ष्य हासिल करना नामुमकिन होगा। चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद जडेजा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसका अगली शृंखला पर कोई असर पड़ेगा। लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर कोई भी शृंखला हारना नहीं चाहता, विशेषकर भारत में। उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे। हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। हम टेस्ट मैच बचाने की कोशिश करेंगे। अगर हम शृंखला नहीं भी जीत रहे हैं तो भी हम मैच ड्रॉ कर सकें जो हमारे लिए जीत की तरह की स्थिति होगी।

भारत

27/2 (दूसरी पारी) (15.5 ओवर)

- यशस्वी का वेरेन बो यानसेन 13
- लोकेश राहुल बो हार्मर 06
- साई सुदर्शन खेल रहे हैं 02
- कुलदीप यादव खेल रहे हैं 04

गेंदबाजी : यानसेन 5–2–14–1, मुल्डर 4–1–6–0, हार्मर 3 .5–2–1–1, महाराज 3–1–5–0

दक्षिण अफ्रीका

260/5 (दूसरी पारी) (78.3 ओवर)

- रेयान का सिराज बो जडेजा 35
- ऐडन मारक्रम बो जडेजा 29
- ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा 94
- तेम्बा बावुमा का रेड्डी बो वाशिंगटन 03
- टोनी डि जॉर्जी पगबाधा बो जडेजा 49
- वियान मुल्डर नाबाद 35

गेंदबाजी : बुमराह 6–0–22–0, सिराज 5–1–19–0, जडेजा 28 .3–3–62–4, कुलदीप 12–0–48–0, वाशिंगटन 22–2–67–1, जायसवाल 1–0–9–0,रेड्डी 4–0–24–0

जायसवाल को कट शॉट से करना पड़े परहेज : स्टेन

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने यशस्वी जायसवाल को अपने शानदार कट शॉट को कुछ समय के लिए उसी तरह से छोड़ने की सलाह दी जैसे कि सचिन तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया में ड्राइव शॉट का त्याग किया था। जायसवाल मंगलवार को दूसरे टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी में एक बार फिर से कट शॉट खेलने की कोशिश में मार्को यानसेन की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर काइल वेरेन के दस्तानों में चली गयी। स्टेन ने कहा कि यह उनका पसंदीदा शॉट है और इस तरह के शॉट से परहेज करना मुश्किल है। जब आप गेंद को अपने क्षेत्र में देखते हैं, तो आप उसे खेलने के लिए जाते हैं। उन्हें हालांकि इससे बचने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि सचिन ने एक बार ऑस्ट्रेलिया में अपने खेल से ड्राइव शॉट हटा दिया था। जायसवाल को यह भी कहना पड़ सकता है कि जब तक गेंद किसी खास क्षेत्र में न हो तो वह उसे खेले ही ना। ऐसी गेंदों पर उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर भरोसा करना होगा। भारत को जीत के लिए 549 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते समय सलामी जोड़ी से मजबूत शुरुआत की उम्मीद थी लेकिन जायसवाल उछाल लेती गेंद पर कट शॉट खेलने के लालच में विकेटकीपर काइल वेरेन को कैच दे बैठे। स्टेन ने कहा कि वह दायें हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से इस शॉट को खेल लेते है लेकिन मार्को यानसेन जैसे बायें हाथ के तेज गेंदबाज की गेंद उनकी उम्मीद से ज्यादा शरीर के करीब होती है।

भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : रैना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा शृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है। दो मैचों की इस शृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा कि गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा।

हार्दिक की वापसी, आईपीएल से पहले खिलाड़ियों के पास चमकने का मौका

सैयद मुश्ताक ट्रॉफी

हैदराबाद, एजेंसी

चोट के बाद वापसी कर रहे हार्दिक पंड्या पर बुधवार से शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में सभी की नजरें होंगी जबकि प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर आईपीएल की नीलामी से पहले अच्छा प्रदर्शन करके ध्यान खींचना चाहेंगे।

हार्दिक ने सितंबर में एशिया कप के दौरान चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। फरवरी मार्च में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले हार्दिक सिर्फ टी-20 प्रारूप ही खेलेंगे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू हो रही टी-20 शृंखला से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का उनके पास यह टूर्नामेंट ही एक मौका है। टूर्नामेंट हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता और लखनऊ में खेला जायेगा। शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम गत चैम्पियन के तौर पर उतरेगी। बड़ौदा की टीम आठ दिसंबर तक सात ग्रुप मैच खेलेगी और मुख्य कोच मुकुंद परमार को पंड्या के अधिकांश मैचों में खेलने की उम्मीद है। परमार ने कहा कि वह अभी टीम से जुड़ा नहीं है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह अधिकांश मैच खेलेगा। उसकी मौजूदगी से टीम का मनोबल बढेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी मुंबई के लिए अधिकांश ग्रुप मैच खेलेंगे। शिवम दुबे भी मुंबई टीम का हिस्सा है।

वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को तमिलनाडु का कप्तान बनाया गया है जो ग्रुप चरण में खेलेंगे। केरल के कप्तान संजू सैमसन भी ग्रुप चरण में नजर आएंगे। एक समय भारतीय क्रिकेट में भविष्य का सितारा माने जा रहे पृथ्वी साव को पिछले साल नीलामी में किसी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। अब वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए नहीं बल्कि महाराष्ट्र के लिये खेलते हैं।

भारत अजलन शाह कप हॉकी में बेल्जियम से 2-3 से हारा

इपोह (मलेशिया)। भारत ने मंगलवार को बारिश से प्रभावित सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के मैच में डटकर मुकाबला किया लेकिन आखिर में वह बेल्जियम से 2-3 से हार गया।

भारत के लिए अभिषेक (33वें मिनट) और शिलानंद लाकड़ा (57वें) ने, जबकि बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17वें और 57वें) और निकोलस डी केर्पेल (45वें) ने गोल किए। डिफेंडर संजय की अगुवाई में भारत ने छह टीमों की प्रतियोगिता में रविवार को तीन बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ पहला मैच 1-0 से जीता था। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला।

इसके बाद उसने जल्द ही दूसरा पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल कर लिया। लेकिन दोनों अवसरों पर भारतीय रक्षापंक्ति ने डटकर मुकाबला किया और सुनिश्चित किया कि पहले क्वार्टर के अंत तक वे बराबरी पर रहें। भारतीय गोलकीपर पवन ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन वह 17वें मिनट में रोमन डुवेकोट को गोल करने से नहीं रोक पाए जिससे बेल्जियम ने बढ़त ली। भारत ने दूसरे हाफ में गोल से स्कोर बराबर कर दिया।

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में मंगलवार को महिला व पुरुष युगल के मुख्य ड्रा के पहले दौर के मुकाबले खेले गए। भारतीय खिलाड़ियों ने कई वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जाली और गायत्री गोपीचंद ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछली विजेता इस भारतीय जोड़ी ने मलेशिया की चेंग सू हूई और तैन झिंग वाई की जोड़ी को 1 घंटे 14 मिनट चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 19–21, 22–20, 21–9 से हराया। पहला गेम बढ़त में रहने के बावजूद हारने के बाद त्रिशा–गायत्री ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम लगातार जीते। यह मुकाबला दिन के महिला युगल के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से रहा।

पिछली उपविजेता व दूसरी वरीय जोड़ी साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णामूर्ति राय ने भारत के ही स्वर्णराज बोरा व निबिर रंजन को 21–8, 21–17 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

यूपी की खिलाड़ी श्रुति मिश्रा अपनी साथी प्रिया कोंजेंगबम के साथ जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में पहुंचीं। इन दोनों ने भारत की ही समृद्धि सिंह व रीवा को 21–8, 21–11 से हराया। हालांकि यूपी की अन्य जोड़ी समृद्धि सिंह और तनीषा सिंह पहले दौर में ही बाहर हो गई।

चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा और येव्हेनिया कांतमिर ने भारत की तनीषा सिंह व साक्षी गहलावत को 21–9, 21–19 से हराया। पुरुष युगल की तर्ज पर महिला युगल में भी कई मुकाबले एकतरफा रहे।

पुरुष युगल : भारतीय जोड़ियों का दबदबा

पांचवीं वरीय भारतीय जोड़ी एमआर अर्जुन व हरिहरन अम्साकरुनन ने भारत के आयुष मखीजा व सुजय तंबोली को 21–11, 21–13 से मात दी। चीनी ताइपे की चौथी वरीय जोड़ी ह्वांग जुई–शुआन व झी–वेई हे ने भारत के शशांक छेत्री व नितिन कुमार को 21–19, 21–15 से हराया। भारत के विप्लव कुवले व विराज कुवले ने कड़े मुकाबले में अपने हमवतन आदित्य दिवाकर व केविन थंगम को 22–20, 16–21, 21–19 से हराया।

क्वालीफायर के परिणाम

क्वालीफायर में कई भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रा में जगह पक्की की।

पुरुष एकल : अभिनव ठाकुर, ओर्जित चालिहा,आर्य, भरत राघव,

महिला एकल : प्रकृति भारत, अदिता राव, अलीशा नायक,

मिश्रित युगल : मिथिलेश पी . कृष्णन व वरना, विशाखा टोप्पो व भव्य छाबड़ा, सी . लालरामसंगा व तारिनी सूरी, नितिन एचवी व श्रीनिधि नारायण

पुरुष युगल : भव्य छाबड़ा व परम चौधरी, मयंक राणा व आर्यन, असिथ सूर्या व गणेश, आयुष अग्रवाल व दक्ष गौतम।

महिला युगल : आरती सारा सुनील व वी . विश्वनाथ, जेनिथ व लिखिता श्रीवास्तव, वीआर नारधाना व ऋद्धिवंशी रामास्वामी।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 : भारत की मेजबानी पर मुहर लगने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

- **2010 में दिल्ली में हुए थे राष्ट्रमंडल खेल, अब अहमदाबाद में आयोजन की तैयारी**

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी हासिल करने को लेकर आश्वस्त भारत की बोली को बुधवार को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा में औपचारिक रूप से मंजूरी मिल जाएगी, जो देश की वैश्विक बहु-खेल केंद्र बनने की महत्वाकांक्षी योजना में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है। बुधवार की आम सभा में राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड की सिफारिशों पर मुहर लगाने की औपचारिकता पूरी की जाएगी। ये सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की निगरानी में एक प्रक्रिया के बाद की गई थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की ओर से कहा गया है कि आमसभा के दौरान राष्ट्रमंडल के सदस्य 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के संबंध में अंतिम फैसला करेंगे, जिसके बाद भारत की ओर से एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें अहमदाबाद में खेलों के लिए उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया जाएगा। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे होने की उम्मीद है। भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोग करेंगे।

टी-20 विश्व कप का कार्यक्रम | **15 फरवरी को दोनों टीमों का कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा आमना सामना**

भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप के लिए एक ही ग्रुप में

मुंबई, एजेंसी

चिर-प्रतिद्वंदी भारत और पाकिस्तान को 2026 पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में रखा गया है और मंगलवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के बीच टूर्नामेंट के लिए हुए समझौते के अनुसार पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा।

मौजूदा चैंपियन भारत अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ करेगा और उसके बाद 12 फरवरी को दिल्ली में नामीबिया से भिड़ेगा। टीम इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए कोलंबो जायेगी और फिर 18 फरवरी को अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ अपना

आखिरी लीग मैच खेलेगी। यह टूर्नामेंट सात फरवरी से आठ मार्च तक आठ स्थलों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, कोलंबो और कैंडी में 55 मैच होंगे। आईसीसी अध्यक्ष जय शर्मा ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम का अनावरण करते हुए यह घोषणा की। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान शामिल हैं, जबकि ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली शामिल हैं। ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई शामिल हैं।

भारत के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा को इस विश्व कप के लिए टूर्नामेंट दूत नियुक्त किया गया। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 में हुए पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। रोहित ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 32.01 की औसत और 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए। रोहित ने पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हुए विश्व कप में भारत की जीत के बाद खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास ले लिया था। भारत ने तब 11 साल के लंबे अंतराल के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती थी।

डब्ल्यूपीएल में दीप्ति, गौड़, चरणी को मोटी राशि मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। लॉरा वोलवार्ट और भारत की विश्व कप में जीत की नायिका दीप्ति शर्मा सहित कई शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर गुरुवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि घरेलू खिलाड़ी क्रांति गौड़ और श्री चरणी को भी मोटी धनराशि मिलने की उम्मीद है। कुल 277 खिलाड़ी (194 भारतीय और 83 विदेशी) पहली बार होने वाली इस मेगा नीलामी का हिस्सा होंगे। पांच टीमें अधिकतम 73 स्थानों को भरने की कोशिश करेंगी, जिनमें 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे। कम से कम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ी टीम में शामिल किए जा सकते हैं। वनडे विश्व कप जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों की भारी मांग होगी। टूर्नामेंट की प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट दीप्ति शर्मा पर अच्छी बोली लगने की संभावना है। उन्हें विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद यूपी वॉरियर्स ने रिलीज़ कर दिया था।